महानगर नई दिल्ली सोमवार 16 दिसंबर, 2019, रु. 5.00 (12 पेज) दिल्ली, कोलकाता, लखनऊ और चंडीगढ़ से प्रकाशित

जनसत्ता

jansatta.com epaper.jansatta.com facebook.com/jansatta twitter.com/jansatta

नागरिकता संशोधन कानून

दिल्ली तक पहुंची आग

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 15 दिसंबर।

नागरिकता संशोधन कानून को लेकर देश के कई हिस्सों में पिछले कुछ दिनों से जारी विरोध-प्रदर्शनों की आग रविवार को दिल्ली तक पहुंच गई। जामिया नगर, न्यू फ्रेंड्स कालोनी और आश्रम इलाके में प्रदर्शनकारियों ने रविवार को जमकर उपद्रव किया और तीन बसों व एक दमकल को आग के हवाले कर दिया। साथ ही कई बसों में तोड़फोड़ की गई। इस दौरान दो दमकलकर्मियों को मामूली चोटें भी पहुंची। बस चालक और सवारियों ने बसों से कूद कर अपनी जान **बाकी पेज 8 पर**

जामिया मिल्लिया के परिसर में घुसी पुलिस

केजरीवाल ने की उपराज्यपाल से बात

तीन बसों व एक दमकल को आग के हवाले किया, सवारियों ने बसों से कूद कर बचाई जान।

बंगाल के छह जिलों में इंटरनेट सेवाएं निलंबित

छात्रों के हंगामे के बाद एएमयू पांच जनवरी तक बंद।

-खबरें पेज 8 पर

पुलिस ने जामिया परिसर में दागे आंसू गैस के गोले : विद्यार्थी

पुलिस मुख्यालय पर देर रात प्रदर्शन

दक्षिणी पूर्वी दिल्ली में बंद रहेंगे स्कूल

जामिया हिंसा को लेकर सियासत में भी उबाल - सभी खबरें पेज 3 पर

नई दिल्ली में रविवार को नागरिकता कानून के खिलाफ प्रदर्शनों के दौरान फूंकी गई बस।

प्रदर्शन हमारे विद्यार्थियों का नहीं : जामिया प्रशासन

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 15 दिसंबर।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के आसपास रविवार को हुए प्रदर्शन और हिंसा की घटनाओं पर विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि प्रदर्शन जामिया के विद्यार्थियों ने आयोजित नहीं किया था। इसको आसपास के आम लोगों की ओर से आयोजित किया गया था। विद्यार्थियों के एक समूह ने भी खुद को इस प्रदर्शन से अलग किया है।

जामिया के जनसंपर्क अधिकारी अजीम अहमद ने बताया कि 13 दिसंबर की घटना के बाद विश्वविद्यालय की ओर से शीतकालीन छुट्टियों **बाकी पेज 8 पर**

प्रधानमंत्री ने कहा

कपड़ों से की जाए उपद्रवियों की पहचान

दुमका (झारखंड), 15 दिसंबर (भाषा)।

नागरिकता संशोधन कानून के मुद्दे पर हिंसा को तूल देने का कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि विपक्ष की हरकतों से यह साबित हो गया है कि इस विधेयक को पारित करना 'हजार फीसद सही' था और आगजनी में शामिल लोगों की पहचान उनके कपड़ों से की जाए।

मोदी ने यहां एक चुनावी रैली में कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल नागरिकता कानून को लेकर आग भड़का रहे हैं लेकिन पूर्वोत्तर के लोगों ने हिंसा को खारिज कर दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'देश देख रहा है; विधेयक को संसद की मंजूरी मिलने के बाद मोदी में लोगों की आस्था और मजबूत हुई है। उनकी (विपक्ष की) हरकतों से प्रदर्शित होता है कि नागरिकता (संशोधन) विधेयक को संसद में पारित करने का फैसला 1,000 प्रतिशत सही था।'

दरअसल, इस कानून **बाकी पेज 8 पर**

प्रधानमंत्री ने नागरिकता संशोधन विधेयक के विरोध में हिंसा व आगजनी पर कहा, कांग्रेस और उसके सहयोगी नागरिकता कानून को लेकर आग भड़का रहे हैं।

उन्नाव बलात्कार कांड

सेंगर मामले में आज आ सकता है फैसला

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (भाषा)।

पार्टी से निष्कासित भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर पर 2017 में लगे अपहरण और बलात्कार के आरोप के मामले में दिल्ली की एक अदालत सोमवार को फैसला सुनाएगी।

कैमरे के सामने चलने वाली कार्यवाही में जिला न्यायाधीश धर्मेश शर्मा ने कहा था कि वह मुकदमे में सीबीआइ और आरोपी पक्ष की दलीलें सुनने के बाद 16 दिसंबर को फैसला सुना सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर मुकदमे को लखनऊ से दिल्ली स्थानांतरित किए जाने के बाद न्यायाधीश ने पांच अगस्त से प्रतिदिन मुकदमे की सुनवाई की थी।

सेंगर पर महिला को 2017 में नाबालिग रहते हुए कथित रूप से अगवा कर उसके साथ बलात्कार करने का आरोप है। अदालत ने सह आरोपी शशि सिंह **बाकी पेज 8 पर**

सेंगर पर महिला को 2017 में नाबालिग रहते हुए कथित रूप से अगवा कर उसके साथ बलात्कार करने का आरोप है।

असम हिंसा : गुवाहाटी में दो और लोगों की मौत

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 15 दिसंबर।

असम के गुवाहाटी में गोली लगने से दो और लोगों की मौत हो गई, जिससे नागरिकता कानून के खिलाफ हिंसक प्रदर्शनों में मरने वालों की कुल संख्या पांच तक पहुंच गई है। असम समेत पूर्वोत्तर के विभिन्न राज्यों व पश्चिम बंगाल में रविवार को भी प्रदर्शनों का दौर जारी रहा। असम के कुछ इलाकों में कर्फ्यू में ढील दी गई। असम को लेकर केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने रविवार को कहा कि वहां हालात काबू में आ रहे हैं।

गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज व अस्पताल के अधीक्षक रमन तालुकदार के मुताबिक, सुरक्षा बलों की गोली से घायल एक व्यक्ति की मौत शनिवार की रात को हुई, जबकि दूसरे व्यक्ति की रविवार सुबह हुई।

ये दोनों प्रदर्शन के दौरान गोली लगने से घायल 27 लोगों **बाकी पेज 8 पर**

पुलिस गोलीबारी में मरने वालों की संख्या पांच हुई

गुवाहाटी और डिब्रूगढ़ में कर्फ्यू में ढील

बंगाल के छह जिलों में इंटरनेट सेवाएं निलंबित **- खबर पेज 8 पर**

सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी में अगप और कांग्रेस

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 15 दिसंबर।

असम में सत्तारूढ़ भाजपा की सहयोगी असम गण परिषद और विपक्षी कांग्रेस- दोनों ही पार्टियां नागरिकता संशोधन कानून रद्द कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगी। अगप नेता दीपक दास ने कहा कि इस कानून से असम के लोगों के **बाकी पेज 8 पर**

कानून सावरकर के विचारों के खिलाफ : उद्धव

नागपुर, 15 दिसंबर (भाषा)।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने नए नागरिकता कानून के तहत प्रताड़ित अल्पसंख्यकों को भारत में स्वीकार करने को लेकर अपने पूर्व सहयोगी दल भाजपा पर रविवार को निशाना साधा और कहा कि यह वीडी सावरकर का 'अपमान' है जो सिंधु नदी से लेकर कन्याकुमारी तक की भूमि 'एक देश' के तहत लाना चाहते थे।

ठाकरे ने राज्य विधानमंडल के शीतकालीन सत्र की पूर्व संध्या पर संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि संशोधित नागरिकता अधिनियम हिंदुत्व विचारक वीडी सावरकर के विचारों के खिलाफ है जिन्हें संघ परिवार काफी सम्मान देता है। सावरकर ने

सावरकर के पोते ने उद्धव को उनका बयान याद दिलाया

मुंबई, 15 दिसंबर (भाषा)।

विनायक दामोदर सावरकर के पोते रंजीत सावरकर ने रविवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से अपील की कि वह हिंदुत्व के दिवंगत नायक का अपमान करने वाले कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सार्वजनिक रूप से 'पिटाई' करें।

रंजीत ने दिल्ली में आयोजित 'देश बचाओ रैली' में शनिवार को राहुल गांधी की ओर से की गई टिप्पणी के संदर्भ में यह बात कही। राहुल ने रैली में 'रेप इन इंडिया' वाले बयान पर भाजपा की ओर से माफी की मांग खारिज करते हुए कहा था **बाकी पेज 8 पर**

सिंधु नदी से कन्याकुमारी तक की भूमि एक देश के तहत लाने की मांग की थी। ऐसा करने के बजाय, भाजपा **बाकी पेज 8 पर**

अवैध बांग्लादेशियों की सूची मुहैया कराए भारत : बांग्लादेश

ढाका, 15 दिसंबर (भाषा)।

बांग्लादेश के विदेश मंत्री एके अब्दुल मोमेन ने रविवार को कहा कि उनके देश ने भारत से अनुरोध किया कि अगर उसके पास वहां अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों की सूची है तो उसे मुहैया कराए और वह उन्हें लौटने की मंजूरी देगा।

भारत की राष्ट्रीय नागरिक पंजिका (एनआरसी) पर सवाल के जवाब में मोमेन ने कहा कि बांग्लादेश-भारत के संबंध सामान्य व काफी अच्छे हैं और इन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। मोमेन ने व्यस्त कार्यक्रम का हवाला देते हुए गुरुवार को भारत की अपनी यात्रा रद्द कर दी थी। उन्होंने कहा कि भारत ने एनआरसी प्रक्रिया को अपना आंतरिक मामला बताया है और ढाका को आश्वस्त किया कि इससे बांग्लादेश पर असर नहीं पड़ेगा। कुछ भारतीय नागरिक आर्थिक वजहों से बिचौलिए के जरिए अवैध रूप से बांग्लादेश में घुस रहे हैं। मोमेन ने यहां मीडिया से **बाकी पेज 8 पर**

मोमेन ने कहा, 'लेकिन अगर हमारे नागरिकों के अलावा कोई बांग्लादेश में घुसता है तो हम उसे वापस भेज देंगे।'

अभिनेत्री पायल रोहतगी पुलिस हिरासत में

कोटा (राजस्थान), 15 दिसंबर (भाषा)।

गांधी-नेहरू परिवार के खिलाफ सोशल मीडिया पर कथित रूप से आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट करने के मामले में पूछताछ करने के लिए राजस्थान पुलिस ने बॉलीवुड अभिनेत्री पायल रोहतगी को उनके अमदाबाद स्थित आवास से रविवार सुबह हिरासत में ले लिया।

बूंदी (राजस्थान) पुलिस ने मोतीलाल नेहरू, जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और गांधी-नेहरू परिवार के अन्य सदस्यों के खिलाफ आपत्तिजनक सामग्री (पोस्ट करने) के लिए अभिनेत्री के खिलाफ 10 अक्तूबर को सूचना प्रौद्योगिकी (आइटी) कानून के तहत मामला दर्ज किया था। उन्हें इस महीने की शुरूआत में एक नोटिस दिया गया था और इस संबंध में जवाब देने के लिए कहा गया था।

पायल रोहतगी ने **बाकी पेज 8 पर**

गांधी-नेहरू परिवार के खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट की थी

उत्तराखंड में बर्फबारी, तीन लोगों की मौत

देहरादून, 15 दिसंबर (भाषा)।

उत्तराखंड में पिछले दो से तीन दिनों में भारी हिमपात के कारण ठंड से तीन लोगों की मौत हो गई जबकि प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग सहित दर्जनों रास्ते आवाजाही के लिए बंद कर दिए गए हैं।

हालांकि, आज ज्यादातर जगहों पर मौसम साफ रहा और धूप निकली जिससे हवा में ठिठुरन और बढ़ गई। चमोली जिले के गैंड गांव में एक व्यक्ति की बर्फ में दबने से मौत हो गई और पुलिस के अनुसार उसकी पहचान मदन मोहन (59) के रूप में की गई है और घर लौटते समय उसकी मौत हो गई।

एक अन्य घटना में पौड़ी जिले में काशीपुर-बुआखाल राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक व्यक्ति बर्फ से फिसलकर खाई में गिर गया, जिससे उसकी मृत्यु हो गई। मृतक की पहचान नरेंद्र सिंह नेगी (50) के रूप में की गई है। तीसरी घटना में संतोष सुंदियाल नामक व्यक्ति की भी पौड़ी जिले के बलूडी गांव में बर्फ से फिसलकर खाई में गिरने से मौत हो गई।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार, बर्फवारी के कारण देहरादून में लोखडी-कोटी कनासर-राष्ट्रीय राजमार्ग, उत्तरकाशी जिले में ऋषिकेश-गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग बर्फबारी के कारण भैरवघाटी के पास तथा चमोली जिले में ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग हेलंग के पास बंद हो गया। इसके अलावा प्रदेश के कई प्रमुख मार्ग जैसे गोपेश्वर-चोपता-मंडल मार्ग, तवाघाट-नारायण आश्रम मार्ग तथा थल-मुनस्यारी मोटर मार्ग भी बर्फबारी के कारण यातायात के लिए अवरूद्ध हो गए हैं।

चमोली जिले की घाट तहसील के आठ गांव, गैरसैंण के 30 गांव, नारायणबगड के 25 गांव, जोशीमठ तथा पोखरी के कई गांव, टिहरी जिले में धनोल्टी एवं थत्यूड के कुछ गांवों में बर्फबारी के कारण बिजली की आपूर्ति भी ठप्प हो गई है जिसे ठीक करने का प्रयास किया जा रहा है।

फिलहाल ठंड से राहत मिलने की कोई संभावना नहीं है। मौसम विभाग द्वारा रविवार यहां जारी पूर्वानुमान में, फिलहाल कहीं-कहीं विशेषकर उत्तरकाशी, चमोली और पिथौरागढ़ जिलों में हल्की वर्षा या बर्फबारी की संभावना व्यक्त की गई है। पूर्वानुमान में कहा गया है कि 2500 मीटर या उससे अधिक उंचाई वाले स्थानों में बर्फबारी हो सकती है।

राष्ट्रीय राजमार्ग सहित दर्जनों रास्ते आवाजाही के लिए बंद

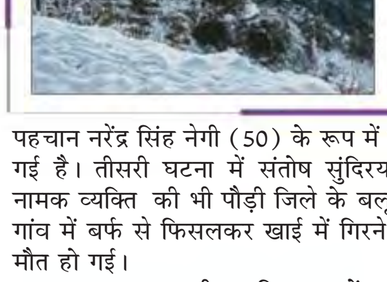

चमोली जिले की घाट तहसील के आठ गांव, गैरसैंण के 30 गांव, नारायणबगड के 25 गांव, जोशीमठ तथा पोखरी के कई गांव, टिहरी जिले में धनोल्टी एवं थत्यूड के कुछ गांवों में बर्फबारी के कारण बिजली की आपूर्ति भी ठप्प हो गई है जिसे ठीक करने का प्रयास किया जा रहा है।

दरअसल

कानूनी सख्ती के बावजूद बलात्कार के मामलों में दोषसिद्धि दर कम

एनसीआरबी आंकड़े

2017 में बलात्कार मामलों में आरोपपत्र की दर घटकर 86.4 फीसद

बलात्कार दोषसिद्धि की दर महज 32 फीसद

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (भाषा)।

पूरे देश को हिलाकर रखने वाले निर्भया सामूहिक बलात्कार के सात साल बाद देश में बलात्कार के मामलों में दोषसिद्धि दर 32.2 फीसद है। इस घटना के बाद यौन उत्पीड़न से निपटने के लिए कानूनों को सख्त बनाए जाने के बावजूद बलात्कार के मामलों में दोषसिद्धि दर कम है।

2017 के लिए उपलब्ध राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार उस वर्ष बलात्कार के मामलों की कुल संख्या 1,46,201 थी, लेकिन उनमें से केवल 5,822 लोगों की दोषसिद्धि हुई। एनसीआरबी के आंकड़े बताते हैं कि 2017 में बलात्कार के मामलों में आरोप पत्र की दर घटकर 86.4 फीसद रह गई, जो 2013 में 95.4 फीसद थी।

2017

के लिए उपलब्ध राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार उस वर्ष बलात्कार के मामलों की कुल संख्या 1,46,201 थी, लेकिन उनमें से केवल 5,822 लोगों की दोषसिद्धि हुई।

पुलिस को अधिक कुशल बनाने की आवश्यकता

अलवर बलात्कार मामले में बचाव पक्ष की वकील शिल्पी जैन ने कहा कि बलात्कार मामलों की जांच करने वाले पुलिस के बीट कांस्टेबलों को अधिक कुशल बनाने की आवश्यकता है।

अलवर बलात्कार मामले में बचाव पक्ष की वकील शिल्पी जैन ने कहा कि बलात्कार मामलों की जांच करने वाले पुलिस के क्षेत्र-स्तरीय कर्मचारियों को अधिक कुशल बनाने की आवश्यकता है। इस मामले में ओड़ीशा के पूर्व पुलिस महानिदेशक बीबी मोहंती के बेटे बिट्टी मोहंती ने एक विदेशी पर्यटक से बलात्कार किया था। जैन ने कहा, 'वे ज्यादातर अनुभवहीन हैं और ताकत उनके सिर पर चढ़ जाती है और ज्यादातर मामलों में वे बेहद भ्रष्ट हैं।' उन्होंने कहा, 'एक उप-निरीक्षक उच्चतम स्तर का अधिकारी होता है जो आरोप पत्र दायर करता है, इसलिए कोई भी तथ्यों की गुणवत्ता की कल्पना कर सकता है।'

गौरतलब है कि दक्षिण दिल्ली में 23 वर्षीय एक छात्रा से वर्ष 2012 में 16 और 17 दिसंबर की दरम्यानी रात में एक चलती बस में सामूहिक बलात्कार किया गया। सड़क पर फेंके जाने से पहले उस पर गंभीर रूप से हमला किया गया और 29 दिसंबर को सिंगापुर के माउंट एलिजाबेथ अस्पताल में उसकी मौत हो गई थी।

निर्भया पर इस भयानक हमले के एक सप्ताह बाद यौन उत्पीड़न के मामलों से निपटने के लिए आपराधिक कानूनों की समीक्षा के लिए न्यायमूर्ति जेएस वर्मा समिति गठित की गई थी।

www.readwhere.com

‘कश्मीर में सीमित स्तर पर ब्रॉडबैंड इंटरनेट सेवाएं जल्द’

जम्मू, 15 दिसंबर (भाषा)। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह ने कहा है कि घाटी में ब्रॉडबैंड इंटरनेट सेवाएं आगामी दिनों में ‘सीमित स्तर’ पर बहाल की जाएंगी। कठुआ जिले में एक कार्यक्रम के इतर पुलिस प्रमुख ने संवाददाताओं से कहा, ‘बड़े पैमाने पर पाबंदियों में ढील दी गई है। फोन काम कर रहे हैं (कश्मीर घाटी में)।

जनसत्ता क्लासीफाइड

व्यक्तिगत

I, Tanuj Nagpal S/o Raj Kumar Nagpal R/o Flat-63, B-8, Sector-4, Rohini, Delhi-110085, have changed my minor daughter's name from JUHI to JUHI NAGPAL. 0040524225-2

I, Suresh Kumar S/o Bachan Ram R/o House No-39, Brij Vihar, Dindarpur, Najafgarh, Delhi-110043, have changed my minor son's name from Sourav aged 17 years to Sourav Kumar forever. 0070688297-1

I, Rita Devi w/o Ram Roop Yadav d/o Mohit Yadav R/O A749 GD Colony Mayur vihar ph - 3, Delhi that on my Pan Card father's name has been wrongly mentioned as Ram Roop Yadav my father's correct name is Mohit Yadav 0040524244-1

I, Raunaq Banthia D/O, Puneet Banthia R/o C-75 Second Floor, lane-4, Mahendru Enclave Delhi-110033 have changed my name to Rraunaq Banthia for all purposes. 0040524274-1

I, Kundan Singh No.6489867H Rank HAV/ASH R/o Village Satyoun P.O. Satyoun Distt. Almora Uttarakhand-263601 have changed my son's name from Devendra Singh to Devendra Kanwal, dob from 11.09.2003 to 11.09.2004 vide affidavit dated 6th December before Notary Public India. 0040524263-1

I, Kishori Lal S/o Ganpat Rai Sharma R/o I-212, Karam Pura, Delhi-110015, have changed my name to KISHORI LAL SHARMA. 0040524227-2

I, Kante Devi spouse of No.6489867H Rank HAV/ASH R/o Village Satyoun P.O. Satyoun Distt. Almora Uttarakhand-263601 have changed my name from Kante Devi to Kanti Devi, dob from 01.01.1981 to 01.01.1982 vide affidavit dated 6th December before Notary Public India. 0040524262-1

I, Bindu Kohli D/o Sat Pal Sachdeva R/o FF, 8/11, East Patel Nagar, Delhi-110008, have changed my name to BINDU SACHDEVA. 0040524224-2

I Gourav S/o Suresh Kumar R/o House No-39, Brij Vihar, Dindarpur, Najafgarh, Delhi-110043, have changed my name to Gourav Kumar 0070688318-1

I Nasir S/o Akbar Ali R/o 318, Rampur Tengraha, Gonda, Tarabganj, UP-271124, have changed my name to Nasir Ahmad 0070688338-1

I Kapil S/o Balwant Rai Jain R/o 2034, Sector-1, Rohtak, Haryana-124001, have changed my name to Kapil Jain 0070688328-1

I Gaurav Jain S/o Shoban Lal Jain R/o Villa No-2, 10 A Raj Niwas Marg, Civil Lines, Delhi-110054, have changed my name to Gauurav Jain 0070688335-1

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किलों (1) सुभाष चन्द शर्मा सुपुत्र श्री राम जीवन शर्मा, व (2) श्रीमती कुसुम देवी पत्नी श्री सुभाष चन्द शर्मा, निवासी म0. न0. एच-87 गली न0.9, कुंवर सिंह नगर, नांगलोई, दिल्ली, ने अपने दोनों पुत्र व पुत्रवधुओं (1) मनोज कुमार शर्मा व इसकी पत्नी श्रीमती मीनाक्षी देवी एवं (2) अवधेश कुमार व इसकी पत्नी अर्चना शर्मा से इनके गलत कृत्यों / दुर्व्यवहार के कारण अपने सभी सम्बंध विच्छेद कर लिये है तथा इनको अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में यदि कोई व्यक्ति इनसे कोई भी सम्बन्ध बनाता है या कोई लेन-देन करता है इन पर कोई पुलिस केस / कोर्ट केस होता है तो मेरे मुवक्किलों की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
ओ0 पी0 शर्मा (अधिवक्ता) 1, एस.डी.एम. ऑफिस, नांगलोई दिल्ली-110041

"IMPORTANT"

Whilst care is taken prior to acceptance of advertising copy, it is not possible to verify its contents. The Indian Express (P) Limited cannot be held responsible for such contents, nor for any loss or damage incurred as a result of transactions with companies, associations or individuals advertising in its newspapers or Publications. We therefore recommend that readers make necessary inquiries before sending any monies or entering into any agreements with advertisers or otherwise acting on an advertisement in any manner whatsoever.

निशानेबाज वर्तिका ने खून से लिखा पत्र

जताई निर्भया के दोषियों को फांसी पर लटकाने की इच्छा

कई लोगों ने अर्जियां दीं कि फांसी देने का मौका मिले

लखनऊ, 15 दिसंबर (भाषा)। अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज वर्तिका सिंह ने केंद्र सरकार को खून से लिखे पत्र में गुजारिश की कि उन्हें निर्भया कांड के दोषियों को फांसी पर लटकाने की इजाजत दी जाए।

वर्तिका ने रविवार को यहां संवाददाताओं से कहा मैंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को अपने खून से पत्र लिखकर मांग की है कि मुझे निर्भया के गुनहगारों को फांसी पर लटकाने की इजाजत दी जाए। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में संदेश जाना चाहिए और बलात्कारियों को भी यह पता चलना चाहिए की एक महिला उन्हें फांसी भी दे सकती है। मैंने गृहमंत्री को डाक के जरिए पत्र भेजा है और ट्वीट भी किया है।

वर्तिका ने सभी महिला सैनिकों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों से कहा है कि वे उनकी इस मांग में उनका समर्थन करें। उन्होंने उम्मीद जताई कि देश में बदलाव आएगा और एक अलग तरह का समाज निर्मित होगा जिसमें महिलाओं को डर के माहौल में नहीं जीना पड़ेगा। इस बीच, तिहाड़ जेल के अधिकारियों ने कहा है कि उन्हें अनेक लोगों की अर्जियां मिली हैं जो निर्भया मामले में दोषी लोगों को फांसी देना चाहते हैं। तमिलनाडु के रामनाथपुरम प्रशिक्षण केंद्र में हेड कांस्टेबल के पद पर तैनात सुभाष श्रीनिवासन ने तिहाड़ जेल के महानिदेशक को पत्र लिखकर निर्भया मामले के दोषियों को फांसी देने की इच्छा जताई थी।

मध्य प्रदेश : बीते पांच महीने में 32 मिलावटखोरों पर लगा रासुका

‘शुद्ध के लिए युद्ध अभियान’ में 104 प्राथमिकियां भी दर्ज

भोपाल, 15 दिसंबर (भाषा)। मध्य प्रदेश में खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वाले लोगों के खिलाफ चलाए गए अभियान में पिछले करीब पांच महीने में 32 मिलावटखोरों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत कार्रवाई की गई है।

मध्य प्रदेश के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री तुलसी सिलावट ने रविवार को बताया कि प्रदेश में विगत 19 जुलाई से मिलावटी खाद्य पदार्थ निर्माताओं और विक्रेताओं के खिलाफ चलाए जा रहे ‘शुद्ध के लिए युद्ध अभियान’ में अब तक 32 कारोबारियों के विरुद्ध रासुका में कार्यवाही की गई है। उन्होंने दावा किया कि देश के इतिहास में यह पहली बार है कि किसी भी राज्य ने 32 मिलावटखोरों पर रासुका लगाई हो।

सिलावट ने कहा कि इसके अलावा, इस अभियान के तहत 104 मामलों में प्राथमिकी भी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि जब तक मध्य प्रदेश से मिलावट पूरी तरह से समाप्त नहीं हो जाती, तब तक यह कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। सिलावट मध्य प्रदेश में मिलावट रोकने के लिए भोपाल शहर में रोशनपुरा चौराहे से लाल परेड ग्राउंड तक निकाली गई रैली के दौरान पत्रकारों से चर्चा से यह बात कही।

मालूम हो कि सिंथेटिक दूध और इससे बने उत्पादों का कारोबार करने वाले गिरोहों के खिलाफ 19 जुलाई से अभियान छेड़ने के कुछ ही दिन बाद मध्य प्रदेश सरकार फलों को घातक कैमिकल से पकाए जाने वाले एवं उन्हें स्वादिष्ट बनाने के लिए उनमें मीठा पदार्थ डालने वाले मिलावटखोरों के खिलाफ भी सख्त कदम उठाए हैं। इसके अलावा, राज्य सरकार ने साग-सब्जियों को ताजा एवं बढ़िया दिखने के लिए उन पर स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक लेपों को लगाने वाले मिलावटखोरों के खिलाफ भी कड़े कदम उठाए हैं।

केंद्र जम्मू-कश्मीर के लोगों से बातचीत की पहल करे : नेशनल कॉन्फ्रेंस

कहा, ताकि कश्मीर में राजनीतिक प्रक्रिया की बहाली सुनिश्चित हो सके

जम्मू, 15 दिसंबर (भाषा)। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की कि वह केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक प्रक्रिया को बहाल करने के लिए लोगों से सीधे संवाद की पहल करें।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के पार्टी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला की हिरासत तीन महीने और बढ़ाने की आलोचना करते हुए कहा कि उनके जैसे नेता को हिरासत में रखना मुख्यधारा की राजनीतिक विचारधारा को नियंत्रित करना है।’ राज्य अध्यक्ष देवेंद्र सिंह राणा ने यहां पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से कहा, ‘हम प्रधानमंत्री से क्षेत्र के विभिन्न लोगों से सीधी बात शुरू करने की अपील करते हैं, जिनकी अपेक्षाएं हैं ताकि जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक प्रक्रिया की बहाली सुनिश्चित हो सके।’ राज्य के पूर्व मंत्रियों और पार्टी के सहयोगियों के साथ पत्रकारों को संबोधित करते हुए राणा ने कहा कि जम्मू कश्मीर में लोकतंत्र के विकास और मजबूती के लिए संवाद प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए।

हिरासत में लिए गए सभी नेताओं को तुरंत रिहा करने की मांग करते हुए उन्होंने कहा, ‘हम मानते हैं कि मुख्यधारा के नेताओं को हिरासत में लिए जाने की वजह से कश्मीर में राजनीतिक खालीपन आ गया है और यह न तो भारत के और न ही जम्मू-कश्मीर के हित में है।’ राणा ने अब्दुल्ला पर जनसुरक्षा कानून लगाने को ‘असंवैधानिक और गैर कानूनी करार दिया।’ उन्होंने कहा कि अब्दुल्ला को खुद को भरोसेमंद राष्ट्रवादी साबित करने के लिए किसी प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं। उन्होंने कहा, ‘उनकी हिरासत उनके राष्ट्रवादी गुण को चुनौती है।’ अब्दुल्ला वह व्यक्ति हैं जिन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के साथ जिनेवा में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। भाजपा के सबसे वरिष्ठ नेता वाजपेयी ने कहा था कि उनसे बड़ा कोई राष्ट्रवादी नहीं है।’ नेकां प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी ने हमेशा लोकतंत्र और इसके मूल्यों का सम्मान किया।

उन्होंने कहा, ‘नेकां के संस्थापक शेख अब्दुल्ला दो देश सिद्धांत को खारिज कर भारत, उसके संविधान, धर्मनिरपेक्षता और लोकतांत्रिक राजनीतिक व्यवस्था के साथ आए और हमेशा इसका सम्मान किया।’

उपराज्यपाल जीसी मुर्मू द्वारा केंद्रशासित प्रदेश में जल्द विधानसभा चुनाव कराने का समर्थन करते हुए राणा ने कहा, ‘जब स्थिति सामान्य हैं तो अब्दुल्ला जैसे नेता और तीन बार के मुख्यमंत्री, पूर्व केंद्रीय मंत्री और पांच बार के सांसद को हिरासत में क्यों रखा गया है।’ राणा ने कहा, ‘अगर नेकां और अब्दुल्ला शांति के लिए खतरा हैं तो मैं मानता हूं कि ऐसा कोई नहीं है जो शांति और लोकतंत्र को आगे ले जा सके।’ उन्होंने रेखांकित किया कि उमर अब्दुल्ला ने हिरासत में लिए जाने से कुछ घंटे पहले ट्वीट कर शांति की अपील की थी।

अनुच्छेद-370 और 35ए को हटाने के बारे में पूछे जाने पर राणा ने कहा कि पार्टी का रुख बहुत स्पष्ट है कि नेताओं की रिहाई के बाद कार्यसमिति की बैठक होगी और उसमें आगे की रणनीति पर फैसला किया जाएगा। उन्होंने कहा, ‘पार्टी कार्यसमिति के 60 फीसदी सदस्य हिरासत में हैं। उनकी रिहाई के बाद अब्दुल्ला कार्यसमिति की बैठक बुलाएंगे और आगे की रणनीति पर चर्चा होगी और उसकी घोषणा की जाएगी। पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती पांच अगस्त से ही हिरासत में हैं।

कंपनी कानून के तहत दर्ज 14,000 से अधिक मुकदमों को लिया गया वापस

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (भाषा)। सरकार ने रविवार को कहा कि कंपनी कानून को सरल बनाने और जेल के कुछ प्रावधानों को हटाने के बाद से 14,000 से अधिक मामलों में मुकदमे की कार्रवाई वापस कर ली गई है।

कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय ने कारोबार को सुगम बनाने के लिए उठाए गए विभिन्न कदमों का उल्लेख करते हुए कहा कि उसने कंपनियों और एलएलपी के नाम को आरक्षित कराने और उनके शीघ्र गठन के लिए एक केंद्रीय पंजीयन केंद्र की स्थापना की। सरकार की मंशा है कि देश में कारोबार करने वालों के लिए कंपनी बनाने में एक-दो दिन से ज्यादा का वक्त नहीं लगे। पहले इस काम में 15 दिन लगते थे। मंत्रालय ने विज्ञप्ति में कहा, पिछले तीन सालों के दौरान देश में हर साल 1,25,000 से अधिक कंपनियों का इस तरह से गठन किया गया है। इससे पूर्व यह औसत 50-60,000 का था। सरकार ने गैर-सूचीबद्ध सरकारी कंपनियों की प्रतिभूतियों को डीमैट कराने की पारदर्शी एवं भेदभाव मुक्त व्यवस्था बनाई है। मंत्रालय ने कहा है कि कंपनी अधिनियम 2013 के तहत दर्ज कराए गए 14,000 से ज्यादा मुकदमों को वापस लिया गया है। इसके अलावा कुछ और मामलों में जेल के प्रावधानों को हटाने के लिए दूसरे चरण का भी काम शुरू कर दिया गया है।

ऐश्वर्या ने सास राबड़ी देवी पर मारपीट का लगाया आरोप

पटना, 15 दिसंबर (भाषा)। राजद प्रमुख लालू प्रसाद के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव की पत्नी ऐश्वर्या राय ने रविवार को अपनी सास और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी पर मारपीट कर अपने घर से बाहर निकाल देने का आरोप लगाया है। पटना के दस सर्कुलर रोड स्थित राबड़ी के आवास के बाहर रविवार को देर शाम एक कुर्सी पर बैठीं ऐश्वर्या ने राबड़ी पर महिला सुरक्षाकर्मियों के साथ मिलकर उनका बाल खींचकर उनके साथ मारपीट कर घर से बाहर निकाल देने का आरोप लगाया। ऐश्वर्या ने आरोप लगाया, तेज के उनके माता-पिता को लेकर आपत्तिजनक पोस्टर (पटना के बीएन कालेज में लगाया गया पोस्टर) लगाए जाने के बारे में जब मैंने अपनी सास से पूछा तो अपनी महिला सुरक्षाकर्मी के साथ मिलकर मेरा बाल खींचकर मेरे साथ मारपीट की गई।

नागरिकता की नोटबंदी के समान है राष्ट्रव्यापी एनआरसी का विचार : प्रशांत किशोर

पटना, 15 दिसंबर (भाषा)। राजनीतिक रणनीतिकार व जद (एकी) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रशांत किशोर ने राष्ट्रीय नागरिक पंजिका (एनआरसी) पर रविवार को फिर निशाना साधते हुए कहा कि पूरे देश में एनआरसी लागू करना नागरिकता की नोटबंदी के समान है।

किशोर ने ट्वीट किया, ‘राष्ट्रव्यापी एनआरसी का विचार नागरिकता की नोटबंदी के समान है जब तक आप इसे साबित नहीं करते, तब तक अवैध है। हम अनुभव के आधार पर जानते हैं कि सबसे अधिक परेशानी गरीबों और वंचित तबके को होगी।’ किशोर ने शनिवार को यहां जदयू अध्यक्ष और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ बंद कमरे में बैठक के बाद कहा था कि वह नए नागरिकता कानून को लेकर अपने रुख पर कायम हैं।

प्रशांत किशोर का ट्वीट

- राष्ट्रव्यापी एनआरसी का विचार नागरिकता की नोटबंदी के समान है जब तक आप इसे साबित नहीं करते, तब तक अवैध है। हम अनुभव के आधार पर जानते हैं कि सबसे अधिक परेशानी गरीबों और वंचित तबके को होगी।

किशोर ने नागरिकता कानून का उनकी पार्टी द्वारा समर्थन किए जाने की सार्वजनिक रूप से आलोचना की थी। किशोर ने कहा था कि संशोधित नागरिकता कानून बड़ी चिंता की बात नहीं है लेकिन यह प्रस्तावित राष्ट्रीय नागरिक पंजिका (एनआरसी) के साथ मिलकर समस्या बन सकता है। उन्होंने शनिवार को नीतीश के साथ एक घंटे तक विवादित कानून को लेकर चर्चा की थी। जद (एकी) उपाध्यक्ष किशोर ने बैठक के बाद कहा था, ‘पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष होने के नाते उन्हें (नीतीश कुमार को) तय करना है कि कौन सही है और कौन नहीं। मैंने जो विचार प्रकट किए, उन पर कायम हूं। मुझे नहीं लगता कि पार्टी में मेरा कोई दुश्मन है।’

मुख्यमंत्री के निकटवर्ती सूत्रों ने बताया कि जनवरी, 2019 में संसद में पहली बार नागरिकता संशोधन विधेयक पेश किए जाते समय जद (एकी) ने इसका विरोध किया था लेकिन भाजपा ने जब यह तर्क दिया कि इस विधेयक का लक्ष्य और लोगों को नागरिकता देना है तो कुमार ने रुख बदल लिया था। इस कानून के खिलाफ पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर भारत में हिंसा ने कुमार को दुविधा में डाल दिया है। सूत्रों ने दावा किया कि कुमार एनआरसी का विरोध करने के अपने पहले रुख पर अडिग रहेंगे।

विरोध पटना में रविवार को नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ राष्ट्रीय जनता दल के कार्यकर्ताओं का विरोध प्रदर्शन।

दुर्घटना में मरने वाले के परिवार को 40 लाख मुआवजा दो : लोक अदालत

ठाणे, 15 दिसंबर (भाषा)। मुंबई- नासिक राजमार्ग पर करीब दो वर्ष पहले सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाले ठाणे नगर निकाय के कर्मचारी को लोक अदालत ने 40 लाख रुपए का मुआवजा दिया है। कल्याण में शनिवार को आयोजित लोक अदालत में एसबीआइ जनरल इंश्योरेंस कंपनी ने दावे का निपटान किया।

मृतक हरिश्चंद्र सासे (46) के परिजन ने मुआवजे का दावा किया था, जिसे जिला न्यायाधीश अनिल सुब्रमण्यम और केडी जाधव के साथ ही एसबीआइ के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में निपटाया गया। सासे ठाणे नगर निगम में सफाई कर्मचारी का काम करता था और 15 मई, 2017 को वह अपने सहकर्मी के साथ मोटरसाइकिल पर जा रहा था तभी मुंबई- नासिक राजमार्ग पर वाफे गांव के पास उसकी मोटरसाइकिल को कार ने टक्कर मार दी। यह जानकारी वकील मेघा पेंडसे ने दी जो उसके परिवार की तरफ से पेश हुई थी। सासे की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उस वक्त उसकी आय 31,220 रुपए प्रति महीने थी।

भारतीय मुसलमान घुसपैठिए और शरणार्थी नहीं, डरना नहीं चाहिए : रिजवी

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के प्रमुख ने कहा, ‘यह कानून अल्पसंख्यक विरोधी नहीं है

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (भाषा)। नागरिकता संशोधन कानून को लेकर खड़े हुए सियासी बवाल के बीच राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के प्रमुख सैयद गयूरुल हसन रिजवी ने कहा कि यह मुस्लिम विरोधी नहीं है और भारतीय मुसलमानों को डरने की जरूरत नहीं है क्योंकि वे घुसपैठिए या शरणार्थी नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार से अपेक्षा है कि राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लाने पर वह इस बात का ध्यान रखेगी कि भारतीय मुसलमानों को कोई परेशानी नहीं हो।

रिजवी ने कहा, ‘यह कानून अल्पसंख्यक विरोधी नहीं है। पारसी, ईसाई, सिख, जैन और बौद्ध भी अल्पसंख्यक हैं। कुछ राजनीतिक लोग कह रहे हैं कि यह मुस्लिम विरोधी है लेकिन यह मुस्लिम विरोधी नहीं है। भारत के मुसलमानों के बारे में इस विधेयक में कुछ नहीं कहा गया है।’ उन्होंने कहा, ‘यहां के मुसलमानों को पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान के मुसलमानों से क्या लेना देना है? हम तो भारतीय मुसलमान हैं। भारतीय मुसलमान को डरने और घबराने की जरूरत नहीं है। भारतीय मुसलमानों को इससे कोई खतरा नहीं है।’

- रिजवी ने यह भी कहा कि सरकार से अपेक्षा है कि एनआरसी लाने पर वह इस बात का ध्यान रखेगी कि भारतीय मुसलमानों को कोई परेशानी नहीं हो।

अल्पसंख्यक आयोग के प्रमुख ने कहा, ‘यहां के मुसलमान घुसपैठिए नहीं हैं। यहां का मुसलमान सम्मानित नागरिक है और इसको यहां से निकालने का कोई सवाल नहीं है। गृह मंत्री ने भी यही बात कही है।’ एनआरसी को लेकर मुस्लिम समाज में भय होने के सवाल पर रिजवी ने कहा, ‘निश्चित तौर पर जब एनआरसी आएगी तो सरकार से अपेक्षा है कि वह इस पर जरूर ध्यान देगी कि भारतीय मुसलमानों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो।’ नागरिकता संशोधन कानून के अनुसार हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदायों के जो सदस्य 31 दिसंबर 2014 तक पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से भारत आए हैं और जिन्हें अपने देश में धार्मिक उत्पीड़न का सामना पड़ा है, उन्हें भारतीय नागरिकता दी जाएगी।

मोदी ने पटेल की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 15 दिसंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वल्लभभाई पटेल को उनकी 69वीं पुण्यतिथि पर रविवार को श्रद्धांजलि दी और कहा कि देश उनकी उत्कृष्ट सेवाओं से हमेशा प्रेरणा लेता रहेगा। भारत के प्रथम गृह मंत्री सरदार पटेल का 15 दिसंबर, 1950 को मुंबई में निधन हुआ था।

मोदी ने ट्वीट किया कि महान सरदार पटेल को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि। हमारे राष्ट्र के प्रति उनकी असाधारण सेवा से हम सदा प्रेरणा लेते हैं। सत्तारूढ़ भाजपा का मानना है कि स्वतंत्रता के बाद अगर जम्मू-कश्मीर के मुद्दे को पटेल ने संभाला होता तो वहां स्थिति बेहतर होती। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले वर्ष गुजरात में पटेल के सम्मान में उनकी 182 मीटर ऊंची प्रतिमा ‘स्टैच्यू ऑफ यूनिटी’ का अनावरण किया था।

www.readwhere.com

पुलिस ने जामिया परिसर में दागे आंसू गैस के गोले : विद्यार्थी

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 15 दिसंबर।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के विद्यार्थियों के मुताबिक न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में रविवार को हुई हिंसक घटना के बाद दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बल के जवानों ने परिसर में घुसकर विद्यार्थियों पर आंसू गैस के गोले दागे। वहीं, जामिया कुलपति नजमा अख्तर ने पुलिस कार्रवाई की निंदा की है। प्रॉक्टर वसीम अहमद खान ने कहा कि हमारी ओर से पुलिस को परिसर में घुसने की इजाजत नहीं दी गई। पुलिस बल पूर्वक परिसर में दाखिल हुई है। पुलिस ने हमारे कर्मचारियों व विद्यार्थियों को पीटा है और जबरन परिसर छोड़ने को मजबूर किया है।

दक्षिणी पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त चिन्मय बिश्वाल ने कहा कि हिंसक झड़प में शामिल प्रदर्शकारी जहां-जहां गए, भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हमारी पुलिस टीम वहां पहुंची। जब भीड़ ने परिसर के अंदर से पथराव किया तो स्थित पर काबू पाने के लिए टीम परिसर के अंदर घुसी और हल्का बल प्रयोग किया।

कुछ विद्यार्थियों ने जामिया परिसर में स्थित पुस्तकालय से कुछ वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाले हैं। इन वीडियो में बहुत से विद्यार्थी भयभीत दिख रहे हैं और वे फर्नीचर के जरिए दरवाजों को बंद करते हुए दिख रहे हैं। साथ ही बाहर से आंसू गैस के गोले अंदर आते दिख रहे हैं। इसके बाद पुस्तकालय में धुआं ही धुआं नजर आ रहा है। विद्यार्थी खुद को कुर्सियों और मेज के नीचे छिपाते हुए दिख रहे हैं। एक विद्यार्थी ने ऑडियो संदेश के माध्यम से बताया कि पुस्तकालय में करीब 50 विद्यार्थी मौजूद हैं जिसमें कुछ छात्राएं भी हैं।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के आसपास रविवार को हुई हिंसा के दौरान जलाई गई एक बस।

विद्यार्थी के मुताबिक पुलिस ने उन्हें घेर लिया है और लगातार आंसू गैस के गोले दागे रही है। कुछ अन्य विद्यार्थियों के मुताबिक उन्होंने खुद को टॉयलेट के अंदर बंद करके बचाया।

शिक्षक संघ बोले, प्रदर्शन से दूर रहें विद्यार्थी : जामिया शिक्षक संघ (जेटीए) की ओर से दक्षिण दिल्ली में रविवार को हुई हिंसा की निंदा की। जेटीए ऐसी किसी हिंसा में शामिल नहीं है। जेटीए ने सभी विद्यार्थियों से कहा है कि वे ऐसे हर प्रदर्शन से दूर रहें जो किसी स्थानीय नेता की ओर से आयोजित किया गया हो। जेटीए किसी भी तरह की हिंसा में विश्वास नहीं करता है, वह जामिया में हो या भारत के किसी भी भाग में। इस संबंध में विचार करने के लिए सोमवार सुबह 11 बजे एक जेटीए की एक आपात बैठक भी बुलाई गई है।

एनएसयूआइ ने की निंदा : भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआइ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज कुंदन का कहना है की दिल्ली की जामिया में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थी पर दिल्ली पुलिस की बर्बरता और बल प्रयोग बेहद ही निंदनीय है। एक छात्र संगठन होने के नाते हम छात्रों पर ऐसी किसी भी कार्रवाई को बर्दाश्त नही करेंगे। एनएसयूआइ आज ओखला मे हुई घटना की भी निंदा करती है और जो भी शांति भंग करने के दोषी है उन पर कार्रवाई होनी चाहिए।

एबीवीपी ने आगजनी की घटना की जांच मांग की : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने जामिया के आसपास रविवार को हुई आगजनी और हिंसा की घटना की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। इसके साथ ही दोषियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की मांग की है। एबीवीपी की राष्ट्रीय महामंत्री निधि त्रिपाठी ने कहा कि कुछ असामाजिक तत्वों ने जिस तरह से जामिया और आसपास के क्षेत्रों को हिंसात्मक गतिविधियों से अशांत किया है, वह निंदनीय है। एबीवीपी इस हिंसक गतिविधि में शामिल सभी लोगों की उच्चस्तरीय जांच और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग करता है।

पुलिस मुख्यालय पर देर रात प्रदर्शन

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 15 दिसंबर।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया परिसर में घुसकर विद्यार्थियों और कर्मचारियों के ऊपर बल प्रयोग करने और आंसू गैस के गोले दागने के खिलाफ जेएनयू सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों आइटीओ स्थित पुलिस के पुराने मुख्यालय पर देर रात प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन को देखते हुए डीयू और जेएनयू के आसपास स्थित सभी मेट्रो स्टेशनों को बंद कर दिया गया था।

विद्यार्थियों के प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली मेट्रो रेल निगम ने दिल्ली पुलिस की सलाह पर जीटीबी नगर, शिवाजी स्टेडियम, पटेल चौक, विश्वविद्यालय, वसंत विहार, मुनिरका और आरके पुरम मेट्रो स्टेशन के गेट बंद कर दिए थे। इसके बाद भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी आइटीओ पहुंचे और प्रदर्शन किया। जेएनयू के विद्यार्थियों ने मांग की कि जामिया परिसर से तुरंत पुलिस को हटाया जाए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में पुलिस की उपस्थित हमें बिलकुल बर्दास्त नहीं है। अखिल भारतीय शिक्षा बचाओ फ्रंट ने सोमवार को दिल्ली में हड़ताल की घोषणा की है।

दक्षिणी पूर्वी दिल्ली में बंद रहेंगे स्कूल

जामिया के आसपास रविवार को हुई हिंसक झड़प को देखते हुए उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने दक्षिणी पूर्वी दिल्ली के सभी स्कूलों को सोमवार को बंद रखने का आदेश दिया है। सिसोदिया ने हिंदी में ट्वीट किया कि दिल्ली में जामिया, ओखला, न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी और मदनपुर खादर समेत दक्षिण पूर्व जिले के इलाकों में सभी सरकारी और निजी स्कूल कल (सोमवार को) बंद रहेंगे। दिल्ली सरकार ने यह फैसला लिया है।

डूटा का आंदोलन बारहवें दिन भी जारी, छाता लगाकर किया प्रदर्शन

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 15 दिसंबर।

दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (डूटा) ने रविवार को समायोजन, पदोन्नति और अन्य मांगों को लेकर डीयू प्रशासन और सरकार के खिलाफ धरना स्थल पर छाता रैली कर अपना विरोध प्रदर्शन किया। रैली में आए शिक्षकों ने जमकर नारेबाजी कर अपना विरोध प्रकट किया। रैली में डूटा अध्यक्ष राजीब रे, सचिव राजेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष आलोक रंजन पांडेय, संयुक्त सचिव प्रेमचंद, नंदिता नारायण, राजेश झा, वीएस नेगी, एके भागी आदि शिक्षक मौजूद रहे। सभी शिक्षकों ने एक स्वर में कहा कि यह छाता हमारे लिए डूटा का छाता है जो आने वाली समस्याओं से न केवल निजात दिलाएगा बल्कि सभी तदर्थ साथियों का समायोजन और सैकड़ों शिक्षकों का पदोन्नत कराएगा।

शिक्षक संघ के उपाध्यक्ष डॉ आलोक रंजन पांडेय ने बताया कि छाता रैली बेहद महत्त्वपूर्ण रही जिसमें सैकड़ों शिक्षकों ने हिस्सा लेकर डूटा रूपी छाता के नीचे आकर आंदोलन को आगे बढ़ाने की बात की। आज हम 12 दिनों से लगातार सर्दी के मौसम में खुले आसमान के नीचे सो रहे हैं लेकिन इस असंवेदनशील कुलपति और सरकार को कुछ भी फर्क नहीं पड़ रहा है। दिल्ली डूटा 17 दिसंबर को विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन पर मोमबत्ती मार्च कर आम जनता को अपने साथ जोड़ने का प्रयास करेंगे और 18 दिसंबर को यूजीसी पर खाली थाली लेकर मार्च करेंगे।

मालीवाल की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 15 दिसंबर।

बलात्कार के दोषियों को छह महीने के भीतर मृत्युदंड की मांग को लेकर पिछले 13 दिनों से अनशन कर रहीं दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्लू)की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल की तबीयत बिगड़ गई। वे रविवार सुबह बेहोश हो गईं। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने ड्रिप लगाकर उनका अनशन तुड़वाया।

तीन दिसंबर से आमरण अनशन पर चल रही मालीवाल की तबीयत शनिवार रात से ही बिगड़ने लगी थी। इनकी निगरानी कर रहे डॉक्टरों ने उनको पहले ही आगाह किया था कि अनशन के चलते उनके गुर्दे खराब हो सकते हैं। इसलिए उनको अनशन खत्म कर देना चाहिए। चिकित्सकों ने उन्हें अस्पताल जाने की सलाह भी दी थी लेकिन उन्होंने ऐसा करने से इनकार कर दिया था। उन्होंने कहा था कि सरकार की ओर से उनकी मांगे मानी जाने पर ही वे अनशन खत्म करेंगी।

जब आम लोगों की जान पर बन आई

निर्भय कुमार पांडेय
नई दिल्ली, 15 दिसंबर।

- पथराव, आगजनी के दौरान राहगीरों ने घरों में छुपकर बचाई जान
- बस चालक और कंडक्टर की सूझबूझ से बची यात्रियों की जान

नागरिकता संशोधन कानून के विरोध में जामिया नगर और न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी रविवार शाम पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच जमकर हिसंक झड़प हुई। पुलिस के मुताबिक कुछ प्रदर्शनकारियों ने दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) दो बसें और कलस्टर की एक बस अलावा दो दमकलों को आग के हवाले कर दिया। साथ ही कई मोटरसाइकिल में भी आगजनी की गई। इस दौरान घटनास्थल के पास से गुजर रहे राहगीर और आम लोगों की जान पर बन आई। लोग जान बचाने के लिए आसपास के घरों में घुस गए।

कर्मपुरा से आखेला अबूल फजल की ओर कलस्टर बस ला रहे रूट नंबर 894 के चालक उमेश ने बताया कि वह आश्रम की ओर से जामिया नगर आ रहे थे। इसी बीच सैकड़ों की संख्या में प्रदर्शनकारियों की भीड़ ने बसों पर पथराव शुरू कर दिया और बसों को आग के हवाले करना शुरू कर दिया। उमेश ने बताया कि भीड़ को देखते हुए उन्होंने सवारियों को बस से उतर कर सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा और खुद भी बस से कूद कर अपनी जान बचाई। उमेश ने बातया कि इस दौरान डीटीसी की एक एसी और एक बिना एसी की बस को आग के हवाले कर दिया। साथ ही कलस्टर की कई बसों में तोड़फोड़ की गई। उमेश का कहना है कि भीड़ ने मुंह पर रूमाल बांधा हुआ था, जिससे उनकी पहचान नहीं हो सके। उन्होंने स्थिति को भांपते हुए अपनी और सवारियों की जान बचाई।

देर रात तक इलाके में रहा तनाव

हिसंक झड़प के बाद जामिया नगर, ओखला, कालिंदी कुंज, अबूल फजल, न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी, होली फैमली, तैमूर नगर, जाकिर नगर, मथुरा रोड इलाके में देर रात तक तनाव की स्थिति बनी रही। स्थिति पर नजर रखने के लिए दिल्ली पुलिस के आला अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। इसके साथ ही दिल्ली पुलिस के अलावा अर्द्धसैनिक बलों को इलाके में तैनात कर दिया गया था, ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे।

कई इलाकों में लगा रहा जाम

इस घटना के बाद मथुरा रोड, कालिंदी कुंज, सरिता विहार, ओखला, जामिया नगर, तैमर नगर, शाहीन बाग इलाके में जाम लग गया। घंटों लोग जाम में फंसे रहे। यातायात पुलिस ने इन इलाकों में अधिकतर मार्ग के दिशा में बदलाव कर दिया था। इस कारण भी लोगों को खासी दिक्कतें हुई। देर रात तक कालिंदी कुंज से नोएडा और नोएडा से सरिता विहार आने-जाने वाले लोगों को जाम से दो-चार होना पड़ा। लोग अपने घर काफी देर से पहुंचे।

जामिया हिंसा को लेकर सियासत में भी उबाल

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 15 दिसंबर।

- आम आदमी पार्टी के विधायक ने लगवाई आग : विजेंद्र गुप्ता
- भाजपा ने दिल्ली पुलिस के माध्यम से आग लगवाई : सिसोदिया

नागरिकता कानून के विरोध में रविवार को जामिया इलाके में हुए प्रदर्शन के बाद हुई हिंसा को लेकर दिल्ली की सियासत में भी उबाल आ गया है। जहां भाजपा ने आम आदमी पार्टी पर हिंसा फैलाने का आरोप लगाया है, वहीं आम आदमी पार्टी ने इस घटना के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराया है। कांग्रेस ने इस हिंसा की कड़ी आलोचना की है।

दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता ने अपने एक बयान में कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की स्वीकृति से ओखला के विधायक अमानतुल्लाह ने हिंसा भड़काने का काम किया। उन्होंने कहा कि नागरिक संशोधन बिल की आड़ में आप पार्टी के विधायक मीडिया के सामने भड़काऊ बयान दे रहे है।

गुप्ता ने कहा कि यह साज़िश हैं जो केजरीवाल और उनके विधायक ने रची हैं। उन्होंने कहा कि उनका ऐसा मानना है कि ये दिल्ली में दंगा फैलाने की कोशिश है। इससे पहले भी पुरानी दिल्ली के मंदिर को तोड़ने वाली भीड़ को उकसाने के आरोप वहां के विधायक इमरान हुसैन पर लगे थे। उन्होंने कहा कि केजरीवाल की वोट की राजनीति का जवाब दिल्ली की जनता देगी।

दूसरी ओर, आम आदमी पार्टी के नेता व सूबे के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने एक फोटो ट्वीट कर लिखा-इस बात की तुरंत निष्पक्ष जांच होनी चाहिए कि बसों में आग लगने से पहले ये वर्दी वाले लोग बसों में पीले और सफेद रंग वाली केन से क्या डाल रहे हैं? और यह किसके इशारे पर किया गया है? फोटो में साफ दिख रहा है कि भाजपा ने घटिया राजनीति करते हुए पुलिस से ये आग लगवाई है। पार्टी के सांसद संजय सिंह ने ट्वीट कर कहा कि भाजपा ने अपनी ओछी राजनीति शुरू कर दी है। चुनाव हारने के डर से झूठे आरोप लगाना उसका घटिया तरीका है। आम आदमी पार्टी लांकतंत्र व संविधान में आस्था रखती है, हिंसा में नहीं। इस बीच प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा ने जामिया में प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने एक ट्वीट कर कहा-हम केन्द्र सरकार के इस हिटलरशाही फरमान नागरिकता संशेधन कानून 2019 का विरोध करते हैं। आज जो हिंसा हुई उसकी मैं निंदा करता हूं, साथ ही साथ जनता से अपील करता हूं।

खबरों में शहर

अनाज मंडी में झुलसे एक मजदूर ने दम तोड़ा

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 15 दिसंबर।

रानी झांसी रोड अनाज मंडी अग्निकांड के एक सप्ताह बाद रविवार सुबह एक और व्यक्ति ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। बीते रविवार की सुबह इस भीषण अग्निकांड में 43 लोगों की मौत हो गई थी और अब यह संख्या 44 हो गई है। रविवार की सुबह जिस व्यक्ति की मौत हुई उसकी पहचान मोहम्मद मुकिम के रुप में हुई है। वह 55 फीसदी जल गया था और लोकनायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल के आइसीयू में भर्ती था। दिल्ली सरकार ने मजिस्ट्रेट से जांच के आदेश दिए हैं तो अपराध शाखा इसकी जांच कर रही है। उधर, रविवार तक इमारत का तीसरा मालिक इमरान पुलिस गिरफ्त में नहीं आ सका है।

तीन दिन कोहरे के साथ कड़ाके की ठंड के आसार

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 15 दिसंबर।

राजधानी व आसपास के इलाकों में रविवार सुबह ठंड के साथ हल्का कोहरा छाया रहा। दिल्ली का न्यूनतम तापमान 9.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आने वाले दो तीन दिनों में घने कोहरे के साथ कड़ाके की ठंड के आसार है। पहाड़ों में बफबारी जारी है। दिल्ली सहित आसापास के इलाकों में बारिश के बाद रविवार को हल्की धुंध रही। मौसम विभाग का अनुमान है कि दिल्ली के आसपास के इलाकों में एक बार फिर बारिश हो सकती है। जबकि दिल्ली में कई स्थानों पर कोहरे के कारण दृश्यता कम हो गई। मौसम विज्ञान विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सुबह आठ बजे पालम में दृश्यता 200 मीटर और सफदरजंग में 300 मीटर दर्ज की गई।

दिल्ली पुलिस ने मनाया स्वच्छता सम्मान समारोह

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 15 दिसंबर।

दिल्ली पुलिस ने रविवार को स्वच्छता सम्मान समारोह का आयोजन किया। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत एक दिसंबर से 15 दिसंबर तक स्पाट पेंटिंग्स, साइकिल रैली, पद यात्राओं का दिल्ली के विभिन्न थानों और अन्य कार्यालयों में चल रहे कार्यक्रमों के अंतिम दिन रविवार को दक्षिणी दिल्ली में जवाहर लाल नेहरु स्टेडियम में आयोजन हुआ। इस मौके पर दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल, पेयजल मंत्रालय के सचिव परमेश्वरण अय्यर, आयुक्त अमूल्य पटनायक, आरडब्लूए, एमडब्लूए और युवा सहित अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। कार्यक्रम का स्वागत भाषण दक्षिणी क्षेत्र के संयुक्त आयुक्त देवेश श्रीवास्तव ने किया।

प्राचीनतम संस्कृति है मिथिला : प्रभात झा

जनसत्ता संवाददाता
ग्रेटर नोएडा, 15 दिसंबर।

गौड़ सिटी-1 स्थित राधा कृष्ण पार्क में मिथिला लोक महोत्सव- 2019 के तहत सांस्कृतिक संध्या का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के राज्य सभा सांसद प्रभात झा ने दीप प्रज्जवलन से किया। उन्होंने कहा कि मिथिला संस्कृति देश की प्राचीनतम संस्कृतिक है। माता सीता की गाथा समेटे रामायणकालीन यह संस्कृति मिथिला भाषा और मिथिला खान-पान व परंपराओं में जिंदा है। इसे मजबूत करने की जरूरत है। प्रभात झा ने कहा कि देश में मौजूद रह छोटी- बड़ी प्राचीन संस्कृतियों को जिंदा रखकर ही राष्ट्रीय संस्कृति को मजबूत किया जा सकता है। संस्था के अध्यक्ष ललित कुमार झा ने बताया कि यह कभी रुकने वाली प्रक्रिया नहीं है।

अभिनंदन समारोह आयोजित

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 15 दिसंबर।

दक्षिणी दिल्ली के सांसद रमेश बिधूड़ी के नेतृत्व में महरौली जिला स्थित किशनगढ़ और दक्षिणी जिले के संगम विहार में भाजपा कार्यकर्ताओं ने दिल्ली की अनधिकृत कॉलोनियों को पास किए जाने पर अभिनंदन समारोह का आयोजन किया जिसमें शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी, दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी सहित जिले के पदाधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर सांसद बिधूड़ी ने कहा कि भाजपा की सरकार गरीब, किसान, दलित, मजदूर लोगों को समर्पित है।

आज के कार्यक्रम

सभा/संगोष्ठी

इंडिया इंटरनेशनल सेंटर: भारतीय दर्शनशास्त्र का इतिहास पर चर्चा, सेंटर कांफ्रेंस रूम दो, 40 मैक्समूलर मार्ग, शाम साढ़े छह बजे।

प्रदर्शनी

इंडिया इंटरनेशनल सेंटर: 'द अर्थ इज स्टिल गोईंग एराउंड द सन' नामक प्रदर्शनी, सेंटर आर्ट गैलरी, कमलादेवी कॉम्पलेक्स, सुबह 11 बजे से।

126 करोड़ रुपए का जमीन घोटाला

फरार पूर्व एसीईओ गिरफ्तार

जनसत्ता संवाददाता
ग्रेटर नोएडा, 15 दिसंबर।

यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण में हुए 126 करोड़ रुपए के जमीन घोटाले में थाना बीटा टू पुलिस ने फरार चल रहे तत्कालीन अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एसीईओ) सतीश कुमार को सीजर सोसायटी से गिरफ्तार किया। सतीश कुमार ओमीक्रॉन- एक स्थित सीजर सोसायटी में रह रहे थे। इस मामले में अब तक मुख्य आरोपी तत्कालीन सीईओ पीसी गुप्ता समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। जबकि छह ने अदालत में आत्मसमर्पण किया है। अभी 20 से अधिक आरोपियों की गिरफ्तारी होनी बाकी है।

यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण में 2013-14 में हुए जमीन खरीद घोटाले को लेकर 3 जून 2018 को थाना बीटा टू में प्राधिकरण के तत्कालीन सीईओ सेवानिवृत्त आइएएस पीसी गुप्ता समेत 21 आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत मामला दर्ज कराया गया था। पुलिस ने

घोटाले को लेकर तत्कालीन सीईओ पीसी गुप्ता समेत छह हो चुके हैं गिरफ्तार, छह कोर्ट में कर चुके हैं समर्पण

जमीन खरीद-फरोख्त व चिन्हीकरण से जुड़े दस्तावेजों पर सतीश कुमार के थे हस्ताक्षर

मुख्य आरोपी पीसी गुप्ता को 22 जून, 2018 को मध्यप्रदेश के दतिया से गिरफ्तार कर जेल भेजा था। जांच में छह कंपनियों समेत कई और अन्य लोगों के नाम सामने अए थे। पुलिस ने दावा किया था कि इस मामले में 36 से अधिक आरोपियों के नाम सामने आ चुके हैं। बड़ा घोटाला होने के चलते एसएसपी ने सीबीआइ जांच की सिफारिश की थी। सीबीआई मामले को अपने हाथ में लेने से पहले प्राथमिक पड़ताल कर रही थी। इसी दौरान गाजियाबाद में आरोपियों को मदद पहुंचाने की एवज में रिश्वत लेने के आरोप में सीबीआइ इंस्पेक्टर को रंगे हाथों पकड़ा गया था। इस मामले में सीबीआइ के एएसआइ की भी गिरफ्तारी हुई थी।

जांच में प्राधिकरण के तत्कालीन एसीईओ सतीश कुमार का नाम भी सामने आया था। सतीश कुमार मूलरूप से शामली के अछौया गांव के रहने वाले हैं। घोटाले में गिरफ्तार तत्कालीन सतीश कुमार यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण में 18 अप्रैल, 2013 से 13 जुलाई, 2015 तक एसीईओ के पद पर तैनात रहे हैं। जमीन की खरीद-फरोख्त व चिन्हिकरण से संबंधित पत्रावलियां आरोपी के हस्ताक्षर से ही आगे भेजी गई हैं। एसपी देहात रणविजय सिंह ने बताया कि इस मामले में अब तक मुख्य आरोपी पीसी गुप्ता, संजीव कुमार, सतेंद्र चौहान, सतेंद्र सिंह व रमेश बंसल को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है, जबकि सोनिया बंसल,अनिल कुमार, मनोज कुमार, गौरव कुमार, जुगेश, ब्रिजेश व तत्कालीन तहसीलदार रणवीर सिंह ने अदालत में आत्मसमर्पण किया था।

जाति बताने पर बिरयानी दुकानदार की पिटाई, तीन गिरफ्तार

बिरयानी खरीदने के बाद पूछी थी जाति

जनसत्ता संवाददाता
ग्रेटर नोएडा, 15 दिसंबर।

रबूपुरा कस्बे में बिरयानी बेचने वाले दलित युवक की पिटाई के मामले में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर रविवार शाम सभी को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपी आनंद , सोनू व एक अन्य के खिलाफ मारपीट व दलित उत्पीड़न की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

रबूपुरा के मोहल्ला आंबेडकर निवासी लोकेश शाकाहारी बिरयानी बेचता है। रोजाना की तरह वह शुक्रवार को मोहम्मदाबाद खेड़ा में बिरयानी बेच रहा था। तभी वहां गांव के कुछ युवक आए और बिरयानी लेकर खाने लगे। इसी दौरान एक युवक ने बिरयानी बेचने वाले की जाति पूछ ली। बिरयानी वाले ने बताया कि वह दलित जाति का है। आरोप है कि इस पर युवक ने उसकी बिरयानी फेंक दी और जाति सूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए गाली गलौज शुरू कर दी। दबंगों ने दलित

इस मामले में पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपी आनंद, सोनू व एक अन्य के खिलाफ मारपीट व दलित उत्पीड़न की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

युवक की इस बात पर जमकर पिटाई कर दी कि दलित होने के बाद वह खाद्य पदार्थ क्यों बेच रहा है। एक युवक ने पिटाई का मोबाइल पर वीडियो भी बनाया, जिसे बाद में वायरल कर दिया। हंगामा सुनकर राहगीरों ने पीड़ित को बचाया। आरोप है कि पीड़ित युवक घर जाने लगा तो कुछ देर बाद आरोपियों ने रास्ते में उसे फिर से रोक लिया और मारपीट कर ठेला व अन्य सामान फेंक दिया। युवक की पिटाई का वीडियो तेजी से वायरल हो गया है। वीडियो में कुछ युवक पीड़ित को जाति सूचक गालियां देते व पीटते हुए दिख रहे हैं।

कूड़ा उठा या नहीं, क्यूआर कोड से चल जाएगा पता

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 15 दिसंबर।

शहर के सभी निवासियों के घर से कूड़ा उठ रहा है या नहीं, इसकी जानकारी के लिए घरों के बाहर क्यूआर कोड लगाए जा रहे हैं। कूड़ा उठाने वाले कर्मी हर रोज इसकी स्कैनिंग करेगा। स्कैनिंग करते ही एक एसएमएस नियंत्रण कक्ष पहुंचेगा। जिससे पता चल पाएगा कि किस घर से किस समय कूड़ा उठाया गया है। 31 जनवरी तक सभी घरों और सोसायटी के बाहर क्यूआर कोड लगाने की तैयारी है।

अप्रैल, 2019 से नोएडा में प्राधिकरण की तरफ से चयनित एजंसी घर- घर से कूड़ा उठाने का काम कर रही है। फिलहाल 190 गाड़ियां इस काम में लगी हैं। अब तक शहर के करीब 95 फीसद सेक्टर और गांवों में ये गाड़ियां पहुंचकर काम कर रही हैं।

इसके बावजूद निवासियों की शिकायत कि कूड़ा उठाने वाली गाड़ियां दो मिनट रुकती तक नहीं है। या ज्यादातर बगैर कूड़ा उठाए चली जाती हैं। कई बार नहीं आने या देरी की भी शिकायत आम हैं। इन शिकायतों के स्थायी समाधान के लिए कूड़ा उठाने वाली एजंसी ने सेक्टरों और सोसायटी के घरों के बाहर क्यू आर कोड लगाने शुरू कर दिए हैं। हर रोज जब गाड़ी आएगा, तो उस पर तैनात कर्मी घर के बाहर लगे क्यूआर कोड को अपने मोबाइल से स्कैन करेगा। जिसका ब्योरा सेक्टर- 39 स्थित स्वास्थ्य विभाग में बने नियंत्रण कक्ष में

घर-घर पहुंचने वाली गाड़ी कितने बजे पहुंची, पूरा ब्योरा होगा दर्ज

आवासीय, औद्योगिक, संस्थागत और वाणिज्यिक श्रेणी में क्यूआर कोड लगाने का काम होगा पूरा

दर्ज होगा। जिससे पता चलेगा कि घर से कूड़ा उठा है या नहीं और कितने बजे गाड़ी पहुंची है। प्राधिकरण अधिकारियों के मुताबिक अब तक एक हजार क्यूआर कोड लगाए जा चुके हैं। जिसमें सेक्टर- 57, 68, 62 व 117 शामिल हैं। बहुमंजिला इमारत होने की वजह से यहां घर- घर से कूड़ा उठाना मुश्किल है। जिसके चलते यहां एक स्थान पर कूड़ा इक्टठा किया जाता है। 31 जनवरी तक क्यूआर कोड लगाने के काम को आवासीय, औद्योगिक संस्थागत और वाणिज्यिक श्रेणी में बांटा है। सबसे अधिक शिकायतें आवासीय सेक्टरों से आने की वजह से पहले क्यूआर कोड यहीं लगाए जा रहे हैं।

उपभोक्ता करवा सकेंगे खाद्य पदार्थों की जांच

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 15 दिसंबर।

भारतीय खाद्य सुरक्षा व मानक प्राधिकरण (एफएसएसआइ) ने खाद्य पदार्थों में मिलावट व गुणवत्ता से समझौता किए जाने के मामले रोकने व उपभोक्ता का विश्वास बहाल करने के लिए नए कदम उठाए। इसके तहत प्रावधान किया गया है कि उपभोक्ता ऐसे मामलों में अब उपभोक्ता संगठनों के माध्यम से भोजन की जांच करवा सकते हैं। इसके लिए 80 संगठनों को अधिकृत किया गया है। इस जांच पर आया खर्च (शुल्क) भी उपभोक्ता को वापस मिल सकेगा।

खाद्य और पोषण की जांच के लिए उपभोक्ता संगठनों का नेटवर्क बनाया गया है। खाद्य नियामक प्राधिकरण ने उपभोक्ता संगठनों के माध्यम से खाद्य पदार्थों का परीक्षण करवाने का निर्णय लिया है। प्राधिकरण ने अब विश्वसनीय स्वैच्छिक उपभोक्ता संगठनों का देश भर में एक नेटवर्क बनाने का फैसला लिया है। जिनसे इस तरह के परीक्षण करवाने में उपभोक्ताओं की सहायता करने का निर्णय लिया है। ऐसे मामलों में उपभोक्ता अगर कोई नमूना जांच के लिए लाता है और उस नमूने में कोई कमी नहीं पाई जाती तब भी उपभोक्ता को उस नमूने की जांच पर आए खर्च का प्राधिकरण की ओर से भुगतान (रीइंबर्समेंट) किया जाएगा।

मानक प्राधिकरण ने स्वैच्छिक उपभोक्ता संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ यह साझा निर्णय लिया। यह नेटवर्क शुरू में तीन विशिष्ट क्षेत्रों में काम करेगा, जागरूकता और प्रशिक्षण ,विभिन्न योजनाओं के लिए छोटे और छोटे खाद्य व्यवसायों को जुटाने व तीसरा खाद्य परीक्षण और निगरानी।

प्राधिकरण में खाद्य सुरक्षा और पोषण पर उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री की बड़ी मात्रा है। इस सामग्री का उपयोग जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए किया जाएगा। इन संगठनों को फूड सेफ्टी मैजिक बॉक्स प्रदान किया जाएगा, जिसमें मिलावट संबंधी 100 तरह की सरल जांच से खुद परीक्षण करने की विधा मिलेगी। यह किट मध्याह्न भोजन योजना में परीक्षण के लिए है।

एफएसएसएआइ ने दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में दूध उत्पादों की सुरक्षा और गुणवत्ता के निगरानी के लिए उपभोक्ता आवाज के साथ भागीदारी की है। उपभोक्ता संगठनों के काम की निगरानी के लिए साक्ष्य आधारित बिंदु प्रणाली को रखा गया है और उन्हें स्थिरता और निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए गतिविधियों के आधार पर टोकन फंडिंग प्रदान की जाएगी। एफएसएसएआइ ने शीर्ष 200 खाद्य कंपनियों को उपभोक्ता शिकायतों के निवारण के लिए नोडल व्यक्ति नियुक्त करने को कहा है।

हवाईअड्डे पर एक करोड़ की विदेशी मुद्रा बरामद

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बैंकाक जा रहे अनिल कुमार नाम के एक भारतीय नागरिक के पास से एक करोड़ दो लाख रुपए की विदेशी मुद्रा बरामद की गई है। अनिल को हवाई अड्डे के टर्मिनल-तीन के पास से उस समय पकड़ा गया जब संदेह होने पर उसकी बैग की जांच की जा रही थी। बैग में 80,450 यूरो और 33,150 पौंड बरामद किए गए। बाद में उसे कस्टम को आगे की जांच के लिए सौंप दिया गया। (जसं)

दूध के दाम बढ़ने पर कांग्रेस का धरना

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 15 दिसंबर।

मदर डेयरी के दूध की कीमतों में इजाफा होने से गुस्साए दिल्ली कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रविवार को कनॉट प्लेस में धरना दिया। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने पालिका बाजार के सामने धरना देकर कीमतें वापस लेने की मांग की। सुभाष चोपड़ा ने कहा कि तीन महीने में दूसरी बार मदर डेयरी के दूध की कीमतें बढ़ाने का तुगलकी फरमान जारी करके केंद्र सरकार ने दिल्ली सरकार की मिली भगत से गरीब व मध्यम वर्ग की कमर तोड़ कर रख दी है। उन्होंने कहा कि पहले से ही आर्थिक मंदी की मार झेल रहा आम आदमी दूध की कीमतों में अचानक हुई बेहताशा वृद्धि से न केवल दुखी है, बल्कि समय आने पर दोनों सरकारों को सबक सिखाने की तैयारी कर रहा है। उन्होंने कहा कि मदर डेयरी का गठन लोगों को सस्ता दूध व सस्ते मिल्क उत्पाद उपलब्ध कराने के लिए किया गया था, न कि आम आदमी की जेब काटने के लिए।

अच्छी या बुरी वजूद का सवाल

खबर आई है कि 2015 में दिल्ली विधानसभा में प्रचंड बहुमत से सरकार में आई आम आदमी पार्टी(आप) जनता दल (एकी) के उपाध्यक्ष प्रशांत किशोर की सेवाएं दो-तीन महीने बाद होने वाली विधानसभा चुनाव में लेने वाली है। प्रशांत किशोर की ख्याति चुनाव जीताने वाले रणनीतिकार की है। वैसे कुछ चुनावों में उनकी रणनीति कामयाब नहीं हो पाई है। माना जाता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जैसे नेता अपने समर्थकों से संवाद करने में माहिर माने जाते हैं। इन नेताओं की क्षमता के बूते ही उनकी पार्टी एक से ज्यादा बार चुनाव जीतती रही है। दिल्ली में लोक सभा चुनावें के दौरान 'आप' के तीसरे नंबर पर आने के बाद ही पार्टी प्रमुख और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने हर रोज नई घोषनाओं करने की योजना बनाई ताकि उनका वोटर कहीं और न चला जाए। हालात ऐसे बन गए कि दिल्ली के पढ़े-लिखे मतदाता भी दिल्ली के विकास के लिए मूल कामों पर चर्चा करने के बजाए केजरीवाल के मुफ्त घोषनाओं की चर्चा करने लगे हैं। बावजूद इसके अगर केजरीवाल की पार्टी को अगला चुनाव जीतने के किसी और का सहारा लेना पड़े तो उसे केजरीवाल का लोकप्रियता के लिए अच्छा मानना चाहिए या बूरा, यह सवाल लोगों के जेहन में आने लगा है।

वजूद का सवाल

दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस की रैली में वैसे तो दिल्ली के साथ-साथ दिल्ली के पड़ोसी राज्यों से लोग आए लेकिन यह रैली दिल्ली कांग्रेस के नेताओं के लिए वजूद का सवाल बना रहा। दिल्ली में कांग्रेस लोकसभा चुनाव में 'आप' के मुकाबले दूसरे नंबर पर आने के बावजूद हाशिए पर जाने लगी है। कुछ दिन पहले बनी प्रदेश कांग्रेस की टीम कांग्रेस को भाजपा और 'आप' के मुकाबले दूसरे नंबर पर लाने की कवायद में लगी हुई है। हर रोज कोई न कोई कार्यक्रम किए जा रहे हैं। कांग्रेस के समर्थक माने जाने वाले वोटों के बूते दिल्ली पर राज कर रही 'आप' को इससे ज्यादा खतरा है, वह इसे सार्वजनिक रूप से स्वीकारना नहीं चाहती है। रैली के बाद भी अगर कांग्रेस नेताओं का तेवर अभी जैसा बना रहा तो अगले दो-तीन महीने में होने वाले विधानसभा चुनाव में वह अपनी कोई जगह बना लेगी, अन्यथा उसके हाशिए पर स्थाई रूप से पहुंच जाने का खतरा है। इसे कांग्रेस नेता समझकर ही पूरी ताकत से हालात बदलने में लगे हुए हैं। वैसे बिना गुटबाजी पूरी तरह खत्म किए हालात ज्यादा बदलते दिखते नहीं।

प्रवेश का चक्कर

पार्टी से निष्कासित एक महापौर आजकल पार्टी कार्यालय पर चक्कर लगा रही हैं। उनका मिशन एक बार किसी तरह से पार्टी में प्रवेश पाना है। लेकिन हालत इतनी खराब है कि पार्टी के वरिष्ठ नेता इन्हें समय देने को तैयार नहीं है। महापौर महोदया मान रही हैं कि घर वापसी हो तो विधानसभा चुनाव की तैयारियों में लगा जाए। पार्टी के व्यवहार की वजह से पूरा मामला ही बीच में फंस गया है।

मुफ्त का डर

चुनाव से ठीक पहले दिल्ली सरकार एक के बाद एक बड़ी घोषणा कर रही है। इन घोषणाओं की चिंता भाजपा नेताओं के चेहरे पर साफ नजर आ रही है। एक तरफ बड़े-बड़े फैसलों के बाद जमीनी माहौल नहीं बन पा रहा है और दूसरी तरफ आम आदमी हर सप्ताह एक मुफ्त कार्ड खेल रही है। पार्टी के नेता भी इसकी चर्चा करते नजर आते हैं कि सुना आज, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पत्रकारों से बातचीत करेंगे। पर चिंता इस बात पर है कि पता नहीं क्या मुफ्त कर देंगे।

गैरहाजिरी के मजे

कई बार कार्यक्रम में अतिथि का न आना भी आयोजकों के लिए मुसीबत खड़ा कर देता है। और अगर मुख्य वक्ता ही न पहुंचे तो मामला और पेचीदा हो जाता है। ऐसा ही एक माजरा दिखा बीते दिनों जामिया हमदर्द में। यहां ट्रांसजेनेटिक समुदाय के बेहतर स्वास्थ्य पर अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन हो रहा था। हालांकि इसमें कई सत्र थे और दर्जन लोगों को बोलना था लेकिन उद्घाटन सत्र में जिनका प्रमुख व्याख्यान होना था वहीं नहीं पहुंची। बहरहाल किसी तरह आयोजकों ने सत्र को संभाला। अलबत्ता सेमिनार हॉल में चर्चा जरूर होती रही। किसी ने चुस्की ली, कहा-चलो समय बचा! कार्यक्रम जो थोड़ा लेट हो गया था लेकिन इसी वजह से ही सही, चाय समय पर शुरू हो गई!

प्रदर्शन में परेशानी

पिछले कुछ दिनों से विभिन्न मुद्दों को लेकर दिल्ली के कई इलाकों में विरोध-प्रदर्शन किया जा रहा है। कुछ राजनीतिक दल तो कई संगठन से जुड़े कार्यकर्ता सड़कों पर उतरकर सरकार के नीतियों के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं। इनके गुस्से का शिकार सुरक्षा में तैनात दिल्ली पुलिस के जवानों को होना पड़ रहा है। बीते दिनों जेएनयू में छात्रों और पुलिस के बीच हुई हिंसक झड़प में कई विद्यार्थी और पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। सुरक्षाकर्मी मन मारकर रह जाते हैं कि कहीं उनके बल प्रयोग को कोई मीडियाकर्मी फोटो या फिर वीडियो ना बना लें। हालांकि एक आला अधिकारी ने मीडिया के कैमरे भी छीनने की कोशिश की थी। यही नहीं, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में छात्रों ने पुलिसकर्मियों पर जमकर पथराव किए थे, लेकिन सबने मुंह पर रुमाल बांध रखा था। इस कारण पुलिस के लिए आज भी उनकी पहचान मुसीबत बनी हुई है।

चुनाव आला रे

दिल्ली सरकार इन दिनों चुनावी मूड में दिखाई दे रही है। एक के बाद एक फैसले जनहित में लिए जा रहे हैं। इसी के तहत सरकार ने दिल्ली में यमुना की सफाई के लिए कमर कसने का दावा किया है। करीब पांच साल पहले यमुना को छह महीने में साफ करने के वादे के साथ आई सरकार जाने किस मुहिम में मशगूल हो गई कि नाले अभी तक यमुना में जाना बंद नहीं हुए। अब एक बार फिर यमुना सफाई की बिगुल फूंक चुकी सरकार के कदम ही बताएंगे कि यह वास्तव में सफाई करना चाहती है या केवल एक बार फिर चुनावी वादा।

पुलिस का गुस्सा

तीस हजारी अदालत में पुलिस और वकील के बीच के झड़प के बाद पुलिस का गुस्सा कहीं भी उतरते देखा जा रहा है। राजनीतिक दलों के बाद जेएनयू छात्रों का अपनी मांगों के समर्थन और अब जामिया मिल्लया इस्लामिया में संशोधित नागरिकता कानून के खिलाफ सड़क पर उतरे व्यक्तियों पर पुलिस ने हल्का बल प्रयोग शुरू हुआ। दोनों तरफ से हुई इस वारदात में कुछ पुलिस वाले भी घायल हो गए। लेकिन तभी इस विरोध प्रदर्शन को कवर करने वाले पत्रकारों पर पुलिस का डंडा चलना शुरू हो गया। इससे पहले मध्य जिला में भी पुलिस अधिकारी ने दो फोटो पत्रकार को निशाना बनाया था। बेदिल ने जब इस बाबत जानकारी लेने की कोशिश की तो दबी जुबान से पुलिस वालों ने ही कहा इस समय पूरे देश में जो उबाल और बवाल हो रखा है उसमें कभी भी- और कहीं भी कोई भी व्यक्ति निशाने पर हो सकते हैं वे चाहे मीडिया ही क्यों न हो?

विकास का सच

शहर में बगैर सटीक योजना बनाकर किए करोड़ों रुपए के विकास कार्य फायदेमंद साबित होने के बजाए नुकसानदायक साबित हो रहे हैं। जिन उद्देश्यों को लेकर यह विकास कार्य किए गए, उसके आगामी इस्तेमाल की योजना तय नहीं की गई। करीब डेढ़ साल में काम पूरा होने के बाद प्राधिकरण स्तर में हुए प्रशासनिक फेरबदल के चलते फाइलें दबा दी गई। नतीजन करोड़ों रुपए खर्च करने के बाद कोई फायदा नहीं मिल रहा है। इस कड़ी में प्राधिकरण ने शहर के बड़े नालों को ढकने की महत्त्वाकांक्षी योजना करीब चार साल पहले तैयार की थी। जिसमें तहत सेक्टर- 1 स्थित टकसाल के सामने से हरौला होते हुए एमपी-1 मार्ग तक जाने वाले बड़े नाले को सीमेंट का लेंटर डालकर ढका गया। तत्कालीन अधिकारियों का दावा था कि नाले ढकने के बाद उसके ऊपर की जगह का इस्तेमाल पार्किंग अथवा सड़क पर रेहड़ी -पटरी लगाने वालों को बैठाया जाएगा। जिससे सड़कों से अतिक्रमण दूर होगा और वाहनों के लिए ज्यादा जगह मिलेगी। जबकि वर्तमान में 12 से 15 फीट चौड़े नाले के ऊपर अवैध रूप से बालू-बदरपुर बेचने वालों और असंख्य संख्या में गाय- भैंस बांधने के रूप में इस्तेमाल होने से स्थिति पहले और बदतर हो गई है।

-बेदिल

www.readwhere.com

मोदी-शी के बीच दूसरी अनौपचारिक वार्ता के सकारात्मक असर : वीदोंग

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 15 दिसंबर।

चीन ने कहा है कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच दूसरे अनौपचारिक शिखर सम्मेलन के सकारात्मक प्रभाव धीरे-धीरे दिखाई दे रहे हैं और वह क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए भारत के साथ रक्षा व सुरक्षा सहयोग को बढ़ावा देना चाहता है। चीनी राजदूत सुन वीदोंग ने कहा कि मोदी, शी द्वारा तय किए गए द्विपक्षीय व्यापार व निवेश को और बढ़ावा देने के लिए दोनों पक्षों के बीच उच्च-स्तरीय आर्थिक और व्यापार संवाद तंत्र को लागू करने के लिए चर्चा चल रही है।

राजदूत ने कहा कि चीन क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (आरसीईपी) पर भारत के फैसले का सम्मान करता है और नई दिल्ली द्वारा उठाए गए मुद्दों का समाधान करने के लिए सभी हितधारकों के साथ काम करने का इच्छुक है। कश्मीर पर उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर चीन की स्थिति 'स्पष्ट' है। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण और स्थिर माहौल के बिना विकास संभव नहीं है।

वीदोंग ने कहा, 'चीनी और भारतीय नेताओं के बीच दूसरे अनौपचारिक शिखर सम्मेलन के सकारात्मक प्रभाव धीरे-धीरे दिखाई दे रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'एक अरब से अधिक जनसंख्या और उभरती अर्थव्यवस्थाओं वाले दो प्रमुख विकासशील देशों के रूप में चीन-भारत संबंधों ने द्विपक्षीय आयाम पार कर लिया है और वैश्विक तथा रणनीतिक महत्व हासिल कर लिया है।'

चीनी राजदूत के मुताबिक, 'चीन और भारत दोनों का ही सपना है कि वे एक महान राष्ट्र बनें। चीन 'दो शताब्दी लक्ष्यों' को प्राप्त करने के रास्ते पर है, जबकि भारत 'न्यू इंडिया' के निर्माण के दृष्टिकोण को आगे रखता है।' कश्मीर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि चीन का मानना है कि सभी पक्षों को वार्ता के जरिए शांतिपूर्ण ढंग से अपने मतभेदों का समाधान करना चाहिए और किसी भी 'एकतरफा कार्रवाई' से बचना चाहिए जिससे स्थिति 'जटिल' बन सकती है।

उन्होंने कहा, 'चीन, भारत सहित सभी पक्षों के साथ संयुक्त रूप से क्षेत्रीय शांति और स्थिरता की रक्षा करने, क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने और क्षेत्रीय विकास तथा सुरक्षा में सकारात्मक योगदान करने के लिए तैयार है।' दोनों देशों की सेनाओं के बीच चल रहे संयुक्त सैन्य अभ्यास का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'चीन आपसी समझ और विश्वास बढ़ाने के लिए भारत के साथ रक्षा और सुरक्षा सहयोग को बढ़ावा देने के लिए तैयार है।' मम्मलपुरम में मोदी-शी सम्मेलन पर उन्होंने कहा कि उच्च स्तरीय आर्थिक और व्यापार वार्ता तंत्र की स्थापना समेत इसके सार्थक परिणाम सामने आए हैं।

उन्होंने कहा, 'इससे पता चलता है कि चीन, चीन-भारत आर्थिक और व्यापार संबंधों को महत्व देता है। यह दोनों देशों के बीच व्यापार असंतुलन को कम करने के वास्ते उठाया गया एक सकारात्मक कदम है जो व्यापार तथा निवेश में सहयोग को मजबूत करता है।' सीमा मुद्दे के बारे में, वीदोंग ने कहा कि निष्पक्ष और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान के उद्देश्य से 2005 के राजनीतिक मापदंडों और सिद्धांतों के आधार पर चीन और भारत के विशेष प्रतिनिधि वार्ता करना जारी रखेंगे। आरसीईपी के बारे में उन्होंने कहा, 'हम आरसीईपी पर भारत के फैसले का सम्मान करते हैं।' उन्होंने कहा, 'आरसीईपी खुला है, और आपसी समझ की भावना के अनुरूप भारत के साथ संबंधित मुद्दों को हल करने के लिए तैयार हैं।'

बिहार के रोहतास जिले में किशोरी से सामूहिक बलात्कार

सासाराम, 15 दिसंबर (भाषा)।

बिहार में रोहतास जिले के एक गांव में शौच करने घर से बाहर गई एक दलित किशोरी के साथ रविवार को चार लोगों ने सामूहिक बलात्कार किया।

विक्रमगंज अनुमंडल पुलिस अधिकारी राजकुमार ने बताया कि तीन आरोपियों जाफर खां, शरबुख खां और फारूक खां को गिरफ्तार कर लिया गया है तथा चौथे आरोपी आज़ाद खां की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। दर्ज मामले के अनुसार पीड़िता अपनी दादी के साथ शौच करने जा रही थी कि इसी दौरान आरोपी किशोरी को पकड़कर एक घर में ले गए और उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया। घटना की सूचना मिलते ही पीड़िता के परिजनों ने पुलिस को सूचित किया।

मामले की जांच के लिए घटनास्थल पर पहुंचे राजकुमार ने बताया कि पीड़िता को चिकित्सकीय जांच के लिए विक्रमगंज अनुमंडलीय अस्पताल ले जाया गया है। संबंधित गांव में तनाव की स्थिति के मद्देनजर पर्याप्त संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती कर दी गई है।

डाक्टरों से हिंसा पर रोक लगाने वाला विधेयक ठंडे बस्ते में

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 15 दिसंबर।

डाक्टरों व अन्य स्वास्थ्य पेशेवरों के खिलाफ होने वाली हिंसा पर लगाम लगाने के मकसद से स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा तैयार विधेयक को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। गृह मंत्रालय ने यह कह कर इसे टाल दिया है कि इस संबंध में अलग से कानून बनाने की जरूरत नहीं है।

स्वास्थ्य सेवा कर्मी व नैदानिक प्रतिष्ठान (हिंसा और संपत्ति को क्षति पहुंचाने पर प्रतिबंध) विधेयक, 2019 में उन लोगों के लिए 10 साल तक की कैद का प्रस्ताव दिया गया था, जो ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों और अन्य स्वास्थ्य पेशेवरों के साथ मारपीट करते हैं। स्वास्थ्य पेशेवरों के खिलाफ हिंसा पर लगाम लगाने के लिए समग्र केंद्रीय कानून की मांग ने उस वक्त जोर पकड़ लिया था, जब ऐसे मामले और देश भर में चिकित्सा प्रतिष्ठानों को नुकसान पहुंचाने के मामले अचानक बढ़ गए थे। स्वास्थ्य मंत्रालय संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान ही यह विधेयक पेश करना चाहता था। लेकिन गृह मंत्रालय की आपत्ति के कारण यह संभव नहीं हो सका। देश भर के चिकित्सक और स्वास्थ्य सेवा प्रतिष्ठानों के लोग इस विधेयक की मांग कर रहे थे। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा तैयार किए गए मसविदे के मुताबिक, डाक्टरों से मारपीट और हिंसा के मामलों में दो से 10 लाख तक जुर्माना व 10 साल तक की जेल की सजा का सुझाव दिया गया था। इसे डाक्टरों के विभिन्न संगठनों, एम्स और अन्य संस्थानों के सुझावों के आधार पर तैयार किया गया था।

कर्नाटक में और उपमुख्यमंत्री बनाए जाने की अटकलें

बेंगलुरु, 15 दिसंबर (भाषा)।

कर्नाटक में मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के जरिए अपने मंत्रिमंडल में विस्तार करने की योजना है। इस बीच, उपमुख्यमंत्री के और अधिक पद सृजित किए जाने या इस पद के आकांक्षियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए इस प्रतिष्ठित पद को पूरी तरह से खत्म करने के लिए प्रदेश भाजपा में अटकलें तेज हो गई हैं। येदियुरप्पा नीत भाजपा सरकार में पहले से ही तीन उपमुख्यमंत्री गोविंद कारजोल, सीएन अश्वतनारायण और लक्ष्मण सावादी हैं। इन अटकलों के बीच कि कम से कम दो और ऐसे पद आगामी मंत्रिमंडल विस्तार में बनाए जा सकते हैं, सावादी ने रविवार को इसे 'मीडिया की उपज' बताया और कहा कि इसे लेकर भाजपा में कोई भ्रम नहीं है।

अगले 30 साल जनसांख्यिकीय लाभ के दृष्टिकोण से अहम : नायडू

कामकाजी उम्र की आबादी में 'वृद्धि' 2055 तक रहेगी

अमदाबाद, 15 दिसंबर (भाषा)।

उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने शनिवार को कहा कि अगले 30 साल जनसांख्यिकीय लाभ के दृष्टिकोण से भारत के लिए महत्त्वपूर्ण हैं क्योंकि देश की कामकाजी उम्र की आबादी में 'वृद्धि' 2055 तक रहेगी। उन्होंने युवाओं को कौशल से लैस करने की आवश्यकता पर भी बल दिया, जो उन्हें 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाएगा।

नायडू मध्य गुजरात के वल्लभ विद्यानगर में सरदार पटेल विश्वविद्यालय के 62वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज हमारी 65 फीसद से अधिक आबादी 35 साल से कम उम्र की है और यह वास्तव में बहुत बड़ा फायदा है। कामकाजी उम्र की आबादी में यह वृद्धि 2055 तक निर्धारित है। इसलिए, अगले 30 साल भारत के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण हैं। इक्कीसवीं सदी की चुनौतियों के लिए हमारे युवाओं को कौशल से लैस करने की आवश्यकता है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज, भारत एक ऐसे दौर से गुजर रहा है जो उम्मीद और अवसरों से भरा है। उपराष्ट्रपति के रूप में, मैंने कई देशों का दौरा किया है और एक सामान्य बात जो मैंने अनुभव की है वह यह है कि हर किसी को भारत की क्षमताओं, प्रतिभा और प्रयासों में विश्वास है। इस अवसर पर, नायडू ने स्नातक छात्रों को सलाह दी कि हमें अपनी विरासत जैसे चरित्र, क्षमता और संपर्क द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को अपनाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हमें हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन के मंत्र को अपनाना चाहिए।

ओड़ीशा में महिला से पति के सहकर्मी और दो अन्य ने किया सामूहिक बलात्कार

भवानीपाटणा (ओड़ीशा), 15 दिसंबर (भाषा)।

ओड़ीशा के कालाहांडी जिले में एक महिला (26) से कथित तौर पर उसके पति के सहकर्मी और दो अन्य लोगों द्वारा सामूहिक बलात्कार किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पीड़िता द्वारा दी गई शिकायत के मुताबिक महिला का पति गोवा में काम करता है और पिता का 27 वर्षीय एक सहकर्मी यहां एक गांव के निकट स्थित उसके आवास पर 11 दिसंबर की शाम को पति द्वारा भेजा गया कुछ सामान देने आया था। अधिकारी ने कहा कि पीड़िता के साथ रहने वाले उसके सास-ससुर के कहने पर आरोपी सहकर्मी उनके घर पर ही रात में रुक गया।

उन्होंने कहा कि 12 दिसंबर को जब महिला एटीएम जा रही थी तब आरोपी सहकर्मी ने उसे मोटरसाइकिल पर लिफ्ट देने की पेशकश की। उसने लेकिन आधे रास्ते में ही मोटरसाइकिल रोककर अपने दो सहयोगियों को बुला लिया और महिला का अपहरण कर उसे सुनसान जगह ले गया, जहां तीनों ने उसके साथ बलात्कार किया। आरोपी महिला को मौके पर ही छोड़कर वहां से फरार हो गए और जाने से पहले किसी को भी घटना के बारे में नहीं बताने की चेतावनी दी।

उन्होंने कहा कि पीड़िता ने भवानीपाटणा सदर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई जिसके बाद पुलिस दल ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से एक मोटरसाइकिल, एक स्कूटर और महिला का एटीएम कार्ड जब्त किया।

अभिनेत्री गीता सिद्धार्थ का निधन

मुंबई, 15 दिसंबर (भाषा)।

जानीमानी अभिनेत्री गीता सिद्धार्थ का निधन हो गया है। गीता सिद्धार्थ ने 'गर्म हवा', 'परिचय', 'शोले' और 'त्रिशूल' जैसी फिल्मों में काम किया था।

अभिनेत्री गीता सिद्धार्थ के निधन की पुष्टि सिने ऐंड टीवी आर्टिस्ट्स एसोसिएशन (सीआईएनटीएए) ने ट्विटर पर की। शनिवार सुबह उनका निधन हुआ। सीआईएनटीएए द्वारा किए गए ट्वीट में लिखा है, '#सीआईएनटीएए श्रीमती गीता सिद्धार्थ (मई 1970 से सदस्य) के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करता है।' उनका निधन किस वजह से हुआ, उस बारे में फिलहाल जानकारी नहीं मिल पाई है।

गीता सिद्धार्थ ने 1973 में आई एमएस सथ्यू की फिल्म 'गर्म हवा' में भी अभिनय किया था। इस फिल्म को राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था। उन्होंने फिल्म में सलीम (बलराज साहनी) की पुत्री अमीना का किरदार निभाया था।

गीता सिद्धार्थ ने गुलजार की फिल्म 'परिचय' में भी अभिनय किया था जिसमें जितेंद्र, जया भादुरी, प्राण और संजीव कुमार भी थे। उन्होंने 'शोले', 'त्रिशूल', 'नूरी', 'अर्थ' और 'मंडी' जैसी फिल्मों में भी काम किया।

गीता का विवाह वृत्तचित्र निर्माता, टेलीविजन कार्यक्रम निर्माता व प्रस्तोता सिद्धार्थ काक से हुआ था जिन्हें 1990 के दशक में आए उनके टेलीविजन कार्यक्रम 'सुरभि' के लिए जाना जाता है। उनकी एक बेटी है जिसका नाम अंतरा है, जो फिल्म निर्देशक व निर्माता हैं।

Muthoot Finance

मुथूट होमफिन (इंडिया) लि.

कॉर्पोरेट कार्यालयः 1201 एवं 1202, 12वाँ तल, 'ए' विंग, लोटस कॉर्पोरेट पार्क, ऑफ. वेस्टर्न एक्सप्रैस हाइवे, गोरेगाँव (पूर्व), मुम्बई-400063

मांग सूचना

प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3(1) के साथ पठित वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के अंतर्गत सूचना

वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम, 2002 (उक्त अधिनियम) के अंतर्गत अधोहस्ताक्षरी मुथूट होमफिन (इंडिया) लि. (एमएचआईएल) के प्राधिकृत अधिकारी हैं। प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के अंतर्गत मांग सूचना जारी कर निम्न ऋणधारक (कों) ("उक्त ऋणधारक") को उन्हें जारी की गई संबंधित मांग सूचना/ओं में वर्णित राशि के पुनर्भुगतान का निर्देश दिया था जो इस प्रकार नीचे वर्णित है।

उपरोक्त के सिलसिले उक्त ऋणधारक को एक बार पुनः सूचित किया जाता है कि उक्त ऋणधारकों द्वारा निष्पादित अन्य दस्तावेजों/प्रलेखों, यदि कोई हो, के साथ पठित ऋण अनुबंध के अंतर्गत देय नीचे वर्णित तिथि से भुगतान एवं/अथवा वसूली की तिथि तक उक्त मांग सूचनाओं में वर्णित 2% पी.एम. की दर से आगे के ब्याज के साथ यहाँ नीचे दर्शाई गई राशि का इस सूचना के प्रकाशन से 60 दिनों के भीतर एमएचआईएल को भुगतान करें। ऋण के नियत पुनर्भुगतान के लिये प्रतिभूति के रूप में क्रमशः उक्त ऋणधारकों द्वारा एमएचआईएल के पास अधोलिखित परिसम्पत्तियाँ गिरवी रखी गई हैं:

क्र. सं.	ऋणधारक(कों)/सह-ऋणधारक(कों) का नाम/ऋण खाता सं./शाखा	कुल बकाया देयता (रु.)	माँग सूचना तिथि	प्रतिभूत परिसम्पत्ति (अचल सम्पत्ति) का विवरण
1	नितेश कुमार सिंह/निशू सिंह 058-05800047/नोएडा	रु. 1670717/- (रुपये सोलह लाख सत्तर हजार सात सौ सत्तरह मात्र)	09.11.2019	फ्लैट नं. 402, 3रा तल, प्लॉट नं. 50 एवं 50ए, ख. 156ए, ग्राम शाहबेरी, दादरी, शुभारम्भ होम्स, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश-201301
2	लवकेश शर्मा/लक्ष्मी शर्मा/ 056-05600184/गाजियाबाद	रु. 8,21,736/- (रुपये आठ लाख इक्कीस हजार सात सौ छत्तीस मात्र)	09.11.2019	ओम साई एन्क्लेव-2, मंडला विस्तार, ग्राम-लोनी, चकबन्दी एरिया, तहसील एवं जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201001 में स्थित ख.नं. 1380

यदि उक्त ऋणधारक उपरोक्त रूप में एमएचआईएल को भुगतान करने में विफल होते हैं तो एमएचआईएल लागतों तथा परिणामों के लिये उक्त ऋणधारकों की जोखिम पर अधिनियम की धारा 13(4) तथा लागू होने वाले/नियमों के अंतर्गत उपरोक्त प्रतिभूत परिसम्पत्तियों के विरुद्ध आगे कार्रवाई करेगा।

अधिनियम के अंतर्गत उक्त ऋणधारकों को एमएचआईएल की पूर्व लिखित सहमति प्राप्त किये बिना बिक्री, पट्टा या अन्य रूप से उपरोक्त परिसम्पत्तियों को अंतरित करने से निषिद्ध किया जाता है। यदि कोई व्यक्ति उक्त अधिनियम अथवा उसके अंतर्गत नियमों के प्रावधानों का उल्लंघन या उल्लंघन का प्रयास करता है तो वह अधिनियम के अंतर्गत निर्दिष्ट कैद एवं/अथवा दंड का भागी होगा।

हस्ता./-
स्थानः उत्तर प्रदेश — प्राधिकृत अधिकारी
तिथिः 16.12.2019 — मुथूट होमफिन (इंडिया) लि. के लिये

केवीएस ने शिक्षकों और कर्मियों को सम्मानित किया

केंद्रीय विद्यालय संगठन ने मनाया अपना स्थापना दिवस

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 15 दिसंबर।

केवीएस (केवीएस) ने रविवार को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में अपना स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर आयुक्त, केवीएस संतोष कुमार मल्ल मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे।

स्थापना दिवस के अवसर पर केवीएस द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर चयनित 30 शिक्षकों और कार्मियों को राष्ट्रीय प्रोत्साहन पुरस्कार और नौ शिक्षकों को नवाचार एवं प्रयोग पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सभी विजेताओं के कार्य पर एक-एक मिनट की लघु फिल्म भी दिखाई गई। केवीएस प्रतिवर्ष अपने चयनित शिक्षकों और कर्मचारियों को इन पुरस्कारों से सम्मानित करता है। पुरस्कृत शिक्षकों और कर्मियों को पुरस्कार के तौर पर 20 हजार रुपए का नकद पुरस्कार, एक शॉल और एक प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि संतोष कुमार मल्ल ने समस्त केवीएस परिवार को स्थापना दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज केवीएस लगभग हर क्षेत्र में सफलता के उच्च मानदंड स्थापित कर रहा है। हमारे समक्ष सबसे बड़ी चुनौती यह है कि इस गति को हमें आगे भी बनाए रखना है। उन्होंने सभी पुरस्कृत शिक्षकों एवं कर्मियों को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि शिक्षा में उत्कृष्टता का क्रम यूं ही निरंतर बढ़ता रहेगा।

इस अवसर पर केवीएस के अपर आयुक्त उदय नारायण खवाड़े ने सबका स्वागत करते हुए सभी पुरस्कृत शिक्षकों और कर्मियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि केवीएस अपने कर्मठ शिक्षकों और कर्मियों के अतुल्य योगदान के कारण नित नई ऊंचाइयां प्राप्त कर रहा है और देश की श्रेष्ठ स्कूल शृंखला बन गया है। कार्यक्रम में संयुक्त आयुक्त (कार्मिक) डॉ. शची कांत, संयुक्त आयुक्त (प्रशासन) डॉ. वी. विजयालक्ष्मी, संयुक्त आयुक्त (प्रशिक्षण) डॉ. ई. प्रभाकर, उपायुक्त (शैक्षिक) पिया ठाकुर समेत मुख्यालय के समस्त वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे। दिल्ली संभाग के उपायुक्त नागेंद्र गोयल ने आभार ज्ञापन प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण नई दिल्ली के समक्ष
कम्पनी याचिका सीएए-154/एनडी/2019
सम्बद्ध
कम्पनी आवेदन नं. 109/(एनडी)/2019
कम्पनी अधिनियम, 2013 के मामले में,
और
कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 230 से 232 एवं अन्य संगत प्रावधानों के मामले में
और
एसटीआईसी ट्रैवल्स प्राइवेट लिमिटेड, और एसटीआईसी जीएसए सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, उनके संबंधित शेयरधारकों एवं लेनदारों के बीच समामेलन की योजना के मामले में

एसटीआईसी ट्रैवल्स प्राइवेट लिमिटेड ......याचिकाकर्ता-1/डिमर्ज्ड कम्पनी
और
एसटीआईसी जीएसए सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड ......याचिकाकर्ता-2/परिणामी कम्पनी

याचिका की सूचना

कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 230 से 232 के अंतर्गत योजना के अनुमोदन के लिए 08 नवम्बर, 2019 को एक याचिका संयुक्त रूप से प्रस्तुत की गई और राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण के समक्ष कथित याचिका पर सुनवाई की तिथि 07 जनवरी, 2020 निर्धारित की गई है। यदि किसी व्यक्ति को कथित याचिका पर समर्थन या आपत्ति है तो वह अपने आशय की सूचना, अपने नाम एवं पते के साथ स्वयं या अपने अधिवक्ता द्वारा हस्ताक्षर करके याचिकाकर्ता कम्पनी के अधिवक्ता के पास सुनवाई की तिथि से दो दिन पूर्व तक भेज सकता है। जहां पर उसे याचिका में आपत्ति है अपने आपत्ति का कारण बताते हुए पृष्ठभूमि या अपवाद की एक प्रति ऐसी सूचना के साथ संलग्न की जानी चाहिए। याचिका की प्रति चाहने वाले किसी भी व्यक्ति को इसके लिए निर्धारित शुल्क का भुगतान करने पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा उसे उपलब्ध कराया जाएगा।

हस्ता./-
अधिवक्ता राजीव कुमार
(याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता)
34, बाबर लेन, प्रथम तल, बंगाली मार्केट, नई दिल्ली-110001
मोबाईल : 9910483619

आज दिनांक : 14/12/2019

प्रपत्र ए
सार्वजनिक उद्घोषणा
[भारत दिवाला तथा दिवालिया मंडल (कॉर्पोरेट व्यक्तियों के लिए दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया) विनियमन, 2016 के विनियमन 6 के अंतर्गत]
ए टू जेड बार्टर प्राईवेट लिमिटेड के क्रेडीटरों के ध्यानार्थ

संबंधित विवरण		
1.	कॉर्पोरेट ऋणधारक का नाम	ए टू जेड बार्टर प्राईवेट लिमिटेड
2.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के निगमन की तिथि	27 मई, 2008
3.	वह प्राधिकरण जिसके अंतर्गत कॉर्पोरेट ऋणधारक निगमित/पंजीकृत है	कम्पनी रजिस्ट्रार, दिल्ली
4.	कॉर्पोरेट पहचान संख्या/कॉर्पोरेट ऋणधारक का लिमिटेड लाएबिलिटी पहचान संख्या	U70102DL2008PTC178620
5.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के पंजीकृत कार्यालय तथा प्रधान कार्यालय (यदि कोई हो) का पता	पंजीकृत कार्यालयः 310 सी-1/ए, 3रातल, एम.एस. चैम्बर, अरुणा पार्क, लक्ष्मी नगर, ईस्ट दिल्ली-110092 कॉर्पोरेट कार्यालयः सी-14, मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली-110015
6.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के संदर्भ में दिवाला प्रक्रिया आरंभ होने की तिथि	10 दिसम्बर, 2019 (आदेश की प्रति 13.12.2019 को प्राप्त हुई)
7.	दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया के समापन की अनुमानित तिथि	7 जून, 2020
8.	अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेश्नल का नाम, पंजीकरण संख्या, जो अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल के रूप में कार्यरत है	अनूप कुमार गोयल पंजीकरण सं.: IBBI/IPA-001/IPP00563/2017-18/11039
9.	बोर्ड में यथा पंजीकृत आई.आर.पी प्रॉफेश्नल का पता एवं ईमेलः	प्लैट नं. 403, बी-20 शिव एन्क्लेव, शिव मार्ग, वाणी पार्क, जयपुर-302016 (राजस्थान) ईमेलः doctor.anoop@gmail.com
10.	अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेश्नल के साथ पत्राचार के लिये प्रयुक्त होने वाला पता तथा ईमेल	प्लैट नं. 403, बी-20 शिव एन्क्लेव, शिव मार्ग, वाणी पार्क, जयपुर-302016 (राजस्थान) ईमेलः cirp.atozbarter@gmail.com
11.	दावे जमा करने की अंतिम तिथि	27 दिसम्बर, 2019
12.	क्रेडीटर का वर्ग यदि कोई हो, धारा 21 की उप धारा (6ए) के उपबंध (बी) के अंतर्गत, आईआरपी द्वारा सुनिश्चित किया गया	लागू नहीं
13.	किसी वर्ग में क्रेडीटर्स के प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिये पहचान किये गये इन्सॉल्वेन्सी प्रॉफेश्नल का नाम (प्रत्येक वर्ग से तीन नाम)	लागू नहीं
14.	क) संबंधित प्रपत्र तथा ख) प्राधिकृत प्रतिनिधियों का विवरण उपलब्ध है	क) वेबलिंकः https:ibbi.gov.in/home/downloads ख) लागू नहीं

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण, कोर्ट-III, नई दिल्ली ने 10 दिसम्बर, 2019 को ए टू जेड बार्टर प्राईवेट लिमिटेड के संदर्भ में कॉर्पोरेट इन्सॉल्वेन्सी प्रस्ताव प्रक्रिया शुरू करने का आदेश दिया है।

एतद्द्वारा ए टू जेड बार्टर प्राईवेट लिमिटेड के क्रेडीटरों को निर्देश दिया जाता है कि प्रविष्टि सं. 10 में वर्णित पते पर अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल के पास 27 दिसम्बर, 2019 को या उससे पूर्व प्रमाण के साथ अपने दावे जमा करें। फाइनांसियल क्रेडीटर्स केवल इलेक्ट्रॉनिक पद्धति से ही प्रमाण के साथ अपने दावे जमा कर सकते हैं। अन्य सभी क्रेडीटर्स व्यक्तिगत, डाक द्वारा अथवा इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से प्रमाण के साथ अपने दावे जमा कर सकते हैं।

दावे का गलत अथवा भ्रामक प्रमाण जमा करने पर दंडित किया जा सकता है।

अतंरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल का नाम तथा हस्ताक्षरः
अनूप कुमार गोयल
पंजीकरण सं.: IBBI/IPA-001/IPP00563/2017-18/11039

तिथिः 16.12.2019, स्थानः जयपुर

Mahindra FINANCE

MAHINDRA & MAHINDRA FINANCIAL SERVICES LIMITED
Registered Office: Gateway Building, Apollo Bunder, Mumbai - 400 001.
CIN: L66921 MH1991PLC059642
Tel: +91 22 6652 6000 | Fax: +91 22 2498 4170
Website: www.mahindrafinance.com | Email: mfinfd@mahindra.com

It has been decided by the management of Mahindra & Mahindra Financial Services Ltd (MMFSL) to close our Beed, Jasola, Whitefield and Kadur branch located at the following address with effect from 16th March, 2020

SR. NO	Branch Name	Branch Address	City	State	Branch Code
1	Beed	1st Floor, Kadam Tower, Opp S.P. office, Barshi Road,Beed,Maharashtra - 431122.	Beed	Maharashtra	BED
2	Jasola	Second Floor, B2/6, Mathura Road, Mohan Co-operative Industrial Estate, N.D.M.C. Part, Delhi - 110044.	N.D.M.C. Part	Delhi	JAZ
3	Whitefield	No 272, 1st Floor, Hosakote White Field Main Road, Near Mayura Bakery, Belthur, Bangalore M Corp. ,Karnataka - 560067.	Bangalore Corp	Karnataka	WHI
4	Kadur	First Floor, Kalyana Complex, BH Road, Opposite to APMC Kadu, Kadur TMC, Karnataka - 577548.	Kadur TMC	Karnataka	KAK

All Deposit holders of this branch will be serviced from our nearest branch address as mentioned below:

SR.NO	Nearest Branch for the Location	Nearest Branch Address
1	Beed	Mathoshri Complex, 1st floor, Shani Mandir Road, Old Jalna - 431203.
2	Jasola	Plot-2,Tuda Mandi,Tehsil Road, Najafgarh, New Delhi - 110043.
3	Whitefield	No. 125, NH 75, 1st Floor, Opp. Sadana Theater, Above RBL Bank, Hoskote Town, Bangalore - 562114.
4	Kadur	2nd Floor, Laxmi Balaji Building, Above HDFC Bank, MG Road Chikmaglur - 577101.

Alternately customers can also approach MMFSL for any service requirements through our dedicated customer care center number: 1800 266 9266, or write us at MFINFD@mahindra.com

We deeply regret the inconvenience caused in this regards and request our valued customers to kindly cooperate with us.

पति को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप

ठाणे, 15 दिसंबर (भाषा)।

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक महिला और उसके दो मित्रों पर कथित रूप से महिला के पति को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

मुख्य आरोपी सुवर्णा सोनटक्के की शादी यहां स्थित अंबेवाड़ी के निवासी गजानन सोनटक्के (32) के साथ 2013 में हुई थी और दंपति के दो बच्चे भी थे। एक पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि महिला ने इस साल जुलाई में नौकरी करनी शुरू की थी, जहां दफ्तर में उसने एक पुरुष से मित्रता कर ली। महिला के पति को इस मित्रता पर आपत्ति थी जिसके कारण पति-पत्नी में अकसर झगड़ा होता था। पुलिस के अनुसार पति ने कथित तौर पर 22 नवंबर को अपने घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

HARYANA DISTILLERY LIMITED
CIN: U15511DL2001PLC109883
Regd. Office: 16, Community Centre, New Friends Colony, New Delhi – 110025
Tel.: +91-11-26823089 Email id: hdistt@gmail.com

NOTICE FOR THE LOSS OF SHARE CERTIFICATE

Notice is hereby given to the general public that the following share certificate as per details given below has been reported lost/ misplaced and are not traceable.

Sl. No.	Name of the Shareholder	Folio No.	Share Certificate No.	Distinctive Nos.	Face Value	No. of shares
1.	Sudhir Modi	LS00327	3323	17295126-17297940	Rs. 10/-	2815
2.	Kiran Modi	LK00334	3052	17243583-17245448	Rs. 10/-	1866

Any person who has a claim in respect of the said shares should lodge such claim with the company at its Registered Office within 15 days from the date hereof, else the Company will proceed to issue duplicate certificate(s) after the expiry of 15 days and the original certificates shall stand cancelled.

Place: New Delhi — Sd/-
Date: 14.12.2019 — Company Secretary

नियुक्तियां

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

विज्ञापन-1/2019

विभिन्न शैक्षणिक पदों पर नियुक्ति हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। विस्तृत विवरण विश्वविद्यालय के वेबसाइट www.ssvv.ac.in पर उपलब्ध है।

कुलसचिव

www.readwhere.com

जनसत्ता

विद्रोह का रुख

नागरिकता संशोधन विधेयक के संसद के दोनों सदनों में पारित हो जाने और राष्ट्रपति की भी स्वीकृति मिल जाने के बाद पूर्वोत्तर में विद्रोह की लपटें तेज हो गई हैं। विपक्षी दल तो शुरू से इस विधेयक का विरोध कर रहे थे, धीरे-धीरे राज्य सरकारों ने इसे लागू करने से मना करना शुरू कर दिया है। पहले पश्चिम बंगाल, पंजाब और केरल ने कह दिया था कि वे अपने यहां इस कानून को लागू नहीं करेंगे। अब मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र ने भी इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। मगर केंद्र सरकार कह रही है कि इस कानून को लागू करना उनकी संवैधानिक बाध्यता है। उधर कुछ लोगों ने अदालत में इस कानून को चुनौती दी है। सर्वोच्च न्यायालय का फैसला आना है। इस कानून को लेकर बहुत सारे समाजसेवी, बुद्धिजीवी विरोध में खड़े हैं। सर्वोच्च न्यायालय के एक अवकाश प्राप्त न्यायाधीश ने भी इसके विरोध में हस्ताक्षर किया है। मगर सरकार का तर्क है कि यह कानून मुसलिम समुदाय के लोगों के विरोध में नहीं है, इसलिए उनकी सुरक्षा को लेकर चिंताएं निर्मूल हैं। मगर हकीकत यही है कि सरकार इस कानून को लेकर चौतरफा घिरी नजर आ रही है।

नागरिकता (संशोधन) विधेयक में, जो अब कानून का रूप ले चुका है, स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में धार्मिक आधार पर प्रताड़ित हिंदू, सिख, बौद्ध, सिख, ईसाई और पारसी समुदाय के लोगों को नागरिकता प्रदान की जाएगी। इसमें मुसलिम समुदाय के लोगों को बाहर रखा गया है। फिर श्रीलंका में धर्म के आधार पर प्रताड़ित हिंदुओं को इसमें शामिल नहीं किया गया है। इसके अलावा रोहिंग्या और अहमदिया जैसे समुदाय के लोग भी धर्म के आधार पर प्रताड़ित हैं, उनकी कोई सुध नहीं ली गई है। इसी को लेकर विरोध हो रहा है। इस कानून को संविधान की मूल भावना के विरुद्ध बताया जा रहा है। संविधान नागरिकता के मामले में सेक्युलर व्यवस्था देता है, उसमें किसी भी समुदाय के प्रति धर्म के अधार पर भेदभाव को गैरकानूनी करार दिया गया है। फिर यह भी संकल्प है कि संविधान की इस भावना के विरुद्ध कोई भी बदलाव नहीं किया जा सकता। इसलिए कई लोग आशान्वित हैं कि सर्वोच्च न्यायालय इस कानून को अवैध करार दे देगा। इस पर अदालत का क्या रुख होता है, देखने की बात है। पर नागरिकों के विद्रोह से निपटना फिलहाल सरकार के लिए बड़ी चुनौती है।

पूर्वोत्तर में हिंदू और मुसलमान का मामला नहीं है। वहां कई जनजातीय समुदाय हैं, जो अपनी पहचान के लिए लंबे समय से संघर्ष करते रहे हैं। असम समझौते में वहां के जनजातीय समुदाय के नागरिकों की पहचान सुरक्षित रखने का प्रावधान किया गया। अब नागरिकता (संशोधन) कानून लागू होने से पुराने प्रावधान अप्रभावी हो जाएंगे। दूसरे प्रदेशों और देशों के लोगों को वहां जाकर बसने की गुंजाइश बनेगी। इससे पूर्वोत्तर के लोगों का जीवन प्रभावित होगा। हालांकि वहां सरकार ने इनर लाइन परमिट लागू किया है, यानी वहां वही जा सकता है, जिसे परमिट हासिल है, पर वह आंशिक रूप से ही प्रभावी है। इसी को लेकर वहां नाराजगी फट पड़ी है। कर्फ्यू के बावजूद हजारों की संख्या में लोग सड़कों पर उतर रहे हैं। यह गुस्सा धीरे-धीरे दूसरे राज्यों में भी फैल रहा है। ऐसे में सरकार के लिए इस कानून को लागू करवा पाना आसान नहीं होगा। उसे इस पर पुनर्विचार कर व्यावहारिक रूप देने की जरूरत है।

बोरिस की वापसी

ब्रिटेन के आम चुनाव में कंजर्वेटिव पार्टी को भारी बहुमत से जिता कर देश की जनता ने ब्रेक्जिट पर अपनी मुहर लगा दी है। बोरिस जॉनसन फिर से प्रधानमंत्री बन सत्ता में पहुंचे हैं और अब उनका पहला काम देश की जनता से किए अपने सबसे बड़े वादे यानी ब्रिटेन को यूरोपीय संघ से अलग करना है। तीन साल पहले ब्रेक्जिट को लेकर ब्रिटेन में हुए जनमत संग्रह में बावन फीसद लोगों ने इसके पक्ष में वोट डाले थे। लेकिन ब्रेक्जिट की यात्रा आसान नहीं रही। पिछले साल ब्रेक्जिट से अलग होने के तरीके को लेकर सरकार में ही विवाद गहरा गए थे और प्रधानमंत्री थेरेजा मे की सरकार से एक साथ तीन मंत्रियों ने इस्तीफा देकर राजनीतिक संकट खड़ा कर दिया था। अब बोरिस जॉनसन के सामने सबसे बड़ी चुनौती 31 जनवरी, 2020 तक ब्रिटेन को यूरोपीय संघ से अलग कर लेने की है। बोरिस जॉनसन ने इस साल मई में सत्ता संभाली थी और 31 अक्तूबर तक ब्रिटेन को यूरोपीय संघ से अलग कर लेने का वादा किया था, लेकिन हाउस ऑफ लार्ड्स (उच्च सदन) में प्रस्ताव गिर गया और यह कवायद नाकाम हो गई। इसके बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। ऐसे में अब बोरिस जॉनसन कैसे इस दिशा में आगे बढ़ते हैं, यह देखने की बात है।

ब्रिटेन में पिछले पांच साल में तीन बार चुनाव हुए हैं और देश ने चार प्रधानमंत्री देखे हैं। इन चुनावों का सबसे बड़ा मुद्दा ब्रेक्जिट ही रहा है। कंजर्वेटिव पार्टी पिछली बार के मुकाबले सैंतालीस सीटें ज्यादा जीत कर तीन सौ पैंसठ पर पहुंच गई है। इससे पहले 1987 में मार्गरेट थैचर के नेतृत्व में इस पार्टी को तीन सौ संतानबे सीटें मिली थीं। दूसरी ओर, लेबर पार्टी सहित जिन सात दलों ने दोबारा जनमत संग्रह कराने और ब्रेक्जिट रद्द करने का वादा किया था, उन्हें उन्हें दो सौ सत्तर सीटें ही मिलीं। जाहिर है, ब्रिटेन की जनता अब फैसला कर चुकी है कि उसे यूरोपीय संघ से अलग होना है और इसके लिए भले कितनी अड़चनें आएं, कितना वक्त लगे, इसकी चिंता नहीं। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद यूरोपीय देशों के बीच व्यापार और आर्थिक सहयोग को लेकर ही यूरोपीय संघ बना था और ब्रिटेन इसमें 1975 में शामिल हुआ था, लेकिन तबसे उसकी इस संघ में कोई ज्यादा अहमियत नहीं रही। उसे यूरोपीय संघ की उन शर्तों को मानने के लिए मजबूर होना पड़ रहा था, जो ब्रिटेन के हितों के खिलाफ थीं। इसलिए अब ब्रिटेन की नई पीढ़ी देश को हर मामले में स्वतंत्र देखना चाहती है, चाहे व्यापार, रोजगार, आर्थिक हितों के मुद्दे हों या सामाजिक-सांस्कृतिक मुद्दे। यूरोपीय संघ से अलग होने पर सबसे बड़ा खतरा ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था और संघ के दूसरे देशों के साथ व्यापार को लेकर है। ऐसे में ब्रिटेन यूरोपीय संघ की शर्तों के आगे कितना झुक पाएगा, यह बड़ा सवाल है। हालांकि यूरोपीय संघ से पूरी तरह नाता तोड़ने के बाद देश को जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, उससे बोरिस जॉनसन भी अच्छी तरह समझ रहे हैं।

बोरिस जॉनसन का सत्ता में और ताकतवर होकर लौटना भारत के लिए भी अच्छा संकेत हैं। वे भारत के पक्के समर्थक रहे हैं। हाल के महीनों में ब्रिटेन के प्रमुख विपक्षी दल लेबर पार्टी ने जिस तरह से भारत विरोधी रवैया अख्तियार किया था, उससे भारत असहज महसूस कर रहा था। अब बोरिस जॉनसन के सत्ता में वापसी से भारत-ब्रिटेन के बीच हर तरह के व्यापक सहयोग के रास्ते बनने की उम्मीद बनी है।

कल्पमेधा

वह सभ्यता, जिसके पास आधुनिक तकनीकी ज्ञान नहीं है, कुछ नहीं कर सकती।
– एपीजे अब्दुल कलाम

संकट में ग्रामीण अर्थव्यवस्था

सुविज्ञा जैन

कृषि का योगदान भले ही कम हो, लेकिन आबादी के लिहाज से वह देश का सबसे बड़ा व्यवसाय आज भी है। देश की आधी आबादी कृषि से रोजगार पाती है। पर अब कृषि क्षेत्र उसमें लगे व्यक्तियों को अपनी रोजमर्रा की जरूरतें पूरा करने लायक मुनाफा भी नहीं दे पा रहा है। जाहिर है, ग्रामीण अर्थव्यवस्था की बदहाली का असर देश के बाजार पर पड़ने लगा है।

पिछली छह तिमाहियों से देश की माली हालत चिंता में डाले हुए है। इस साल की दूसरी तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर ने गिरते-गिरते पिछली छब्बीस तिमाहियों का रेकार्ड तोड़ दिया। वृद्धि दर अब सिर्फ साढ़े चार फीसद बची है। यानी इस साल की पहली छमाही का आंकड़ा पौने पांच फीसद बैठ रहा है। हाल फिलहाल देश की माली हालत के सुधरने के आसार भी नहीं दिख रहे। इसीलिए देश की जीडीपी का अनुमान लगाने वाली तमाम एजंसियां इस साल पांच सवा पांच फीसद से ज्यादा का अंदाजा नहीं लगा रही हैं। बेशक ये आंकड़े चिंताजनक हैं।

वैसे वृद्धि दर में उतार-चढ़ाव कोई अपूर्व घटना नहीं है। स्थिति को सामान्य बताने वाले विशेषज्ञ इस हालत को चक्रीय घटना बताते हुए दिलासा दे रहे हैं। लेकिन आमतौर पर यह नहीं बताया जा पा रहा है कि इस दुश्चक्र से बचाव कैसे किया जाए? जो कुछ किया जा रहा है, वह नाकाफी साबित हुआ है। बेशक अर्थव्यवस्था में उतार-चढ़ाव आते जाते रहते हैं, लेकिन चिंता तब जरूर होती है जब वृद्धि दर में गिरावट लंबे समय तक बनी रहे। तब चिंता और भी बढ़ती है जब कोई उपाय, हालात को संभाल ना पा रहा हो। पिछले तीन-चार महीने से अर्थव्यवस्था को संभालने के भारी-भरकम सरकारी खर्च वाले उपाय किए गए। उद्योग जगत और बैंकों को बड़ी-बड़ी आर्थिक मदद दी गई। इसका तर्क यह कि औद्योगिक उत्पादन घटने की खबरें कई तिमाहियों से बढ़ रही थीं। इसलिए राहत पैकेज उसी क्षेत्र को दिए गए जिन्हें उत्पादन बढ़ाने वाला माना जाता है। उद्योग जगत की मदद के लिए कॉरपोरेट कर में भारी कटौती की गई। सोचा और कहा गया कि कॉरपोरेट कर कम करने से उद्योग जगत के पास पैसा बचेगा और वह पैसा औद्योगिक गतिविधियां बढ़ाने में काम आएगा। रियल एस्टेट क्षेत्र को भी पैकेज दिया गया। इसका मकसद अधूरी पड़ी आवास परियोजनाएं पूरी करना है। मौद्रिक उपाय भी करके देख लिए गए। इसी तरह अलग-अलग क्षेत्रों को मदद देकर उद्योग क्षेत्र में फिर से जान फूंकने की कोशिश की गई। इसके बाद भी अगर बात उतनी बनती दिख नहीं रही है तो सवाल उठना लाजिमी है कि क्या सही क्षेत्रों पर ध्यान लगाया गया?

गौरतलब है कि अर्थव्यवस्था को तीन क्षेत्रों की उत्पादक गतिविधियां तय करती हैं। ये तीन क्षेत्र हैं विनिर्माण, सेवा और कृषि। गौर करें तो पिछले तीन महीनों में विनिर्माण और सेवा क्षेत्र यानी कॉरपोरेट को ऊपर उठाने की कोशिशें ज्यादा हुईं। लेकिन पिछले तीन महीने के उपायों में कृषि क्षेत्र पर उतना ध्यान नहीं गया। इसलिए इस पहलू की चर्चा होनी जरूरी है।

इस बात से कोई इनकार नहीं करता कि देश में इस समय समस्या कम औद्योगिक उत्पादन की है। इसका सीधा-सा मतलब है कि उत्पाद की मांग घटी है। अगर मांग होती और फिर भी उत्पादन कम हो रहा होता तो इस समय महंगाई पिछले सारे रेकॉर्ड तोड़ चुकी होती। अर्थशास्त्र के बड़े विशेषज्ञ चाहें तो निष्कर्ष निकाल कर बता सकते हैं कि इस समय देश में उत्पादन नहीं बल्कि उत्पाद की मांग घट रही है। हालांकि कुछ गैरसरकारी विशेषज्ञ बता भी रहे हैं कि समस्या उपभोक्ता के कमजोर पड़ जाने की है। इसे वे क्रय-शक्ति का कम होना कहते हैं। इस अवस्था को आर्थिक सुस्ती कहा जाता है और आम बोलचाल की भाषा में कहा जाने लगता है कि लोगों की जेब में पैसा नहीं है। बाजार की भाषा में यह बाजार में ग्राहकी का न होना है। अगर मौजूदा हालात को ग्राहक या उपभोक्ताओं की माली हालत के नजरिए से देखें तो आज की आर्थिक सुस्ती से निपटने के लिए उपभोक्ताओं को मजबूत करने के उपाय होने चाहिए। फिर सवाल यह उठेगा कि ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों यानी अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को मजबूत कैसे किया जाए?

अपना देश एक सौ पैंतीस करोड़ आबादी का देश है। देश के औसत नागरिक पर सूई टिकाना चाहें तो वह निम्न मध्य आय वर्ग पर जाकर टिकेगी, यानी मध्यवर्ग से नीचे का वर्ग। इस वर्ग की रिहाइश का पता करने निकलें तो ऐसे सबसे ज्यादा उपभोक्ता गांव में रहते हैं। कहने की जरूरत नहीं कि देश की आधी से ज्यादा आबादी गांव में बसती है। इसीलिए औद्योगिक उत्पाद का एक बहुत बड़ा उपभोक्ता ग्रामीण भारत है। लगता है कि सरकारी अर्थशास्त्रियों का ध्यान अभी इन उपभोक्ताओं पर गया नहीं है।

ग्रामीण भारत से काफी समय से संकेत मिल रहे थे कि वहां का उपभोक्ता आर्थिक रूप से कमजोर हो रहा है। ज्यादा दूर की नहीं, तीन महीने पहले की ही बात है। रिपोर्ट आई थी कि गांवों में रोजमर्रा की जरूरत की चीजों की खपत घट रही है। इस वजह से रोजमर्रा का सामान बनाने वाली कंपनियों के कारोबार में भी मंदी आ रही है। कारण यह कि एफएमसीजी क्षेत्र में बना माल शहरों में जितना खपता है, उससे डेढ़ गुना ज्यादा खपत गांवों में होती है। इसलिए साबुन, तेल, बिस्कुट, बाल्टी जैसे उत्पाद बनाने वाली कंपनियों की बिक्री पर ग्रामीण अर्थव्यवस्था का भारी असर पड़ा। इस तरह गांव, किसान या कृषि क्षेत्र की बदहाली सीधे-सीधे कॉरपोरेट से जुड़ी मानी जानी चाहिए। कॉरपोरेट को कर में छूट देकर उसे कितनी भी राहत पहुंचा ली जाए आखिर में बात वहीं जाकर अटकेगी कि कॉरपोरेट के माल बिकने की स्थितियां खराब तो नहीं हो रहीं हैं। यानी कारपोरेट की सेहत तब ज्यादा सुधरेगी जब ग्रामीणों की जेब में पैसा होगा।

बहुत से अर्थशास्त्री अच्छी तरह से समझते हैं कि किसान की जेब में पैसा होने का एक संकेतक कृषि विकास दर का बढ़ना है। लेकिन इन दिनों जब भी जीडीपी के नए आंकड़े आए, तब सबका ध्यान सिर्फ औद्योगिक विकास दर की कमी पर खींचा गया। ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल, सीमेंट, रियल एस्टेट आदि क्षेत्रों में गिरावट आई और उन्हीं पर चर्चा होती रही। लेकिन कृषि क्षेत्र पर किसी का ध्यान नहीं गया। कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर पिछले साल की दूसरी तिमाही के 4.9 फीसद से घट कर इस साल की दूसरी तिमाही में सिर्फ 2.1 फीसद रह गई। यह एक बहुत बड़ा सूचक है कि इस समय गरीबों और गांव वालों की जेब की क्या हालत है।

हमें भूलना नहीं चाहिए कि कभी हम कृषि को भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहते थे। छह दशक पहले जीडीपी में कृषि का योगदान 56.5 फीसद था। लेकिन जीडीपी में उद्योग क्षेत्र का योगदान बढ़ता गया और कृषि का योगदान घटता गया। हालांकि कृषि का योगदान कम दिखने का कारण भी ढूंढ़ा जाना चाहिए। विश्लेषण यह हो सकता है कि जीडीपी का आकलन तीनों क्षेत्रों के उत्पादित माल के दाम से बनता है और ये एक उजागर हकीकत है कि कृषि उत्पाद का दाम उस हिसाब से नहीं बढ़ा जिस हिसाब से उद्योग के माल के दाम बढ़े। इस तथ्य पर भी गौर होना चाहिए कि तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं की दौड़ में उद्योग क्षेत्र वृद्धि दर के लिए ज्यादा मुनाफे का था। इसलिए कृषि कि अनदेखी कभी देश में मुख्य चर्चा का विषय बनी भी नहीं। कृषि का योगदान भले ही कम हो, लेकिन आबादी के लिहाज से वह देश का सबसे बड़ा व्यवसाय आज भी है। देश की आधी आबादी कृषि से रोजगार पाती है। पर अब कृषि क्षेत्र उसमें लगे व्यक्तियों को अपनी रोजमर्रा की जरूरतें पूरा करने लायक मुनाफा भी नहीं दे पा रहा है। जाहिर है, ग्रामीण अर्थव्यवस्था की बदहाली का असर देश के बाजार पर पड़ने लगा है। ऐसे में देश की आबादी के सबसे बड़े हिस्से की जेब में पैसे पहुंचाए बिना थमे हुए बाजारों का चक्का दोबारा चलाना बड़ा मुश्किल होगा।

पोंआर पर तितली

हेमंत कुमार पारीक

पोंआर को एक अनुपयोगी पौधा भी कह सकते हैं। पता नहीं कब उसमें आई फलियां सूख कर झड़ती हैं और उनके बीज बिखर जाते हैं। बारिश आते ही गांव में यह पौधा चारों तरफ लहराने लगता था। पीले-पीले फूल होते हैं उसके और एक खास तरह की गंध आती है। उस वक्त पीले-पीले फूलों पर न जाने कहां से छोटे आकार की पीली तितलियां मंडराने लगती थीं। यहां से वहां तक एक फसल-सी खड़ी दिखती थी। 'न काहू से दोस्ती और न काहू से बैर' वाली उक्ति चरित्रार्थ करता था वह पौधा। उसे कोई जानवर भी नहीं खाता था। सरसों की तरह पीले-पीले फूलों वाला वह पौधा यहां से वहां तक नजर आने लगता था। एक खास गंध होने के बावजूद न तो उसमें गुलाब-सी आकर्षक महक होती है और न कांटे।

पिछले कुछ सालों से कहीं दिखाई नहीं पड़ी, जबकि एक समय गांव में चारों तरफ उसका साम्राज्य हुआ करता था और पीली तितलियों को पकड़ने बच्चों का झुंड यहां से वहां तक उनके बीच मटरगश्ती करता नजर आता था। इस बार बारिश की अवधि कुछ ज्यादा ही लंबी हो गई थी। कई राज्यों में यह बाढ़ के प्रकोप का कारण रही। कभी मेरे शहर में पोंआर की उपस्थिति नगण्य थी। पर इस वर्ष कहीं-कहीं फसल जैसी दिखाई पड़ी, लेकिन वे पीली तितलियां कहीं नजर नहीं आईं, जिन्हें पोंआर के पीले फूल आकर्षित करते हैं। वरना बारिश के दिनों दीगर रंग की तितलियां भी दिखती थीं। अलग-अलग तरह की खूबसूरती लिए हुए। लेकिन पोंआर के पीले फूलों पर तो पीली तितली ही मिलती-जुलती लगती है। कभी-कभी हरे रंग की भी नजर आती है। बगीचों में तो जैसे इसके भिन्न प्रकार दिख जाते हैं। इस वर्ष थोड़ी मात्रा में सही, लहराती पोंआर को शहर में देख मैं खुश तो हुआ था, लेकिन पीली तितलियों की अनुपस्थिति खल गई। सूखे शंट पोंआर के पौधा पर पीले फूल तो थे।

दुनिया मेरे आगे

आज की दौड़ती-भागती दुनिया में जहां लोगों को मोबाइल, ट्विटर, इंस्टाग्राम और सोशल मीडिया में बने रहने के कारण फुर्सत नहीं है। मोबाइल के होते बेटा अपने पिता को नजदीक से नहीं जान पा रहा और पत्नी पति को। तो फिर किसी का ध्यान क्यों इन बेकार की बातों पर जाए? पर विषय गंभीर है। इस तरह तितलियों का ओझल हो जाना किसी बड़े संकट की चेतावनी जरूर है। अब ये छोटे-छोटे कीट-पतंगे कहीं नजर नहीं आते, वरना फूलों पर भ्रमण करने वाली तितली घर और बाहर की शोभा बढ़ा दिया करती थी।

शहर के पार्कों में गुड़हल की एक कलम के लिए मैं भटकता रहा। कुछ विशेष था गुड़हल का वह फूल। वैसे तो गुड़हल की कई किस्में होती हैं, पर सफेद लाल रंग के गुड़हल के फूल ने मुझे आकर्षित किया था। पता चला कि हाईब्रिड प्रजाति का होता है। सरकारी और निजी नर्सरी के चक्कर काटे, पर कहीं नहीं दिखा। उसे खोजते समय बागों में तितली की अनुपस्थिति खल गई। खासतौर से उस एकरंगी तितली की, वरना बारिश का मौसम उनका ही होता है। अंडे से लार्वा, लार्वा से प्यूपा और प्यूपा से तितली। कई बार दिखे हैं पत्तों के नीचे की तरफ चिपके लार्वा सफेद-सफेद खोल में। यह कुदरत का अनोखा करिश्मा है, जिसे समझना बहुत मुश्किल है। किस प्रकार खोल के अंदर बंद इल्ली तितली का रूप धारण करती है। और पता ही नहीं चलता कि कब नन्ही-सी तितली खोल तोड़ कर बाहर निकल जाती है। उसकी बदलती अवस्थाएं आचर्श्य चकित कर देती हैं।

बारिश इन सब जीवों के लिए प्रकृति का वरदान होती है। तरह-तरह के कीट-पतंगे देखने को मिलते हैं और वे पतंगे भी, जिनका जीवनकाल मात्र कुछ पलों का होता है। रोशनी के आसपास मंडराते हैं। अचानक बारिश में बहुसंख्य दिखते हैं। रात के समय स्ट्रीट लाइट के आसपास मंडराते नजर आते हैं और अगले दिन सड़कों पर बिखर जाते हैं, फूलों की पंखुड़ियों की तरह। कहीं उनके पंख पड़े होते हैं तो कहीं बाकी शरीर! कभी-कभी पंखों वाले चींटे भी दिखते हैं।

समझ नहीं आता। शायद हमारी बुद्धि से परे है कि ये छोटे-छोटे जीव अल्पकाल के लिए क्यों पैदा होते हैं! इनके पैदा होने का क्या प्रयोजन है? शायद एक चक्र है जो हमारे पर्यावरण के लिए कहीं जरूरी भी है। हमें तो इनका अल्पकाल के लिए पैदा होना निरर्थक जान पड़ता है। इसी संबंध में एक शोधपत्र में कहा गया था कि मधुमक्खियों की प्रजातियां समाप्त हो गईं तो यह मानव का आखिरी दिन होगा। दुनिया से अनेक जीव-जंतु गायब हो जाएंगे। इसका अर्थ यह हुआ कि हमारा जीवन भी कहीं न कहीं इनके अस्तित्व से जुड़ा है। हो सकता है कि पोंआर के इन पौधों पर मंडराने वाली पीली-पीली तितलियां स्वच्छ और स्वस्थ्य पर्यावरण का सूचक थीं। अभी पोंआर के पौधे तो दिख रहे हैं पर वे पीली तितलियां कहीं गायब हो गईं हैं। यह चिंता का विषय है!

मंशा और सवाल

भारत, जो कभी आंतरिक शांति और सौहार्द के लिए जाना था, ऐसा लगता है कि उस पर आज कुछ बुरी शक्तियां हावी हो चुकी हैं। 1947 में विभाजन के दौरान धर्म विशेष के आधार पर पड़ोसी राष्ट्र पाकिस्तान का गठन हुआ। जबकि भारतीय संविधान सभा में सभी धर्मों और वर्गों को समानता देने की पुरजोर वकालत की गई और अनुच्छेद-14 में सभी लोगों को समानता का मौलिक अधिकार प्रदान किया गया और धार्मिक अल्पसंख्यकों और पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए विशिष्ट उपबंध किए गए। यही कारण है कि हमारा संविधान विश्व का सबसे सुंदर संविधान है।

पिछले कुछ वर्षों से सरकार ने अपनी नाकामी को छिपाने के लिए अनेक प्रयत्न किए, चाहे उसमें लव-जिहाद, घर वापसी, नोटबंदी, करों में वृद्धि, अनुच्छेद 370, एनआरसी हो या सीएए। सरकार किसी देश को विकसित करने वाले तथ्यों पर ध्यान नहीं देना चाहती, जिसका परिणाम हमें बेरोजगारी, गरीबी, मंहगाई, शिक्षा का अभाव आदि कारकों के रूप में देखने को मिलता है। सरकार की मंशा देश में खुशहाली और शांति स्थापित करने के बजाय देश में अस्थिरता फैलाने की लगती है, क्योंकि आमजन के मन में द्वेष फैलाना, बेरोजगारी में वृद्धि होना, जीडीपी का दिनोंदिन गिरना, एडीबी द्वारा विकास दर कम करना और सैकड़ों औद्योगिक उपक्रमों का बंद होना सरकार की मंशा और नाकामी को साफ जाहिर करता है।

● *मोहम्मद शायान, विधि छात्र, कैराना*

बहुमत का हथियार

भारत का आदर्श वाक्य- 'वसुधैव कुटुम्बकम', यानी पूरी दुनिया हमारा परिवार है। लेकिन अब अफगानिस्तान, बांग्लादेश, पाकिस्तान के अल्पसंख्यक, मुसलिम को छोड़ कर आसानी से भारत की नागरिकता पा सकते हैं। एनडीए के तर्क हैं कि इन तीनों देशों में मुसलिम अल्पसंख्यक नहीं, बहुसंख्यक हैं। इसलिए उनका प्रवेश भारत में औरों की अपेक्षा सुगमता से नहीं हो सकता। अगर एनडीए को मुसलिम छोड़ कर अन्य अल्पसंख्यकों से इतना प्रेम है, तब पूरे विश्व के लोग क्यों नहीं यहां की नागरिकता हासिल कर सकते हैं। दरअसल, इस मसले पर कई बड़े नेताओं के अतीत को छिपाने की कोशिश की गई है। लेकिन इससे ज्यादा उम्मीद भी क्या की जा सकती है। यह ध्यान रखना चाहिए कि कट्टर हिंदूवाद का चरित्र हमारे देश का नहीं रहा है, लेकिन बहुमत का दुरुपयोग कर सरकार संयुक्त राष्ट्र का खयाल करना भी जरूरी नहीं समझ रही है। संविधान की प्रस्तावना की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। एक और अफसोसजनक स्थिति यह सामने आई कि इस बिल को लोकसभा और राज्यसभा में पारित होने में जिस तरह जदयू और लोजपा जैसे कुछ दलों का समर्थन मिला, उससे इन दलों के धर्मनिरपेक्षता का नकाब भी उतर गया। भाजपा अपना धार्मिक कार्ड खेलने में जरूर सफल हुई, लेकिन इसकी कीमत जेडीयू, लोजपा जैसी पार्टियों को चुकानी पड़ेगी। रोजगार, शिक्षा, विकास भले ही पीछे रह जाएं, लेकिन धार्मिक राजनीतिक फले-फूले, इससे देश का किस तरह हित होगा।

● *प्रसिद्ध यादव, बाबूचक, पटना*

विलय समाधान नहीं

बैंकों का बढ़ता एनपीए गंभीर चिंता का विषय है। इस समस्या से निपटने के लिए के लिए सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में पूंजी डाल कर थक चुकी है। अब कमजोर बैंकों का दूसरे बड़े मजबूत बैंकों में विलय किया जा रहा है। वित्त मंत्रालय के अनुसार बैंकों के विलय से बैंकों की दक्षता और संचालन में सुधार होगा। जबकि हमारे देश में बैंकों के विलय का पुराना रिकॉर्ड ठीक नहीं रहा हैं। न्यू बैंक ऑफ इंडिया और पंजाब नेशनल बैंक का विलय, ग्लोबल ट्रस्ट बैंक और ओरियंटल बैंक ऑफ कॉमर्स का विलय, भारतीय स्टेट बैंक के सहयोगी बैंकों के विलय का उदाहरण सामने है। विजया बैंक और देना बैंक का बैंक ऑफ बड़ौदा में विलय कर दिया है। दरअसल, राष्ट्रीयकृत बैंकों के विलय से कॉरपोरेट घरानों और पूंजीपतियों की लूट का रास्ता और आसान होता जा रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने बैंकों के गठजोड़ और विलय करने से पहले विलय किए जाने वाले बैंकों की बैलेंसशीट को स्वच्छ (एनपीए मुक्त) करने की सलाह दी थी। यह हकीकत किसी से छिपी नहीं है कि बैंकों का विलय करने से फंसे कर्ज की वसूली नहीं हो पाएगी और बैंक प्रबंधन का पूरा ध्यान विलय के मुद्दे पर चला जाएगा। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में पांच सहयोगी बैंकों के विलय से कोई चमत्कार नहीं हुआ, बल्कि दो सौ साल में पहली बार स्टेट बैंक को घाटा हुआ था। सरकार को इसमें जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए।

● *दीपक गिरकर, इंदौर*

असुविधा की सड़क

संपादकीय 'सफर का तकाजा' (13 दिसंबर) पढ़ा। सड़क पर यातायात के बारे में जरूरी विश्लेषण किया गया है। तेजी से बढ़ता ट्रैफिक जाम आज हर तरफ एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। घर से बाहर निकलने से पहले सड़कों पर लगी लंबी-लंबी गाड़ियों के जाम से जूझने को मजबूर होना पड़ता है। काम तो थोड़ा ही रहता है, मगर ट्रैफिक की वजह से काफी समय खराब हो जाता है। शहरों में तो हालात बदतर होते जा रहे हैं। लगातार बढ़ते वाहन मगर पार्किंग की समस्या ने सड़कों को जाम में बदल दिया है। निश्चित ही अब जाम से छुटकारा पाने के प्रयास करने होंगे।

● *साजिद अली, चंदन नगर, इंदौर*

पाठ्यचर्या में नैतिक शिक्षा

उत्तर प्रदेश सरकार ने प्राथमिक स्तर पर नैतिक शिक्षा को पाठ्यचर्या में शामिल करने का फैसला किया है। आज बच्चे परिवार और समाज के प्रति अपने कर्तव्यों से विमुख होतेजा रहे हैं। आधुनिकता की इस अंधी दौड़ में व्यक्ति स्वयं के अलावा दूसरों के बारे सोच ही नहीं पा रहा है। सिर्फ अपने लिए जीना उसका मकसद हो गया है। उसके लिए दुनिया, देश और समाज का कोई मतलब नहीं रह गया है। गांधीजी ने जब बुनियादी शिक्षा की नींव रखी तो उसका मुख्य उद्देश्य बालकों में शारीरिक, मानसिक, चारित्रिक और आध्यात्मिक विकास करना था। इसलिए बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में नैतिक शिक्षा की अहम भूमिका होगी।

● *शैलेश मिश्र, वाराणसी*

चौपाल

किसी भी मुद्दे या लेख पर अपनी राय हमें भेजें। हमारा पता है : ए-8, सेक्टर-7, नोएडा 201301, जिला : गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश

आप चाहें तो अपनी बात ईमेल के जरिए भी हम तक पहुंचा सकते हैं। आइडी है : chaupal.jansatta@expressindia.com

www.readwhere.com

आस्था

अभिनेत्री जाह्नवी कपूर वाराणसी में गंगा घाट पर आरती करती हुईं।

जानकारी

तुलसीदास जी काकभुशुण्डी को महादेव शिव व प्रभु श्रीराम का अनन्य भक्त मानते हुए लिखते हैं- मति अकुंठ हरि भगति अखंडा। राम भक्ति का सार केवल भुशुण्डी जी ही जानते हैं। मानस के उत्तर-कांड में काकभुशुण्डी जी जिस तरह पक्षीराज गरुण की शंका का समाधान करते हुए श्रीराम की भक्ति की महत्ता का जो गंभीर विवेचन उनके समक्ष करते हैं; भुशुण्डी और गरुण के उक्त संवाद को अध्यात्मवेत्ताओं ने मानस की अनमोल निधि माना है।

कैलेंडर

पूरे साल होती है चारों धाम की पूजा-अर्चना

सुनील दत्त पांडेय

तीर्थयात्री शीतकाल में कपाट बंद होने के बावजदू यमुनोत्री, गंगोत्री ,केदारनाथ और बदरीनाथ के विग्रहों की पूजा अर्चना वैदिक विधि विधान से कर सकते हैं। इन विग्रहों को विशेष डोलियों के जरिए उनके शीतकालीन प्रवास स्थलों पर सदियों से चली आ रही प्राचीन वैदिक परंपरा के अनुसार ले जाया जाता है और इन चारों धामों के कपाट खुलने तक डोलियों में ले जाए गए इनके विग्रह अपने-अपने स्थलों पर विराजमान रहते हैं। इस तरह उत्तराखंड में चारों धामों की पूजा और तीर्थ यात्रा का 12 महीने पूजन और आरती दर्शन का प्रचलन सदियों से चला रहा है।

उद्धव जी और कुबेर जी की प्रतिमाएं गद्दी जोशीमठ में नरसिंह मंदिर में बदरीनाथ से लाकर स्थापित की जाती है और शीतकालीन प्रवास के दौरान जोशीमठ में नरसिंह मंदिर में बदरीनाथ का नियमित आरती पूजा पाठ होता है

जब इन चारों धामों के विग्रहों को उनके शीतकालीन प्रवास स्थलों पर लाया जाता है तो चारों धामों में स्थित मंदिरों में अखंड ज्योति प्रज्वलित की हुई छोड़ दी जाती है और जब यह विग्रह अपने मूल मंदिरों में कपाट खुलने पर स्थापित किए जाते हैं, तब यह अखंड ज्योति प्रज्वलित होती हुई दिखाई देती है। इसे देखने के लिए श्रद्धालु बड़ी तादाद में इन चारों धामों में कपाट खुलने के वक्त मौजूद रहते हैं। उत्तराखंड के चार धामों की तीर्थ यात्रा यमुनोत्री से शुरू होती है। यमुनोत्री के बाद गंगोत्री, केदारनाथ और आखिर में बद्रीनाथ धाम के दर्शन किए जाते हैं। यमुनोत्री और गंगोत्री के कपाट वैशाख शुक्ल पक्ष की अक्षय तृतीया के पावन दिन खुलते हैं और यमुनोत्री के कपाट भैया दूज के दिन तथा गंगोत्री के कपाट अन्नकूट के दिन बंद होते हैं। केदारनाथ और बदरीनाथ के कपाट खुलने की तिथि गढ़वाल के राजा के टिहरी जिले के नरेंद्र नगर में स्थित राजमहल में बसंत पंचमी के दिन ज्योतिषियों की राय के बाद घोषित की जाती हैं।

बदरीनाथ

बदरीनाथ धाम के कपाट बंद करने की तिथि जोशीमठ में नरसिंह मंदिर में आदि

परंपरा

जगद्गुरु शंकराचार्य की गद्दी में दशहरे के दिन तय की जाती है। उद्धव जी और कुबेर जी की प्रतिमाएं गद्दी जोशीमठ में नरसिंह मंदिर में बदरीनाथ से लाकर स्थापित की जाती है और शीतकालीन प्रवास के दौरान जोशीमठ में नरसिंह मंदिर में बदरीनाथ का नियमित आरती पूजा पाठ होता है। बदरीनाथ के कपाट खुलने पर आदि शंकराचार्य की गद्दी जोशीमठ से तथा पांडुकेश्वर से उद्धव जी और कुबेर जी की प्रतिमाएं भव्य डोली के रूप में बदरीनाथ ले जाई जाती हैं।

केदारनाथ

इसी तरह केदारनाथ धाम में स्थित बाबा केदार की पूजा शीतकालीन प्रवास के दौरान उखीमठ में की जाती है। केदारनाथ मंदिर से बाबा का विग्रह आभूषण के रूप में उखीमठ में शीतकालीन प्रवास की पूजा के लिए कपाट बंद होने के बाद डोली यात्रा के रूप में लाया जाता है। केदारनाथ के कपाट खुलने के समय उखीमठ से बाबा केदार की डोली पैदल शाही सवारी के अंदाज में केदारनाथ धाम के लिए रवाना होती है।

यमुनोत्री

यमुनोत्री धाम में भैया दूज के दिन शीतकाल के समय कपाट बंद होने के बाद मां यमुनोत्री का विग्रह यमुनोत्री धाम से पांच किलोमीटर दूर खुशी मठ में मां यमुना जी की डोली के रूप में ले जाया जाता है और वहां पर वैदिक विधि विधान के साथ यमुना मां के विग्रह को स्थापित किया जाता है। शीतकाल के समय श्रद्धालु खुशी मठ में ही मां यमुना जी के दर्शन और पूजा अचर्ना करते हैं। चैत्र शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को मां यमुना जी का प्रकटोत्सव खुशी मठ में ही धूमधाम से मनाया जाता है। इसके अलावा हनुमान जयंती और शनि जयंती भी खुशी मठ में मनाई जाती है। खुशी मठ (खरताली)के इष्ट देव सोमेश्वर देवता यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने पर मां यमुना की डोली को यमुनोत्री धाम तक छोड़ कर आते हैं और कपाट बंद होने पर मां यमुना की डोली को यमुनोत्री धाम से खुशी मठ तक लाते हैं और मां को वहां पर विराजमान कर-के अपने गांव लौटते हैं।

गंगोत्री

गंगोत्री धाम के कपाट वैशाख शुक्ल पक्ष की अक्षय तृतीया के दिन खुलते हैं और दिवाली के बाद अन्नकूट के दिन बंद होते हैं।

अन्नकूट के दिन मां गंगोत्री को भोग लगाकर उनकी डोली गंगोत्री धाम हर्षिल के पास स्थित मुखी मठ के लिए रवाना होती और उसी ही दिन गंगोत्री मां का विग्रह मुखी मठ में स्थापित किया जाता है और शीतकालीन प्रवास के दौरान मां गंगोत्री की पूजा मुखी मठ में ही होती है। मुखी मठ गंगोत्री से 20 किलोमीटर दूर ग्राम मुखवा में है। मां गंगा का दिव्य मंदिर बना हुआ है।

गंगोत्री धाम के मुख्य पुजारी रावल पंडित संजीव सेमवाल का कहना है कि सदियों से उनका परिवार गंगोत्री धाम की पूजा अर्चना और सेवा करता आ रहा है। उनके परिवार को रावल बोलते हैं। वह शीतकालीन प्रवास के दौरान गंगोत्री मां की पूजा मुखी मठ में और कपाट खुलने पर गंगोत्री धाम में पूजन करते हैं। मान्यता है कि चारों धामों में शीत काल में देवी देवता पूजन करते हैं और ग्रीष्म काल से लेकर शीतकाल के शुरू तक कपाट खुलने से लेकर बंद होने तक मनुष्य चारों धामों की पूजा करके पुण्य प्राप्त करते हैं।

यमुनोत्री मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित पुरुषोत्तम उनियाल का कहना है कि शीतकाल में मां यमुना के मंदिर के कपाट बंद होने पर वे लोग खुशी मठ में और कपाट खोलने पर यमुनोत्री धाम में वैदिक विधि विधान से पूजा करते हैं। शीतकाल में खुशी मठ में मां यमुना जी की पूजा करने का फल उतना ही प्राप्त होता है, जितना यमुनोत्री के कपाट खुले रहने के वक्त यमुनोत्री धाम में होता है। उनके पुरखों के जमाने से चली आ रही इस परंपरा को वे लोग आज भी भली-भांति निभा रहे हैं।

बदरीनाथ धाम के पुजारी हरीश डिमरी का कहना है कि आदि जगद्गुरु शंकराचार्य ने बदरीनाथ मंदिर में भगवान विष्णु के बद्रीश रूप की स्थापना की थी और यहां ज्योतिष पीठ की स्थापना की आदि जगद्गुरु शंकराचार्य और उनके पूर्व से चली आ रही सभी परंपराओं का तीर्थ पुरोहित पालन करते हैं और शीतकालीन प्रवास स्थलों पर सदियों से चली आ रही परंपराओं के अनुसार पूजा अर्चना का काम करते हैं ताकि श्रद्धालु पुण्य लाभ प्राप्त कर सकें।

तीज त्योहार

दिसंबर माह (16 से 31)

दिसंबर माह में तीज-त्योहार, व्रत-उपवास की तिथियां

16 सोमवार- धनु संक्रांति

19 गुरुवार- कालाष्टमी

22 रविवार- सफला एकादशी, साल का सबसे छोटा दिन

23 सोमवार- प्रदोष व्रत

24 मंगलवार- मासिक शिवरात्रि

25 बुधवार- दर्शवेला अमावस्या, मेरी क्रिसमस

26 गुरुवार- पौष अमावस्या, सूर्य ग्रहण, हनुमथ जयंती

27 शुक्रवार- चंद्रदर्शन, मण्डला पूजा

30 सोमवार- विनायक चतुर्थी

31 मंगलवार- स्कंद षष्ठी

काकभुशुण्डी
राम-कथा के सर्वोच्च अधिकारी

पूनम नेगी

लोकमंगल के सर्जक गोस्वामी तुलसीदास जी की कालजयी कृति 'रामचरितमानस' के अमर पात्र काकभुशुण्डी जी को राम-कथा का सर्वोच्च अधिकारी यूं ही नहीं माना जाता। मानस के उत्तरकांड में काकभुशुण्डी जी भक्तराज गरुण को जिस राम भक्ति का ज्ञान देते हैं, वह अपने आप में अनोखी है। यह भक्ति अमूर्त, अगोचर नहीं अपितु व्यावहारिक रूप से मन के निग्रह एवं उसकी पवित्रता से जुड़ी है। जानना दिलचस्प हो कि सांप्रदायिक भक्ति का निषेध करने वाले भुशुण्डी जी राम-भक्ति को सामाजिक प्रगतिशीलता एवं सामंजस्य का हथियार मानते हैं। उनकी इस प्रगतिशील विचारधारा का अवलोकन मानस के उत्तर कांड में सहज ही किया जा सकता है।

तत्वदर्शियों की मान्यता है कि लौकिक भक्ति की नारद और शांडिल्य से अधिक तथ्यपूर्ण व अद्वितीय अवधारणा भुशुण्डी जी उत्तरकांड में प्रस्तुत करते हैं। मानस में वर्णित कथानक के अनुसार श्रीराम व रावण के युद्ध के दौरान जब रावण पुत्र मेघनाथ ने राम से युद्ध करते समय जब राम को नागपाश से बांध दिया था तब देवर्षि नारद के कहने पर गरुड़ जी राम को नागपाश के बंधन से मुक्त करते हैं। मगर राम के इस तरह नागपाश में बंध जाने पर उनके मन में राम के परम ब्रह्म होने पर संदेह जग जाता है। तब उनका संदेह दूर करने के लिए देवर्षि नारद उन्हें ब्रह्मा जी के पास भेजते हैं और ब्रह्मा जी उन्हें देवाधिदेव भगवान शंकर के पास। भगवान शंकर के कहने पर गरुड़ जी अपने संदेह के निवारण के लिए अंत में काकभुशुण्डी जी के पास पहुंचते हैं। तब महादेव की आज्ञा शिराधार्य कर परमज्ञानी काकभुशुण्डी जी अपने पूर्व जन्मों की कथा सुनाकर उनका संदेह दूरकर उन्हें रामभक्ति का मर्म बताते हैं।

काकभुशुण्डी जी गरुण को बताते हैं कि एक कल्प पूर्व उनका प्रथम जन्म अयोध्या पुरी में हुआ था। उस जन्म में वे भगवान शिव के परम भक्त थे किन्तु अभिमानपूर्वक अन्य देवताओं की निंदा करते थे। उसी दौरान अयोध्या में अकाल पड़ जाने पर वे जीविकोपार्जन के लिए उज्जैन चले गए। वहां एक दयालु ब्राह्मण

भक्ति

की सेवा करते हुए उन्हीं के साथ रहने लगे। वे ब्राह्मण भगवान शंकर के बहुत बड़े भक्त थे। उन्होंने कृपाकर उनको भी शिव आराधना का मंत्र दे दिया। मंत्र पाकर उनका अभिमान और बढ़ गया और वे खुलेआम भगवान विष्णु का विरोध व अन्य द्विजों से ईर्ष्या करने लगे। उनके इस व्यवहार से आहत उनके आश्रयदाता ने उनको समझाने-सुधारने का हर संभव प्रयास किया किंतु उन्होंने अंहकार में भरकर ज्यों ही उन ब्राह्मण देवता को अपमानित करने का प्रयास किया, महादेव शिव ने आकाशवाणी द्वारा उन्हें भयंकर शाप देते हुए कहा तुझे सर्प की अधम योनि में जन्म लेना होगा। यही नहीं, सर्प योनि के बाद तुझे 1000 बार विभिन्न योनियों में जन्म लेना पड़ेगा। काकभुशुण्डी जी ने गरुण को बताया कि अपने आराध्य के इन कठोर वचनों को सुनकर उन्हें अपनी महाभूल का अहसास हुआ और उन्होंने शिव मंदिर में अपने आराध्य की प्रतिमा के समक्ष दंडवत होकर अपने अपराध की कातर भाव से क्षमायाचना की। तब भगवान शंकर ने कहा, मेरा शाप तो व्यर्थ नहीं जा सकता, तुझको 1000 जन्म तो अवश्य ही लेने पड़ेंगे किन्तु जन्म और मरण के दुख भाव से तू दूर रहेगा। साथ ही मेरी कृपा से तुझको भगवान श्री राम के चरणों में भी अनन्य भक्ति प्राप्त होगी।

काकभुशुण्डी जी गरुण को आगे बताया कि अवधि पूरी होने पर उन्होंने देह त्यागकर विन्ध्याचल में सर्प योनि में जन्म लिया। इसी तरह वह बिना किसी कष्ट से निर्धारित अवधि पूर्ण कर नए शरीर धारण करते गए। वे ज्ञानप्राप्ति के लिए लोमश ऋषि के पास पहुंचे। जब लोमश ऋषि ज्ञान उपदेश देते थे तो वे अपनी जिज्ञासाओं के शमन के लिए उनसे विभिन्न प्रकार के प्रश्न-प्रति प्रश्न करते रहते। उनकी इस आदत से आजिज आकर एक दिन लोमश ऋषि ने कुपित होकर उनको कौआ बनने का शाप दे दिया। किंतु शाप देते ही लोमश ऋषि को अपनी भूल पर पश्चाताप हुआ और उन्होंने उस कौए को वापस बुला कर राममंत्र तथा इच्छा मृत्यु का वरदान दिया। कौए का शरीर पाने के बाद तथा राममंत्र के वरदान के कारण वे काकभुशुण्डी जी के नाम से जाने गए और राम-कथा के सर्वोच्च अधिकारी के रूप में लोकविख्यात हुए।

झांसी की रानी का अंतिम पड़ाव था निर्मोही अखाड़ा

डॉ राज सिंह

सर्वोच्च न्यायालय में राम जन्मभूमि विवाद के कारण निर्मोही अखाड़ा सुर्खियों में रहा है। यदा-कदा, कुंभ मेले के अवसर को छोड़कर, अखाड़ों का जिक्र मीडिया में नहीं होता। जनसाधारण अखाड़ों को कुश्ती से संबंधित स्थान मानते हैं। बहुत कम लोग जानते हैं कि अखाड़े, सनातन धर्म की सशस्त्र सेना रहे हैं और इनका अस्तित्व लगभग 900 वर्ष पुराना है।

दुनिया के कई प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों ने अखाड़ों के इतिहास पर अनेक शोध किए हैं। जिनमें इंग्लैंड, अमेरिका और इजराइल के विश्वविद्यालय भी सम्मिलित हैं।

भारतीय इतिहास के कई प्रतिष्ठित योद्धाओं का निर्मोही अखाड़े से घनिष्ठ संबंध रहा है। जिनमें धर्मयोद्धा वीर बंदा बैरागी, शिवाजी एवं झांसी की रानी भी सम्मिलित हैं। इतिहासकार विलियम आर पिंच ने उल्लेख किया है कि शिवाजी के गुरु समर्थ रामदास के शिष्य वैष्णव दास ने औरंगजेब के काल में अयोध्या में हनुमानगढ़ी की रक्षा की थी। धर्मयोद्धा वीर बंदा बैरागी का प्रथम सैनिक मुख्यालय भी दिल्ली के पश्चिम में 20 मील दूर सेहरी खांडा गांव में निमीही अखाड़ा मठ ही था।

झांसी की रानी ने तो अपनी अंतिम सांस भी ग्वालियर स्थित निर्मोही अखाड़े के स्थान, गंगा दास के मठ में ली थी और यहीं पर उनका अंतिम संस्कार हुआ। झांसी की रानी ने अपनी अंतिम लड़ाई 18 जून 1858 को ग्वालियर में फूलबाग नामक स्थान पर लड़ी। इसी स्थान पर आज उनका स्मारक भी है और उनके नाम से लक्ष्मीबाई कॉलोनी भी। इसी लक्ष्मीबाई कॉलोनी में स्थित है, महंत गंगा दास जी की बड़ी शाला ,जो निर्मोही अखाड़े का मठ है और वैष्णव परंपरा की 52 पीठों में से एक है, जो रामानंदी संप्रदाय का द्वारा है। वैसे तो इस पीठ की स्थापना अकबर के काल में हुई, लेकिन वर्ष 1858 में इस पीठ के द्वाराधीश महंत गंगा दास जी थे। अंग्रेजों से लड़ाई के कुछ दिन पूर्व झांसी की रानी द्वारा महंत गंगा दास जी के साथ दार्शनिक वार्तालाप का भी उल्लेख इतिहास में मिलता है।

ग्वालियर में 18 जून 1858 को, जब रानी लक्ष्मीबाई अंग्रेजी सेना से लड़ते लड़ते बुरी तरह घायल हो गईं तो उनके सैनिक उन्हें घायल अवस्था में उठाकर

इतिहास

महंत गंगा दास जी की कुटिया में लेकर गए। धार्मिक गुरु ने उनका सिर अपनी गोदी में रखकर गंगाजल पिलाया। रानी को जब आभास हो गया कि उनका अंतिम क्षण अब बहुत निकट है तो उन्होंने महंत गंगा दास जी से निवेदन किया कि ये अंग्रेज मेरे मृत शरीर को भी हाथ ना लगा पाएं। सैकड़ों हथियारबंद बैरागी साधुओं ने रानी के लिए सुरक्षा कवच बना लिया और दोनों तरफ से घंटों गोलियां चलती रही। जब रानी ने प्राण त्याग दिए तो बाबा गंगादास जी की कुटिया तोड़कर शीघ्रता शीघ्र चिता बनाई गई और बाबा जी ने वैदिक रीति से उनका अंतिम संस्कार कर दिया। इतिहास में उल्लेख है कि मठ के अंदर से दो बंदूकों से तो गोलियां तब तक आती रही जब तक चिता जलकर पूरी तरह शांत नहीं हो गई। इस युद्ध में 745 बैरागी साधुओं ने अपने प्राणों की आहुति दी। अंग्रेजी सेना के कमांडर जब चिता तक पहुंचे तो उनके हाथ कुछ भी नहीं लगा। यह भी अभी तक एक रहस्य बना हुआ है की झांसी की रानी का खजाना आखिर कहां गया। कालपी से ग्वालियर आने के 15 दिन बाद ही रानी शहीद हो गई थी। चली आ रही जनश्रुतिओं के अनुसार, रानी ने खजाने का पता अपने सबसे निकट बाबा गंगादास को बता दिया था। बाबा गंगादास ने अपने खास शिष्य कुतवार मंदिर के महंत बाबा कालूराम को भी बता दिया था। रानी के शहीद होने के बाद बाबा गंगादास ने, रानी के दत्तक पुत्र दामोदर को सुरक्षित स्थान पर भेज दिया था। रानी लक्ष्मीबाई का साथ देने की वजह से बाबा गंगादास, ग्वालियर छोड़कर हरिद्वार चले गए थे ।

अनुमान के आधार पर कुछ खजाना कालपी में ही रह गया था। जबकि ग्वालियर लाया गया खजाना बाबा गंगादास के मठ और लधेड़ी नामक स्थान में छुपाया गया था। बाबा गंगादास, बाद में जीवाजी राव सिंधिया के आग्रह पर वापस ग्वालियर तो आ गए थे लेकिन इस दौरान खजाने की खुदाई का कोई उल्लेख नहीं मिलता।

इस स्थान पर आज भी यह मठ अच्छी स्थिति में है और वहां मंदिर एवं समाधियां बनाई गई हैं। इस मठ में, युद्ध में प्रयुक्त ,साधुओं के चिमटे, भाले, नेजे ,बंदूक और एक छोटी सी तोप आज भी सुरक्षित है। मठ के साधु और उनके अनुयाई झांसी की रानी के बलिदान दिवस पर हर वर्ष समारोह करके उनको याद करते हैं।

गुरुकुल रीति

शिक्षा से जुड़ी है दीक्षा

शास्त्री कोसलेंद्रदास

विद्या का उपयोग ज्ञान के विस्तार के लिए हो, न कि विवाद करने के लिए। विद्या कल्याण का मार्ग बने, पतन का नहीं। इन गहरे तत्वों का विचार करके ही ऋषियों ने शिक्षा की समाप्ति पर दीक्षा देने का समारोह प्रारंभ किया, जो गुरुकुलों में सदा से चला आ रहा है। यह समारोह आज भी विश्वविद्यालयों में होते देखा जा सकता है।

पुरातन काल से शिक्षा की समाप्ति पर दीक्षा देने की सुदीर्घ वैदिक परंपरा है। शिक्षा का अर्थ अभ्यास है। ज्ञान पाने के लिए किया गया निरंतर प्रयत्न शिक्षा है। गुरुकुलों में जब वेदों का अध्ययन करवाया जाता था, तब उनके छह अंग भी पढ़ाए जाते थे। इन छह शास्त्रों में एक शिक्षा है, जिसका स्थान सबसे पहला है।

अ, इ, उ इत्यादि वर्णों के सही उच्चारण करने की विद्या शिक्षा कही जाती है। शिक्षा का अर्थ विद्या प्राप्त करना है। इसे पाकर ही मानव पशुत्व से मुक्त होता है। प्राचीन ग्रंथों में स्पष्ट लिखा है-विद्याविहीनः पशुः यानी विद्या से हीन मानव पशु के समान है। इस कारण शिक्षा पाना मनुष्य के लिए न केवल जरूरी है बल्कि इससे ही वह हित और अहित जान पाता है।

शिक्षा और दीक्षा का नाता

शिक्षा पाने के बाद मानव विद्या का उपयोग केवल अपने लिए न करे, बल्कि उससे समाज और देश को लाभान्वित करे, इसलिए शिक्षा के साथ दीक्षा का सनातन संबंध है। शिक्षा से मानवता के विकास और परस्पर मैत्री के भाव का संवर्धन जरूरी है। विद्या का उपयोग ज्ञान के विस्तार के लिए हो, न कि विवाद करने के लिए। विद्या कल्याण का मार्ग बने, पतन का नहीं। इन गहरे तत्वों का विचार कर-के ही ऋषियों ने शिक्षा की समाप्ति पर दीक्षा देने का समारोह प्रारंभ किया, जो गुरुकुलों में सदा से चला आ रहा है। यह समारोह आज भी विश्वविद्यालयों आयोजित होते देखा जा सकता है।

गुरु व शिष्य के परस्पर संबंध एवं समर्पण भाव द्वारा अपने 'स्वत्व' के स्थान पर परमात्मा को देखने का अलौकिक कार्य उपासना है। गुरु कैसा हो, वेद कहते हैं- ब्रह्मनिष्ठं श्रोत्रियं गुरुमाश्रयेत।

दीक्षांत के सूत्र

मनुष्य का जीवन चार आश्रमों में बंटा है। इनमें पहले ब्रह्मचर्य आश्रम में विभिन्न विषयों को जानने का अभ्यास मानव के शेष जीवन का आधार है। विद्यार्थी अवस्था में किया अध्ययन मानव को सोचने-विचारने योग्य बनाता है। यही प्रारंभिक और उच्च शिक्षा मानव को समाज और राष्ट्र के लिए प्रेरक तथा वरदायी बना सके, इस नाते उसे अध्ययन करवाने वाले आचार्य शिक्षा के अंत में दीक्षा से अनिवार्य रूप से जोड़ते हैं। 'तैत्तिरीय उपनिषद' में दीक्षांत समारोह के सूत्र हैं। ये सूत्र सत्य के आचरण से जुड़े हैं। गुरु अपने शिष्य को गृहस्थ आश्रम में जाने की अनुमति देने के

साथ ही समाज के प्रति कर्तव्यों का निर्धारण करता है।

ज्ञान के आधार हैं वेद

भारतीय ज्ञान परंपरा के आधार वेद हैं। वेद उन ग्रंथों को कहते हैं, जो सार्वकालिक एवं सार्वभौम ज्ञाननिधि हैं। वेद चार हैं – ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथवर्वेद। महर्षि पतंजलि के 'महाभाष्य' के अनुसार ऋग्वेद की 21, यजुर्वेद की 101, सामवेद की 1000 और अथवर्वेद की 9 शाखाएं थी। इन वेदों के चार प्रकार हैं – संहिता, आरण्यक, ब्राह्मण और उपनिषद। उपनिषद शब्द का अर्थ है निकट बैठना। गुरु द्वारा अपने निकट बिठाकर शिष्य को किया तात्विक विवेचन उपनिषद है। उपनिषद परंपरा में शिष्य की तत्वज्ञान संबंधी जिज्ञासा का समाधान ऐसे गुरु करते हैं, जिन्होंने स्वयं अमूर्त तत्त्व का साक्षात्कार किया हो।

गुरु हो श्रोत्रिय व ब्रह्मनिष्ठ

गुरु व शिष्य के परस्पर संबंध एवं समर्पण भाव द्वारा अपने 'स्वत्व' के स्थान पर परमात्मा को देखने का अलौकिक कार्य उपासना है। गुरु कैसा हो, वेद कहते हैं- ब्रह्मनिष्ठं श्रोत्रियं गुरुमाश्रयेत। गुरु का श्रोत्रिय और ब्रह्मनिष्ठ होना नितांत आवश्यक है। श्रोत्रिय शब्द का अर्थ है – श्रुतवेदांत यानी शास्त्रों का अध्ययन करने वाला आचार्य। ब्रह्मनिष्ठ से तात्पर्य परमात्मा में निरंतर चित्त लगाने वाला। ये दोनों योग्यताएं एक होने पर भी गुरु शब्द से नहीं कही जा सकती। क्योंकि केवल श्रोत्रिय होने से उसके जीवन में भटकाव की संभावना बनी रहती है। ठीक ऐसे ही केवल ब्रह्मनिष्ठ होने से वह अपने शिष्य को तत्व का प्रवचन करने में असमर्थ होगा। इस नाते श्रेष्ठ आचार्य के लिए श्रोत्रिय और ब्रह्मनिष्ठ, दोनों होना जरूरी है। संत ज्ञानेश्वर ने 'ज्ञानेश्वरी' में भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन पर की गई कृपा में गुरु का स्वरूप बताया है। वे लिखते हैं, 'भक्तशिरोमणि अर्जुन को उन्होंने अपना सुवर्ण-कंकणविभूषित दक्षिण बाहु फैलाकर हृदय से लगा लिया। हृदय एक हो गए। इस हृदय में जो था, वह कृष्ण ने अर्जुन के हृदय में डाल दिया। अर्जुन को शरणागति प्रदान की।'

चेतना के मर्मज्ञ हैं गुरु

गुरु-शिष्य संबंध आध्यात्मिक है, जिनमें ज्ञान और चरित्र का उच्चस्तरीय आदान-प्रदान होता है। संबंध शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और आत्मिक होते हैं। पहले तीन संबंध तो किसी से भी हो सकते हैं किन्तु आत्मिक संबंधों की संभावना सिर्फ गुरु से है।

शिष्य के लिए यह आवश्यक है कि वह समिधा अर्थात यज्ञ-काष्ठ जैसी पात्रता लेकर गुरु की शरण में जाए। गुरु चेतना के मर्मज्ञ होते हैं। वह शिष्य की चेतना में सकारात्मक परिवर्तन करने में समर्थ हैं। गुरु का हर आघात शिष्य के अहंकार पर होता है तथा वे प्रयास करते हैं कि शिक्षण द्वारा वह शिष्य के मन को निर्मल बना दें।

छात्रों के हंगामे के बाद एएमयू पांच जनवरी तक बंद

अलीगढ़, 15 दिसंबर (भाषा)।

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में भी रविवार देर शाम छात्रोंके जबरदस्त हंगामे व पथराव के बाद विश्वविद्यालय को पांच जनवरी तक बंद कर दिया गया।

विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार अब्दुल हमीद ने बताया कि मौजूदा हालात के मद्देनजर विश्वविद्यालय को पांच जनवरी तक बंद कर दिया गया है और छात्रावास खाली कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले तीन दिनों से कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा की गई गड़बड़ी के कारण ऐसा किया जा रहा है। यह घोषणा एएमयू के सैकड़ों छात्रों द्वारा नागरिकता (संशोधन) कानून का विरोध करने के बाद हुई, जिनकी पुलिस के साथ झड़पें हुई। पुलिस को उन्हें तितर-बितर करने के लिए लाठी चार्ज करना पड़ा और आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा। रजिस्ट्रार ने एक बयान में कहा कि अन्य सभी कार्यालय हमेशा की तरह खुले रहेंगे और इस दौरान विश्वविद्यालय में केवल कक्षाएं और परीक्षाएं आयोजित नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि परीक्षा का कार्यक्रम बाद में घोषित किया जाएगा। पुलिस ने परिसर के सभी गेट सील कर दिए हैं।

बंगाल के छह जिलों में इंटरनेट सेवाएं निलंबित

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 15 दिसंबर।

पश्चिम बंगाल में नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ हिंसक प्रदर्शनों के मद्देनजर पांच जिलों में इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं। अफवाहों और फर्जी खबरों पर रोक लगाने के लिए मालदा, मुर्शिदाबाद, उत्तरी दिनाजपुर, हावड़ा, उत्तर 24 परगना में और दक्षिण 24 परगना के कई हिस्सों में इंटरनेट सेवाएं अस्थायी रूप से बंद कर दी हैं।

एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, 'कुछ सांप्रदायिक शक्तियां हिंसक प्रदर्शन कर रही हैं। स्थिति के मद्देनजर प्रशासन ने राज्य के छह जिलों में इंटरनेट सेवाएं अस्थायी रूप से बंद करने का निर्णय लिया है।' उधर, असम के विभिन्न इलाकों में सोमवार रात 12 बजे तक इंटरनेट सेवाएं बंद रखी गई हैं। वहां सोमवार को हालात की समीक्षा के बाद प्रतिबंध हटाने या अगले 48 घंटे के लिए बढ़ाए जाने पर फैसला किया जाएगा। असम के अलावा मेघालय और त्रिपुरा में भी प्रतिबंध लगाया गया है। असम के अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह व राजनीतिक विभाग) संजय कृष्ण ने बताया कि राज्य में मौजूदा स्थिति के मद्देनजर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इंटरनेट सेवाओं को बंद रखने का आदेश दिया गया है।

कृष्णा ने कहा कि इन सेवाओं को इसलिए बंद किया गया है क्योंकि फेसबुक, वॉट्सऐप, ट्विटर और यू-ट्यूब जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का इस्तेमाल अफवाहों को फैलाने और तस्वीरों, वीडिओ आदि को प्रसारित करने के लिए किया जा सकता है। इससे लोगों को उकसाने के साथ ही कानून-व्यवस्था को अशांत किया जा सकता है। इंटरनेट सेवाओं को शुरुआत में असम के 10 जिलों में बुधवार को 24 घंटे के लिए बंद किया गया था और फिर इसे समूचे राज्य में और 48 घंटे के लिए बढ़ा दिया गया, यह प्रतिबंध शनिवार दोपहर को खत्म होना था।

पटना में पुलिस चौकी, चार वाहनों में आग लगाई

पटना, 15 दिसंबर (भाषा)।

नागरिकता (संशोधन) कानून के विरोध में रविवार देर शाम यहां करगिल चौक पर प्रदर्शन के दौरान उपद्रवियों ने एक पुलिस चौकी सहित चार वाहनों को आग के हवाले कर दिया और कई वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया। साथ ही, उनके द्वारा किए गए पथराव में एक दर्जन से अधिक पुलिसकर्मी घायल हो गए।

पटना की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गरिमा मलिक ने बताया कि प्रदर्शन में शामिल असमाजिक तत्वों द्वारा पथराव और आगजनी की गई। उपद्रवियों ने चार वाहनों और एक पुलिस चौकी को आग के हवाले कर दिया। हालांकि स्थिति पर नियंत्रण पा लिया गया है।

उपद्रवियों ने मीडियाकर्मियों को भी निशाना बनाया और उनकी मोटरसाइकिलें भी आग के हवाले कर दी। उपद्रवियों को नियंत्रित करने के लिए पुलिस द्वारा हवाई फायरिंग करने के साथ-साथ लाठी चार्ज किया गया और पानी की बौछार भी की गई।

कश्मीर में भूस्खलन में सीआरपीएफ के डीआइजी व चालक की मौत

बनिहाल/जम्मू, 15 दिसंबर (भाषा)।

जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में रविवार को जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुए भूस्खलन की चपेट में एक वाहन के आ जाने पर सीआरपीएफ के एक उप महानिरीक्षक और उनके चालक की मौत हो गई, जबकि उनके निजी सुरक्षा अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि रविवार शाम खूनी नाला के पास यह वाहन भूस्खलन की चपेट में आ गया। उस वक्त डीआइजी, शालिंदर कुमार सिंह घाटी की ओर जा रहे थे। जवाहर सुरंग और आसपास के क्षेत्रों में भारी बर्फबारी होने और रामबन और रामसू के बीच भूस्खलन की घटनाओं के बाद गुरुवार शाम से राजमार्ग यातायात के लिए बंद कर दिया गया था।

अधिकारियों ने बताया कि सड़क से दोपहर बाद मलबा हटा दिया गया और डीआइजी सहित कुछ वाहनों को प्राथमिकता के आधार पर गुजरने की अनुमति दी गई। जब अधिकारी का वाहन भूस्खलन संभावित क्षेत्र से गुजर रहा था, तभी डिगडोल क्षेत्र में वाहन भूस्खलन की चपेट में आ गया।

नागरिकता कानून पर राष्ट्रव्यापी अभियान चलाएगी भाजपा

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (भाषा)।

नागरिकता (संशोधन) कानून, 2019 को लेकर जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच भाजपा ने रविवार को घोषणा की कि इस कानून के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए वह राष्ट्रव्यापी अभियान चलाएगी। उसने जोर देकर कहा कि यह मुसलमानों या किसी अन्य समुदाय को लेकर भेदभावपूर्ण नहीं है।

पार्टी प्रवक्ता संबित पात्रा ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भाजपा कार्यकर्ता देशभर में लोगों को इस कानून के बारे में बताएंगे जिसका उद्देश्य तीन पड़ोसी देशों से धार्मिक उत्पीड़न झेलने के बाद भारत आए वहां के धार्मिक अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता प्रदान करना है। पात्रा ने कहा कि इस कानून में ऐसा कोई भी प्रावधान नहीं है कि हमारे मुसलिम भाइयों या बहनों के एक भी अधिकार छीने जाएंगे। इसके बजाय उन लोगों को अधिकार दिए जाएंगे जो बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से धार्मिक उत्पीड़न झेलने के बाद भारत में बिना किसी अधिकार के रह रहे थे।

प्रदर्शन हमारे विद्यार्थियों का नहीं : जामिया प्रशासन

पेज 1 का बाकी

का एलान कर दिया गया। छात्रावासों में रह रहे अधिकतर विद्यार्थी अपने घर जा चुके हैं। जामिया की कुलपति प्रोफेसर नजमा अख्तर ने विद्यार्थियों से शांति बनाए रखने की अपील की है। वर्तमान और पूर्व विद्यार्थियों के एक समूह ने बयान जारी कर कहा है कि यह प्रदर्शन जामिया के विद्यार्थियों की ओर से आयोजित नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि हम शांतिपूर्ण प्रदर्शन और विरोध में विश्वास करते हैं।

सावरकर के पोते ने उद्धव को उनका बयान याद दिलाया

पेज 1 का बाकी

कि उनका नाम राहुल गांधी है न कि राहुल सावरकर और वह कभी भी सच बोलने के लिए माफी नहीं मांगेंगे। रंजीत ने रविवार शाम को शिवसेना प्रमुख ठाकरे को उनके पहले दिए बयान की याद दिलाई जिसमें उन्होंने कहा था कि वीर सावरकर का अपमान करने वाले को सार्वजनिक रूप से चौराहे पर पिटाई की जानी चाहिए। रंजीत ने कहा, 'राहुल गांधी लगातार आरोप लगा रहे हैं कि मेरे दादा ने अंग्रेजों से माफी मांगी थी जो सच नहीं है। मेरे दादा ने जेल से रिहा करने के लिए ब्रिटिश सरकार की ओर से रखी शर्तों को स्वीकार किया था। उन्होंने कभी भी ब्रिटिश की अधीनता स्वीकार नहीं की थी।' उल्लेखनीय है कि शिवसेना महाराष्ट्र विकास आघाडी सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं जिसमें कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी घटक हैं।

कानून सावरकर के विचारों के खिलाफ : उद्धव

पेज 1 का बाकी

की अगुआई वाली केंद्र सरकार सावरकर के खिलाफ जाकर प्रताड़ित अल्पसंख्यकों को भारत में स्वीकार कर रही है, जो उनका अपमान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सावरकर को लेकर शिवसेना के रुख में कोई परिवर्तन नहीं आया है।

एक दिन पहले शिवसेना ने राहुल गांधी द्वारा सावरकर के खिलाफ टिप्पणी किए जाने पर तीखी प्रतिक्रिया जतायी थी।

महाराष्ट्र में नागरिकता कानून लागू करने के बारे में पूछे जाने पर ठाकरे ने कहा कि यह सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा कि हम नए कानून की वैधता की जांच पड़ताल कर रहे हैं। कुछ लोगों ने सीएए को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी है। हम यह पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं कि नया कानून संविधान के ढांचे में फिट होता है या नहीं।

उद्धव ने कहा कि भाजपा नीत केंद्र सरकार ने प्रताड़ित अल्पसंख्यकों के नाम पर देश में एक भय का माहौल बनाया है जिन्हें नए कानून के तहत भारतीय नागरिकता प्रदान की जाएगी। सरकार ने वास्तवित मुद्दे को दरकिनार कर दिया है। उन्होंने कहा कि यदि अल्पसंख्यकों को उन पड़ोसी देशों में प्रताड़ित किया जा रहा था तो केंद्र सरकार ने उन देशों से क्यों नहीं पूछा कि उनके खिलाफ तथाकथित अत्याचार क्यों हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार लोगों के प्रति जवाबदेह है, न कि भाजपा नीत विपक्ष के प्रति, जिसने रविवार को विधानसभा सत्र की पूर्व संध्या पर रस्मी चाय पार्टी का बहिष्कार किया

सेंगर मामले में आज आ सकता है फैसला

पेज 1 का बाकी

पर भी आरोप तय किए हैं।

उत्तर प्रदेश के बांगरमऊ से चार बार भाजपा के टिकट पर विधायक रहे सेंगर को अगस्त 2019 में पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी में अगप और कांग्रेस

पेज 1 का बाकी

अस्तित्व और पहचान को संकट पैदा हो गया है। दूसरी ओर, असम में विपक्षी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रिपुन बोरा ने कहा कि अगले दो-तीन दिन में उनकी पार्टी याचिका दाखिल करेगी। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई अलग से याचिका दाखिल करेंगे।

अगप नेता और राज्यसभा के पूर्व सदस्य दीपक दास ने कहा, 'संशोधित कानून को वापस लेने के लिए हम कानूनी रास्ता अपनाएंगे क्योंकि असम के मूल निवासियों को चिंता है कि उनकी पहचान, भाषा को खतरा पैदा हो सकता है।' सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने के लिए दास के नेतृत्व में अगप का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को दिल्ली पहुंचेगा। कानून को वापस लेने के लिए दायर जनहित याचिकाओं पर 18 दिसंबर को सुनवाई होने वाली है।

अगप के पूर्व नेता प्रफुल्ल कुमार महंत संशोधित कानून का खुलकर विरोध कर रहे हैं और दावा किया कि पार्टी ने कानून का समर्थन करने वाले किसी प्रस्ताव का समर्थन नहीं किया। उन्होंने अगप नेतृत्व से आग्रह किया कि विवादास्पद मामले में अपना रुख स्पष्ट करे। पार्टी प्रमुख अतुल बोरा ने कहा कि अगर केंद्र विधेयक लाना चाहता है तो वह इस बारे में कुछ नहीं कर सकते।

दूसरी ओर, कांग्रेस नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ अगले दो-तीन दिन में सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकती है। इस अधिनियम के खिलाफ असम में हो रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के अध्यक्ष रिपुन बोरा ने रविवार को कहा कि अगले दो-तीन दिनों में प्रदेश कांग्रेस इस असंवैधानिक कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करेगी। इस कानून को सूबे के पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई की ओर से भी सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दिए जाने के संकेत हैं।

कांग्रेस नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ असम में प्रदर्शन आरंभ होने के बाद पार्टी की राज्य इकाई की तरफ से याचिक दायर किए जाने की घोषणा की गई है। इससे पहले कुछ नेताओं ने अपने स्तर से याचिक दायर की है। असम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बोरा ने कहा कि इस असंवैधानिक कानून के खिलाफ हम अगले दो-तीन दिनों में याचिका दायर करेंगे। इस बात की संभावना है कि याचिका आगामी मंगलवार को दायर हो। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस कानून के खिलाफ लड़ाई को शीर्ष अदालत में ले जाने के साथ सड़क पर भी शांतिपूर्ण तरीके से जारी रखेगी।

अवैध बांग्लादेशियों की सूची मुहैया कराए भारत : बांग्लादेश

पेज 1 का बाकी

कहा, 'लेकिन अगर हमारे नागरिकों के अलावा कोई बांग्लादेश में घुसता है तो हम उसे वापस भेज देंगे।' उनसे उन रिपोर्टों के बारे में पूछा गया था कि कुछ लोग भारत के साथ लगती सीमा के जरिए अवैध रूप से देश में घुस रहे हैं। मोमेन ने कहा कि बांग्लादेश ने नई दिल्ली से अनुरोध किया है कि अगर उसके पास भारत में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों की कोई सूची है तो उन्हें मुहैया कराए। उन्होंने कहा, 'हम बांग्लादेशी नागरिकों को वापस आने की अनुमति देंगे क्योंकि उनके पास अपने देश में प्रवेश करने का अधिकार है।' यह पूछे जाने पर कि उन्होंने भारत की यात्रा रद्द क्यों कर दी, इस पर मोमेन ने कहा कि व्यस्त कार्यक्रम और विदेश मामलों के राज्य मंत्री शहरयार आलम और देश में मंत्रालय के सचिव की अनुपस्थिति के कारण उन्होंने यात्रा रद्द कर दी।नई दिल्ली में राजनयिक सूत्रों ने बताया कि मोमेन और गृह मंत्री असदुज्जमां खान ने संसद में विवादित नागरिकता (संशोधन) विधेयक के पारित होने के बाद पैदा हुई स्थिति को देखते हुए भारत की अपनी यात्रा रद्द कर दी। मोमेन ने अपनी यात्रा रद्द करने से पहले गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान को गलत बताया था कि बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न किया गया। वहीं, नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने कहा था कि मोमेन ने अपनी यात्रा रद्द करने के बारे में भारत को बता दिया है और कहा कि शाह ने सैन्य शासन के दौरान बांग्लादेश में धार्मिक उत्पीड़न का हवाला दिया था, न कि मौजूदा सरकार के शासन में।

कपड़ों से की जाए उपद्रवियों की पहचान

पेज 1 का बाकी

के खिलाफ पूर्वोत्तर और पश्चिम बंगाल में प्रदर्शन हो रहे हैं, जहां कई रेलवे स्टेशनों, ट्रेनों और बसों को भीड़ ने पिछले दो दिनों में आग के हवाले कर दिया। मोदी ने किसी पार्टी या समुदाय का जिक्र किए बगैर कहा, 'जो लोग आगजनी (संपत्ति में) कर रहे हैं उन्हें टीवी पर देखा जा सकता है...उनकी पहचान उनके द्वारा पहने गए कपड़ों से की जा सकती है।' कांग्रेस द्वारा विदेशों में किए गए प्रदर्शनों की निंदा करते हुए उन्होंने कहा, 'पहली बार कांग्रेस ने वह किया है जो पाकिस्तानी लंबे समय से करते आ रहे हैं।' कांग्रेस के कृत्य साबित करते हैं कि संसद में लिए गए सभी निर्णय सही हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास झारखंड को विकसित करने का कोई रोडमैप या इच्छा नहीं है। उन्होंने दावा किया कि विपक्षी पार्टियों के नेताओं ने केवल अपने लिए महलों का निर्माण किया और उन्हें लोगों की समस्याओं के बारे में कोई चिंता नहीं थी। केंद्र और राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकारों की उपलब्धियां गिनाते हुए उन्होंने कहा, 'मैं राज्य में हमारी पार्टी द्वारा किए गए विकास कार्यों का लेखा-जोखा रखने यहां आया हूं।

असम हिंसा : गुवाहाटी में दो और लोगों की मौत

पेज 1 का बाकी

में शामिल थे, जिन्हें गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। इन दोनों की पहचान ईश्वर नायक और अब्दुल अलीम के रूप में हुई है। आसू अध्यक्ष दीपांक कुमार नाथ ने कहा, 'उन्होंने (सरकार) लोगों का दमन करने के लिए अपने तंत्र को खुली छूट दे रखी है, जिसमें पांच नाबालिग छात्र मारे गए हैं और गोलियों से कई अन्य जख्मी हुए हैं।' बंगाल में लगातार तीसरे दिन हिंसा जारी रही। कई इलाकों में सड़कें जाम की गईं। बसों में तोड़फोड़ की गई। बंगाल के नदिया, उत्तर 24 परगना और हावड़ा जिलों से हिंसा की छिटपुट खबरें हैं। उत्तर 24 परगना और नदिया जिलों के आमडांगा और कल्याणी में कई प्रमुख मार्गों को अवरुद्ध किया गया। नदिया में प्रदर्शनकारियों ने कल्याणी एक्सप्रेस हाईवे को ठप कर दिया। हावड़ा के डोमजूर के अलावा बर्दवान और वीरभूम में भी प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे।

संशोधित नागरिकता कानून के खिलाफ हिंसक प्रदर्शनों के मद्देनजर गुवाहाटी और डिब्रूगढ़ जिले के कुछ हिस्सों में लगाए गए कर्फ्यू में रविवार को कुछ घंटों के लिए ढील दी गई। असम पर्यटन विभाग ने रेलवे के सहयोग से विशेष ट्रेनों का प्रबंध किया है ताकि राज्य के विभिन्न हिस्सों में फंसे यात्रियों को उनके गंतव्य तक ले जाया जा सके। गुवाहाटी में सुबह नौ बजे से शाम छह बजे तक कर्फ्यू में ढील दी गई है। डिब्रूगढ़ पश्चिम के नहरकटिया और तेनुघाट क्षेत्रों में सुबह सात बजे से शाम चार बजे तक कर्फ्यू में ढील दी गई है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के एक अधिकारी के मुताबिक, कानून-व्यवस्था की समस्या के कारण छह उड़ान सेवाएं रद्द करनी पड़ीं, जिसमें भूटान के पारो जाने वाली उड़ान भी शामिल हैं।

दिल्ली तक पहुंची आग

पेज 1 का बाकी

बचाई। इस बीच, दिल्ली पुलिस जामिया मिल्लिया इस्लामिया परिसर में दाखिल हो गई है और विश्वविद्यालय के प्रवेश द्वारों को बंद कर दिया है। प्रदर्शनकारियों में से 20-25 लोगों को कालकाजी थाने में ले जाया गया। बताया जा रहा है कि इनमें से कुछ प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दिल्ली पुलिस मुकदमा दर्ज कर सकती है। पुलिस ने बताया कि फिलहाल सभी प्रदर्शनकारियों से पूछताछ कर मामले की छानबीन की जा रही है।

वहीं, जामिया मिल्लिया इस्लामिया के समीप प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों एवं पुलिस के बीच झड़प में घायल 35 लोगों को होली फैमिली अस्पताल ले जाया गया। इनमें से 11 को भर्ती को कराया गया, जिनका इलाज चल रहा है। उधर, जामिया में छात्रों के समूह ने बयान जारी कर नागरिकता अधिनियम के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा से खुद को अलग किया। छात्रों के समूह ने आरोप लगाया कि प्रदर्शन में कुछ तत्व शामिल हो गए और उन्होंने हिंसा की।

दक्षिणी पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त चिन्मय बिश्वाल ने बताया कि हिंसक झड़पों में छह पुलिसकर्मी जख्मी हुए हैं। उन्होंने बताया कि विरोध कर रहे करीब 4000 प्रदर्शनकारियों से वापस लौटने की अपील की गई। भीड़ ने जब बसों में तोड़फोड़ शुरू कर दी तो पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया। इसके बाद छात्र उग्र हो गए और पुलिसकर्मियों पर पथराव शुरू कर दिया। जवाब में पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्च किया। बिश्वाल ने कहा कि बाद में पुलिस टीम ने उन सभी स्थानों पर प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई की, जहां से वे पथराव कर रहे थे।

आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने एक मोटरसाइकिल से पेट्रोल निकाला और इसका इस्तेमाल बसों को जलाने के लिए किया। वहीं, प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि पुलिस ने उनके शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले का इस्तेमाल किया। स्थिति बिगड़ने के बाद दिल्ली पुलिस के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। देर रात तक बड़ी संख्या में दिल्ली पुलिस के जवान और अर्द्धसैनिक बल इलाके में तैनात रहे।

वहीं, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने हिंसक प्रदर्शनों के बाबत दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल से बात की और आग्रह किया कि शांति बहाली के लिए हर कदम उठाए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिंसा में शामिल असली बदमाशों की पहचान होनी चाहिए और उन्हें सजा सख्त मिलनी चाहिए। स्थानीय विधायक अमानतुल्ला खान ने कहा कि जामिया नगर में रविवार को कालिंदी कुंज और आश्रम चौक पर नागरिकता संशोधन अधिनियम के विरोध में प्रदर्शन किया गया था। विधायक ने दावा किया कि उन्होंने कालिंदी कुंज पर अपने समर्थकों के साथ शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। वहीं, आश्रम चौक पर मार्च के दौरान प्रदर्शनकारी उग्र हो गए और उनकी पुलिस से झड़प शुरू हो गई।

दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने हिंसक प्रदर्शनों को देखते हुए रविवार शाम को सुखदेव विहार मेट्रो स्टेशन का प्रवेश और निकास द्वार बंद कर दिया। डीएमआरसी ने ट्वीट कर बताया कि दिल्ली पुलिस की सलाह पर सुखदेव विहार के प्रवेश एवं निकास द्वार तथा आश्रम स्टेशन के गेट नंबर तीन को बंद कर दिया गया है। ट्रेन सुखदेव विहार स्टेशन पर नहीं रुकेगी। जामिया मिल्लिया इस्लामिया, ओखला विहार, जसोला विहार, शाहीन बाग के प्रवेश एवं निकास द्वार भी बंद कर दिए गए हैं और इन स्टेशनों पर कोई ट्रेन नहीं रुकेगी।

दिल्ली यातायात पुलिस ने ट्वीट कर कहा कि विरोध-प्रदर्शन के कारण ओखला अंडरपास से सरिता विहार तक यातायात बंद रहा। जाम के कारण बदरपुर और आश्रम चौक से आने वाले वाहनों को वैकल्पिक मार्गों की तरफ भेजा गया। संघर्ष के कारण इलाके में यातायात बाधित हो गया और सड़कों पर वाहन कई घंटे तक फंसे रहे। आश्रम चौक, न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी, शाहीन बाग, जामिया नगर में वाहनों के प्रवेश रोक दी गई।

अभिनेत्री पायल रोहतगी पुलिस हिरासत में

पेज 1 का बाकी

ट्वीट किया, 'मोतीलाल नेहरू पर एक वीडियो बनाने के चलते मुझे राजस्थान पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, जिसे (वीडियो को) मैंने गूगल से सूचना एकत्र कर बनाया था। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक मजाक है @पीएमओइंडिया @एचएमओइंडिया।' बूंदी पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता ने कहा, 'पुलिस ने रविवार सुबह पायल रोहतगी को आइटी कानून के तहत एक मामले में पूछताछ के लिए अमदाबाद स्थित उनके आवास से हिरासत में लिया। उन्हें पूछताछ के लिए बूंदी लाया जा रहा है।'

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि चूंकि अभिनेत्री जांच में सहयोगी नहीं कर रही थीं, इसलिए पुलिस की एक टीम उन्हें बूंदी ला रही है। पुलिस अधीक्षक ने यह भी स्पष्ट किया कि अभिनेत्री को औपचारिक रूप से गिरफ्तार नहीं किया गया है। उनकी औपचारिक गिरफ्तारी पूछताछ के बाद किए जाने की संभावना है।

उन्होंने कहा, 'हमारी टीम मामले की जांच के लिए वहां (अमदाबाद में) थी लेकिन वह सहयोग नहीं कर रही थीं।' अभिनेत्री ने गुरुवार को अपनी अग्रिम जमानत के लिए अर्जी दी थी और इस पर सुनवाई सोमवार को होनी है। प्रदेश युवा कांग्रेस महासचिव एवं बूंदी निवासी चर्मेश शर्मा ने आपत्तिजनक सामग्री की प्रतियों के साथ एक शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद अभिनेत्री के खिलाफ एक मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने शिकायत में आरोप लगाया था कि आपत्तिजनक सामग्री से देश की छवि धूमिल हुई, अश्लीलता और धार्मिक घृणा फैली तथा इसके अलावा एक महिला की छवि को नुकसान भी पहुंचा। अभिनेत्री ने ट्विटर पर आरोप लगाया था कि गांधी परिवार के दबाव में राजस्थान के मुख्यमंत्री उनके खिलाफ काम कर रहे हैं। अभिनेत्री ने दावा किया कि दबाव बनाए जाने का उल्लेख करने वाले लोगों की उनकी पास एक रिकॉर्डिंग है। यह बयान आने से पहले पुलिस ने आपत्तिजनक सामग्री अपलोड करने को लेकर उनसे जवाब मांगा था।

पायल रोहतगी ने ट्विटर पर आरोप लगाया था, 'मुझे यह लगा कि सोनिया गांधी जी और प्रियंका गांधी के कार्यालय राजस्थान के मुख्यमंत्री पर इसे लेकर दबाव बना रहे हैं कि वह मोतीलाल नेहरु पर एक वीडियो बनाने के चलते मेरे खिलाफ प्राथमिकी पर आगे बढ़ें।' उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और उनकी पुत्री एवं पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी से इस संबंध में माफी मांगनी चाही थी। अभिनेत्री ने ट्विटर पर लिखा कि चूंकि उन्होंने लेखक को नहीं पढ़ा था, इसलिए उनका मानना है कि उन्हें (अभिनेत्री को) माफी मांगनी चाहिए क्योंकि किसी पर भी निजी हमला करना गलत है।

जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष ने की संशोधित नागरिकता कानून की मुखालफत | **विचार** | **कानून के बन जाने से हिंदुस्तान की सरजमीं और तंग हो जाएगी**

नागरिकता देने का नहीं, मजहब को बुनियाद बनाने का विरोध : मदनी

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (भाषा)।

देश में मुसलमानों के प्रमुख संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना सैयद अरशद मदनी ने कहा है कि संशोधित नागरिकता कानून की मुखालफत कुछ पड़ोसी मुल्कों के अल्पसंख्यकों को नागरिकता देने के लिए नहीं, बल्कि इस कानून में धार्मिक आधार पर नागरिकता देने और इसमें एक समुदाय (मुसलमानों) को शामिल नहीं करने के लिए की जा रही है। मदनी ने यह भी कहा कि वे चाहते हैं कि दलित-मुसलमान मजहब की दीवारों से ऊपर उठकर एक मंच बनाएं और इसके लिए उनके संगठन ने पहले भी कई बार कोशिश की है।

कहा किसी खास तबके को किनारे लगाकर कोई कानून बनाया जाए तो उसे न संविधान और न ही मुल्क कबूल करता

मौलाना मदनी ने कहा, 'किसी खास तबके को किनारे लगाकर कोई कानून बनाया जाए तो उसे न संविधान और न ही मुल्क कबूल करता है।' उन्होंने कहा, 'देश का मुसलमान पड़ोसी मुल्कों से आए अल्पसंख्यकों को यहां की नागरिकता देने का विरोध नहीं करता है, पर इसमें मजहबी बुनियाद पर मुसलमानों को शामिल नहीं किया गया है। इसलिए इसकी मुखालफत की जा रही है।' मदनी ने कहा, 'कानून के अल्फाज़ को दुरुस्त किया जा सकता था और सिर्फ यह कानून बना दिया जाता कि अगर कोई भी शख्स मजहब की बुनियाद पर सताए जाने की वजह से इस देश में आएगा, हम उसे अपने देश में जगह देंगे, क्योंकि पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से कोई मुसलमान मज़हब की बुनियाद पर प्रताड़ना का शिकार हो कर भारत नहीं आएगा।' जमीयत प्रमुख ने आरोप लगाया, 'मेरा मानना है कि इनको (भाजपा को) अपने लोगों को यह संदेश देना था कि अगर मुसलमानों को कोई नुकसान पहुंचा सकता है और संवैधानिक तौर पर उन्हें छोड़ सकता है तो यह वे ही कर सकते हैं।' रोहिंग्या मुसलमानों को भी भारतीय नागरिकता देने की मांग करते हुए मौलाना मदनी ने कहा, 'बर्मा (म्यांमा) भी पहले भारत का ही हिस्सा था और अगर आप इन तीन मुल्कों के गैर मुस्लिमों को भारत में रहने की इजाजत दे सकते हैं तो आप रोहिंग्या को भी इजाजत दे सकते हैं। मगर आप ऐसा नहीं कर रहे हैं, क्योंकि आप की नागरिकता देने की बुनियाद मजहब पर आधारित है।' उन्होंने दावा किया, 'हमारी फिक्र एनआरसी को लेकर है। असम में एनआरसी के लिए मुसलमानों के सबूत स्वीकार नहीं किए जा रहे हैं और इस कानून के बन जाने से उनके लिए हिंदुस्तान की सरजमीं और तंग हो जाएगी।' उन्होंने कहा, 'देश में ऐसे लोगों की बड़ी तादाद है जिसमें हिन्दू और मुस्लिम दोनों शामिल हैं, जो सिर्फ रोजी-रोटी कमाने में मशगूल रहते हैं और उनके लिए पुराने दस्तावेज इकट्ठा करना बहुत मुश्किल होगा। आपने (सरकार ने) महजब की बुनियाद पर एक तबके को इससे पूरी तरह से बाहर कर दिया है।' इस कानून के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में जाने का ऐलान करते हुए उन्होंने कहा, 'हमने बार- बार शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया है और अब भी उच्चतम न्यायालय जाएंगे।'

नई दिल्ली

www.readwhere.com

खबर कोना

यूनान : एथेंस सांता रन में रविवार को सांता क्लाज की पोशाक पहन कर दौड़ते लोग।

नेपाल में बस दुर्घटना में 14 लोगों की मौत, 18 घायल

काठमांडो, 15 दिसंबर (भाषा)।

नेपाल के सिंधुपालचोक जिले में रविवार को अरनिको राजमार्ग पर बस दुर्घटना में कम से कम 14 व्यक्तियों की मौत हो गई और 18 अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार बस दोलखा जिले स्थित कालिनचोक से भक्तपुर जा रही थी। इस दौरान यह राजमार्ग से फिसल कर लगभग 100 मीटर नीचे गिर गई। काठमांडू पोस्ट अखबार के अनुसार पुलिस ने बताया कि दुर्घटना में मरने वालों में तीन बच्चे और 11 वयस्क शामिल हैं। पुलिस सूत्रों ने कहा कि 12 लोगों की मौत मौके पर हो गई। घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है जिनमें से तीन की हालत गंभीर बताई जाती है।

इजराइल में अवैध रूप से रह रही केरल की महिला का निधन

यरूशलम, 15 दिसंबर (भाषा)।

इजराइल में अवैध रूप से रह रही केरल की भारतीय महिला का तेल अवीव के अस्पताल में निधन हो गया। केरल के कोल्लम जिले में वेलियम की रहने वाली जया विजयराजन (53) 2004 में नर्सिंग स्टाफ के तौर पर इजराइल आई थीं। उनका भारतीय पासपोर्ट (ई3879759) की वैधता 23 फरवरी, 2013 को ही खत्म हो गई थी लेकिन उन्होंने उसका नवीकरण नहीं कराया और अवैध रूप से इजराइल में ही रहने लगीं। विजयराजन की फ्लैट में रहने वाली तिरुवनंतपुरम की लिली योहान्नन ने बताया कि उन्हें तेलअवीव के इचिलोव अस्पताल से शुक्रवार को फोन आया था। उन्हें बताया गया कि विजयराजन की तबीयत ठीक नहीं है। योहान्नन अस्पताल में विजयराजन को देखने गईं और उन्हें बताया गया कि किडनी की बीमारी की वजह से उनकी मित्र की सुबह मौत हो गई। योहान्नन ने कहा, कि विजयराजन की तबीयत कुछ समय से ठीक नहीं चल रही थी।

सूचकांक में कई देशों से आगे है बांग्लादेश : मंत्री

ढाका, 15 दिसंबर (भाषा)।

बांग्लादेश के सूचना मंत्री हसन महमूद ने रविवार को कहा कि पाकिस्तान ने इसको लेकर संदेह जताया था कि बांग्लादेश स्वतंत्र देश के तौर पर खुद को कायम रख पाएगा या नहीं लेकिन जब उस देश से तुलना होती है जिससे वह 1971 में अलग हुआ तो बांग्लादेश मानवीय, सामाजिक और आर्थिक सूचकांकों पर काफी आगे है। महमूद ने कहा कि बांग्लादेश की जीडीपी वृद्धि दर पिछले वर्ष 8.15 फीसद थी और इसके इस वर्ष 8.20 फीसद रहने का अनुमान है।

बांग्लादेश विदेश मंत्रालय के 'विजिट बांग्लादेश' (बांग्लादेश की यात्रा) कार्यक्रम के तहत 20 देशों से आए सदस्यों के समूह को संबोधित करते हुए महमूद ने कहा, 'प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व में बांग्लादेश हमारे पूर्वजों के सपने को तेजी से साकार कर रहा है।' भारत, नेपाल, मालदीव, ब्रिटेन, पुर्तगाल और जर्मनी जैसे देशों से आए 30 सदस्यों के समूह को संबोधित करते हुए महमूद ने कहा कि सामाजिक और मानवीय सूचकांक पर बांग्लादेश सभी पड़ोसी देशों से आगे है। उन्होंने कहा, 'स्वतंत्रता के समय जीवन प्रत्याशा 39 वर्ष थी जो आज 73 वर्ष है। भारत में यह 71 वर्ष है जबकि पाकिस्तान में यह 69 वर्ष है। हम कई अन्य देशों से मानवीय सूचकांक में काफी आगे हैं।'

उन्होंने कहा कि बांग्लादेश रेडीमेड कपड़ों के निर्यात के मामले में विश्व में दूसरा सबसे बड़ा देश है। पिछले दशक के दौरान विकास की गति काफी तेज रही है।

भारत व पाक से बेहतर है जीवन प्रत्याशा

बांग्लादेश की जीडीपी वृद्धि दर पिछले वर्ष 8.15 फीसद थी और इसके इस वर्ष 8.20 फीसद रहने का अनुमान है। स्वतंत्रता के समय जीवन प्रत्याशा 39 वर्ष थी जो आज 73 वर्ष है। भारत में यह 71 वर्ष है जबकि पाकिस्तान में 69 वर्ष है।

हसन महमूद
बांग्लादेश के सूचना मंत्री

बांग्लादेश के सूचना मंत्री ने कहा कि शेख हसीना सरकार प्रेस की पूर्ण स्वतंत्रता और एक बहुलतावादी समाज में विश्वास करती है। उन्होंने कहा कि आलोचना का हमेशा ही स्वागत है और बांग्लादेश सरकार ने उसकी आलोचना करने वाले पत्रकारों को पुरस्कृत भी किया है क्योंकि ऐसा माहौल सुधारवादी उपाय करने और विकास में योगदान में मदद करता है। उन्होंने कहा कि 'फेक न्यूज' का मुद्दा 'वैश्विक चुनौती' है और उनकी सरकार इससे निपटने के लिए पूरा प्रयास कर रही है। महमूद ने प्रधानमंत्री हसीना की कल्पना के अनुसार 2021 तक बांग्लादेश को एक मध्यम आय वाला देश और 2041 तक एक विकसित देश बनाने के सरकार के प्रयासों पर प्रकाश डाला। महमूद ने यह बात 16 दिसंबर को बांग्लादेश के 'विजय दिवस' मनाने से एक दिन पहले कही।

प्रदर्शन हांगकांग में एक मॉल में रविवार को सरकार विरोधी प्रदर्शनकारी को नियंत्रित करती पुलिस।

मुक्ति संग्राम में पाक सेना के सहयोगी थे रजाकार

बांग्लादेश ने रजाकारों की सूची जारी की

ढाका, 15 दिसंबर (भाषा)।

बांग्लादेश ने रविवार को 10,789 रजाकारों(स्वयंसेवकों) की सूची जारी की जिन्होंने 1971 के मुक्तिसंग्राम में पाकिस्तानी सेना का साथ दिया था।

डेली स्टार के मुताबिक मुक्ति संग्राम मामलों के मंत्री एकेएम मुज़म्मिल हक ने यहां आयोजित पत्रकार में संवाददाता सूची जारी करते हुए कहा कि इसका मकसद नई पीढ़ी को उन लोगों के बारे में बताना है जिन्होंने देश की आजादी का विरोध किया था। ऐतिहासिक दस्तावेजों के मुताबिक रजाकर बल पाकिस्तानी सेना का सहायक समूह था जिसने 1971 के मुक्तिसंग्राम में हिंदुओं और राष्ट्रवादी बंगालियों को निशाना बनाया था।

माना जाता है कि कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी के शीर्ष नेताओं में से एक एकेएम युसूफ रजाकार बल का संस्थापक था। उसे मई, 2013 में मानवता के खिलाफ अपराध के आरोप में गिरफ्तार किया था, लेकिन 2014 में हिरासत के दौरान दिल का दौरा पड़ने से उसकी मौत हो गई। हक ने कहा कि वास्तविक स्वतंत्रता सेनानियों की संख्या 2.1 लाख से अधिक नहीं है और पूरी सूची 26 मार्च को स्वतंत्रता दिवस पर जारी की जाएगी।

लेबर पार्टी के नेता पद की दौड़ में भारतवंशी सांसद

लंदन, 15 दिसंबर (भाषा)।

ब्रिटेन के आम चुनावों में अपनी लेबर पार्टी की करारी हार के बीच पुनः चुनाव जीतने वाली भारतीय मूल की सांसद लीसा नंदी ने पार्टी के नेता जेरेमी कॉर्बिन का स्थान लेने की दौड़ में शामिल होने की रविवार को पुष्टि की। 40 वर्षीय सांसद ने इंग्लैंड की विगन सीट से जीत दर्ज की।

लीसा ने नेतृत्व की योजनाओं के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'सच्चा जवाब यह है कि मैं गंभीरता से इसके बारे में सोच रही हूं। इसके बारे में सोचने की वजह है कि हमने करारी शिकस्त का सामना किया है और हमने देखा कि लेबर पार्टी का आधार खिसक रहा है। हमें अब गंभीरता से यह सोचने की जरूरत है कि लेबर पार्टी के मतदाताओं को वापस पार्टी के समर्थन में लाने के लिए क्या किया जा सकता है।' लेबर पार्टी के नेता पद के चुनाव की दौड़ में शामिल अन्य उम्मीदवारों में ब्रेग्जिट मामलों पर नजर रखने वाले नेता कीर स्टार्मर और बर्मिंघम के सांसद जेस फिलिप्स को भी देखा जा रहा है। नंदी ने यह घोषणा तब की है जब कोर्बिन ने रविवार को दो अखबारों में चिट्ठी लिखकर चुनाव नतीजों को लेकर माफी मांगी है।

हांगकांग में प्रदर्शनकारियों और पुलिस में झड़प

हांगकांग, 15 दिसंबर (एपी)।

हांगकांग में रविवार को हजारों लोगों ने असामान्य रूप से पुलिस के प्रति समर्थन दिखाते हुए प्रदर्शन किया जबकि अन्यत्र दंगारोधी अधिकारियों की अन्य प्रदर्शनकारियों के साथ झड़प हुई और उन्होंने प्रदर्शनकारियों पर मिर्च के स्प्रे का इस्तेमाल किया।

हांगकांग में सत्ता समर्थक और सत्ता विरोधी प्रदर्शनकारियों ने रैलियां निकालीं। काले कपड़े में युवकों ने मॉलों में तोड़फोड़ की। इससे यहां लोगों में गहरा विभाजन सामने आया। उससे पहले छह महीने तक प्रदर्शन हुआ था। शॉपिंग मॉलों में दंगारोधी अधिकारियों को भेजा गया, जहां प्रदर्शनकारियों ने दीवारों पर स्प्रे से प्रदर्शन संबंधी नारे लिख दिए थे।

दंगारोधी पुलिस ने दो शॉपिंग केंद्रों में मिर्च स्प्रे का इस्तेमाल किया और कुछ लोगों को गिरफ्तार किया। हालांकि हांगकांग में वाटरफ्रंट पार्क का नजारा अलग था। वहां बड़ी संख्या में लोग पुलिस के प्रति अपना समर्थन व्यक्त करने के लिए निकले थे। उन्होंने लोकतंत्र समर्थन प्रदर्शनकारियों को दंगाई और आतंकवादी करार दिया।

हांगकांग करीब छह महीने तक लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शन की गिरफ्त में रहा था। उस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़प हुई थी।

शास्त्रीय संगीत व कलाकारों को प्रोत्सहित करें कारोबारी : खान

न्यूयार्क , 15 दिसंबर (भाषा)।

प्रख्यात सरोद वादक उस्ताद अमजद अली खान ने भारतीय कारोबारियों और उद्योग घरानों से शास्त्रीय संगीत और कलाकारों को प्रोत्साहित करने की अपील की जिसकी मधुरता आधुनिक संगीत के शोर में फीकी पड़ती जा रही है।

उन्होंने इसका समर्थन किया कि जो लोग संगीत सीख रहे हैं, उनका उद्देश्य इसे समझना और संरक्षित करना होना चाहिए। सेनिया बंगश घराने की छठी पीढ़ी में जन्मे उस्ताद खान ने कहा कि केवल मंच पर प्रस्तुति देने या टैलेंट शो जीतने के लिए संगीत में करियर बनाना संगीत के प्रति अन्याय है। उस्ताद खान अपने बेटे अमान और अयान अली बंगश ने हाल में न्यूयॉर्क के कार्नेज हॉल और सेंट फ्रांसिस्को के लेवीज स्टेडियम में एचसीएल कसर्ट के दूसरे संस्करण में प्रस्तुति दी। उन्होंने कहा, 'यह महत्त्वपूर्ण है कि भारतीय उद्योग घराने भारतीय शास्त्रीय संगीत और कलाकारों को प्रोत्साहित करें।' उस्ताद खान ने कहा दुनिया में करीब 500 सरोद वादक हैं जिनमें से अधिकतर युवा संगीतकार भारत में है।

टोनी बनीं विश्व सुंदरी, भारत की सुमन को तीसरा स्थान

लंदन, 15 दिसंबर (भाषा)।

इस साल विश्व सुंदरी (मिस वर्ल्ड) का ताज जमैका की टोनी एन सिंह के सिर सजा है। भारत की सुमन राव यहां आयोजित सौंदर्य प्रतियोगिता में तीसरे स्थान पर रहीं।

प्रतियोगिता में 23 वर्षीय सिंह को विजेता घोषित किया गया। चिकित्सक बनने की चाहत रखने वाली सिंह के पिता ब्रैडशॉ सिंह भारतीय कैरेबियाई हैं और उनकी मां जहरीन बैले अफ्रीकी-कैरेबियाई हैं। प्रतियोगिता में फ्रांस की ओपेली मेजीनो दूसरे और भारत की राव तीसरे स्थान पर रहीं। राजस्थान की रहने वाली 20 वर्षीय राव सीए की छात्रा हैं। उन्हें इस साल जून में मिस इंडिया वर्ल्ड 2019 चुना गया था। एक्सेल लंदन में शनिवार को कार्यक्रम की मेजबानी ब्रितानी टेलीविजन हस्ती पियर्स मोर्गन ने की। सिंह ने खिताब जीतने के बाद इंस्टाग्राम पर लिखा, 'मेरे मन में प्रेम वआभार है। मुझ पर भरोसा करने के लिए शुक्रिया। आपने मुझे स्वयं पर भरोसा करना सिखाया। मैं खिताब जीतकर सम्मानित महसूस कर रही हूं।'

टोनी एन सिंह के पिता भारतीय मूल के कैरेबियाई हैं। *राजस्थान* की रहने वाली सुमन राव सीए की छात्रा हैं।

सुमन राव

नागरिकता कानून के खिलाफ लंदन में प्रदर्शन

लंदन, 15 दिसंबर (भाषा)।

विभिन्न संगठनों के लोगों ने नागरिकता कानून के खिलाफ शनिवार को यहां भारतीय उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन किया और उसे भारत सरकार की विफलता करार दिया।

पारंपरिक परिधान और बच्चों के साथ आये ब्रिटिश असमी समुदाय के प्रदर्शनकारियों ने अपने हाथों में तख्तियां ले रखी थीं जिन पर असमी और अंग्रेजी में लिख था, 'लोकतंत्र बचाओ, कैब रोको।' इस शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान नागरिकता कानून के खिलाफ नारेबाजी भी की गई।

एक प्रदर्शनकारी ने कहा, 'असम एकजुट है और कैब विभाजनकारी है। विभाजन को न कहिए और एकता को हां।' इसके साथ ही इंडियन ओवरसीज कांग्रेस की ब्रिटिश इकाई ने भी नई दुनिया और दुनियाभर की जैसी 'भारत बचाओ रैली' भी आयोजित की।

इंडियन ओवरसीज ब्रिटेन के प्रवक्ता ने कहा, 'यह रैली मोदी सरकार की विफलता के खिलाफ है जिनमें आर्थिक संकट, उच्च बेरोजगारी, किसान संकट और विभाजनकारी राजनीति शामिल हैं।'

संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता में फिर नहीं निकला कोई ठोस परिणाम

मैड्रिड, 15 दिसंबर (एएफपी)।

मैड्रिड में पर्यावरण पर जारी संयुक्त राष्ट्र का शिखर सम्मेलन फिर बिना किसी ठोस नतीजे के रविवार को समाप्त हो गया। देशों के बीच चली लंबी बातचीत में ग्लोबल वार्मिंग आपदा को टालने की योजना बनाने पर अमल को लेकर उनके बीच पहले से कहीं अधिक मतभेद नजर आए।

बातचीत खत्म होने की तय सीमा के 36 घंटे बाद प्रतिनिधि विवादास्पद मुद्दों पर समझौते के करीब थे। इनमें एक मुद्दा यह था कि जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए प्रत्येक राष्ट्र अपनी योजना को लेकर कितना महत्त्वाकांक्षी है। विज्ञान से मिल रही चेतावनियों, जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न हुईं घातक मौसमी परिस्थितियों और लाखों युवाओं की तरफ से की जा रही साप्ताहिक हड़तालों के बीच मैड्रिड में हुई वार्ता पर अत्यंत दबाव था कि वह साफ संकेत दे कि सरकारें इस संकट से निपटने के अपने प्रयासों को और तेज करने की इच्छुक हैं। लेकिन जलवायु संबंधी आपदाओं की मार पहले से झेल रहे पर्यवेक्षकों और राष्ट्रों के प्रतिनिधियों ने कहा कि मैड्रिड का कॉप 25 अपने ही नारे 'टाइम फॉर एक्शन' के मोर्चे पर विफल रहा।

आइटीबीपी ने शुरू किया वैवाहिक पोर्टल

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (भाषा)।

- आइटीबीपी प्रवक्ता के अनुसार पोर्टल पर अब तक 150 लोगों ने पंजीकरण कराया है।
- इस बल में विभिन्न रैंकों में करीब 2500 अविवाहित पुरुष और 1000 महिलाएं हैं।

भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आइटीबीपी) ने अपने अविवाहित, विधवा/विधुर और जीवनसाथी से अलग हो चुके कर्मियों को बल के अंदर ही उपयुक्त जीवनसाथी ढूंढने में मदद पहुंचाने के लिए एक वैवाहिक (मैट्रोमोनियल) पोर्टल विकसित किया है। किसी भी अर्धसैनिक बल में पहली बार ऐसा कदम उठाया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि पर्वतीय लड़ाई में प्रशिक्षित इस बल पर मुख्य रूप से चीन से लगती वास्तविक नियंत्रण रेखा की रक्षा करने की जिम्मेदारी है। इस बल में फिलहाल विभिन्न रैंकों में करीब 2500 अविवाहित पुरुष और 1000 महिलाएं हैं। आइटीबीपी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बहुत सारे कर्मी सुदूर क्षेत्रों में तैनात रहते हैं। ऐसे में उनके और उनके परिवार के लिए उपयुक्त जीवनसाथी ढूंढना बड़ा मुश्किल कार्य हो जाता है। एक आंकड़े के अनुसार बल में 333 कार्यरत दंपति हैं (यानी पति-पत्नी दोनों ही आइटीबीपी में हों) तथा बहुत सारे कर्मी इस संगठन के अंदर ही जीवनसाथी चाहते हैं क्योंकि सरकारी नियम उस दंपति को एक ही स्थान पर तैनाती की सुविधा प्रदान करते हैं। अधिकारियों ने कहा कि यह बल पर्वतीय सीमा पर जो अपनी सेवाएं प्रदान करता है, उस कठोर ड्यूटी को ध्यान में रखते हुए साथ काम करने के ऐसे कदम से बल के अंदर कार्यरत दंपतियों को बहुत जरूरी राहत मिलती है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए आइटीबीपी महानिदेशक एस एस देसवाल ने हाल ही में बल की सूचना प्रौद्योगिकी शाखा को वैवाहिक पोर्टल विकसित करने को कहा जो सेवारत दंपतियों की पृथक पोस्टिंग की समस्या को दूर करने पर काम करेगा। अधिकारी ने बताया कि यह पोर्टल जीवनसाथी ढूंढने में मदद करेगा क्योंकि आईटी टीम किसी भी कर्मी के सेवा रिकार्ड की प्रामाणिक जानकारी अपलोड करेगी। इससे गलत सूचनाएं देने का गोरखधंधा रुकेगा। इस अनोखे पोर्ट का एक लिंक बल की वेबसाइट पर नौ दिसंबर को शुरू किया गया।

आइटीबीपी प्रवक्ता विवेक कुमार पांडेय ने कहा, 'पोर्टल पर अब तक 150 पंजीकरण कराए गए हैं। हमें उम्मीद है कि और इच्छुक पात्र कर्मी पंजीकरण करायेंगे और उन्हें यह नया ऑनलाइन सेवा उपयोगी नजर आएगी।' उन्होंने कहा, 'इस पोर्टल का उपयोग अविवाहित, विधवा/विधुर और जीवनसाथी से अलग हो चुके कर्मियों द्वारा उपयोग किया जा सकता है।' गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि एक आंकड़े के मुताबिक केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में करीब ढाई लाख अविवाहित कर्मी हैं। केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में सीआरपीएफ, बीएसएफ, सीआइएसएफ, एसएसबी, आइटीबीपी और एनएसजी एवं एनडीआरएफ आते हैं जिनमें करीब 10 लाख कर्मी हैं।

इंडोनेशिया जकार्ता के पारंपरिक उत्सव बेटवानी में चीखने की प्रतिस्पर्धा में भाग लेतीं महिलाएं।

शिक्षा के माध्यम पर कानून लाएगा आंध्र

अमरावती, 15 दिसंबर (भाषा)।

आंध्र प्रदेश सरकार वर्तमान शीत सत्र के दौरान विधानसभा में आंध्र प्रदेश शिक्षा कानून, 1982 में बदलाव के लिए विधेयक लाने जा रही है ताकि राज्य के सभी स्कूलों में शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी बनाने के प्रस्ताव को कानूनी संरक्षण प्रदान किया जा सके। राज्य सरकार ने शैक्षणिक वर्ष 2020-21 से सभी स्कूलों में कक्षा एक से छह तक तेलुगु के बजाए अंग्रेजी को शिक्षा का माध्यम बनाने का निर्णय किया है। तेलुगु या उर्दू अनिवार्य विषय होंगे। सूत्रों ने कहा कि इस पहल का विभिन्न वर्ग कड़ा विरोध कर रहे हैं वहीं मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी इस निर्णय को लागू करने पर अड़े हुए हैं और इसे कानूनी संरक्षण प्रदान करना चाहते हैं।

जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए भारत कड़ा कानून बनाए : विशेषज्ञ

नयी दिल्ली, 15 दिसंबर (भाषा)।

जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए भारत सहित विश्वभर में तेज हो रही आवाज के बीच पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि मुद्दे से निपटने के लिए कड़ा कानून बनने तक लक्ष्य प्राप्त नहीं होंगे। केंद्र ने हाल में कहा था कि वह मुद्दे से निपटने के लिए कोई कानून बनाने के बारे में नहीं सोच रहा है।

पेरिस समझौते के तहत भारत ने संकल्प लिया है कि वह सकल घरेलू उत्पाद (प्रति इकाई जीडीपी के मुकाबले ग्रीनहाउस गैस का उत्सर्जन) के आधार पर वर्ष 2030 तक उत्सर्जन 33-35 फीसद तक कम करेगा। इसके साथ ही उसने वन और पेड़ लगाकर वर्ष 2030 तक 2.5-3 अरब टन कार्बन डाई-ऑक्साइड के बराबर कार्बन को सोखने का भी वादा किया है। पर्यावरण मंत्रालय ने हाल में संसद में कहा था कि हालांकि, इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कानून लाने की भारत की कोई योजना नहीं है। इस पर विभिन्न पर्यावरण विशेषज्ञों की ओर से विरोध के सुर उठे, जिनका कहना है कि कानून जवाबदेही तय करेगा जिसकी देश में कमी है।

'जीडीपी का एक फीसद कृषि अनुसंधान व शिक्षा पर हो खर्च'

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 15 दिसंबर।

कृषि अनुसंधान व शिक्षा विभाग ने कहा कि कृषि अनुसंधान व शिक्षा के लिए आबंटन को बढ़ाकर कृषि सकल घरेलू उत्पाद का एक फीसद किया जाए ताकि 2022 तक किसानों की आय दोगुणा करने व भारत को 5000 अरब डालर की अर्थव्यवस्था बनाने के उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सके। विभाग के प्रतिनिधियों ने कृषि संबंधी संसद की स्थायी समिति को यह बात बताई।

समिति ने विभाग से इस विषय को वित्त मंत्रालय के समक्ष उठाने की सिफारिश की है। संसद में हाल ही में पेश कृषि संबंधी स्थायी समिति की रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में कृषि अनुसंधान और शिक्षा पर खर्च दक्षिण अफ्रीका और चीन जैसे देशों से कम है व कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग को आबंटित बजट का 75 फीसद वेतन, पेंशन आदि पर खर्च हो जाता है। इस प्रकार अनुसंधान कार्यकलापों पर केवल 25 फीसद राशि ही शेष बचती है। पिछले पांच वर्षों के दौरान कृषि सकल घरेलू उत्पाद में कृषि अनुसंधान व शिक्षा का अंश 0.61 फीसद रहा है जो अन्य देशों की तुलना में काफी कम है। चीन कृषि अनुसंधान व शिक्षा पर अपने कृषि सकल घरेलू उत्पाद का एक फीसद खर्च करता है। दक्षिण अफ्रीका सहित कई छोटे देश भी कृषि अनुसंधान पर भारत से अधिक खर्च करते हैं।

www.readwhere.com

31 दिसंबर तक पैन को जोड़ना होगा आधार से

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (भाषा)।

स्थायी खाता संख्या (पैन) को इस साल 31 दिसंबर तक आधार से अनिवार्य रूप से जोड़ना होगा। आयकर विभाग ने रविवार को इस बारे में सार्वजनिक सूचना जारी की है।

विभाग ने कहा, बेहतर कल के लिए...आयकर सेवाओं का लाभ लेने को पैन को आधार से जोड़ने का काम 31 दिसंबर, 2019 तक पूरा कर लें। सूचना में कहा गया है कि पैन को आधार से जोड़ना अनिवार्य है।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने सितंबर में जारी आदेश में पैन को आधार से जोड़ने की समयसीमा बढ़ाकर 31 दिसंबर की थी। इससे पहले यह समयसीमा 30 सितंबर थी। सीबीडीटी आयकर विभाग के लिए नीति बनाता है। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल सितंबर में केंद्र की प्रमुख आधार योजना को संवैधानिक रूप से वैध ठहराते हुए व्यवस्था दी थी कि आयकर रिटर्न दाखिल करने और पैन के आबंटन के लिए बायोमीट्रिक पहचान संख्या अनिवार्य रहेगी।

आयकर कानून की धारा 139 एए (2) कहती है कि जिस भी व्यक्ति के पास एक जुलाई, 2017 तक पैन है और वह आधार हासिल करने के पात्र है तो उसे अपने आधार नंबर की जानकारी आयकर विभाग को अवश्य देनी होगी।

बजट पूर्व बैठकों का सिलसिला आज से, सीतारमण मांगेंगी सुझाव

आर्थिक वृद्धि के प्रोत्साहन पर रहेगी निगाह

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (भाषा)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सोमवार से विभिन्न पक्षों के साथ के साथ बजट पूर्व बैठकों का सिलसिला शुरू करने जा रही हैं। इस दौरान वित्त मंत्री उद्योग संगठनों, कृषि संगठनों और अर्थशास्त्रियों के साथ बैठकों में उपभोग और वृद्धि को प्रोत्साहन के लिए सुझाव मांगेंगी।

सीतारमण मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में अपना दूसरा बजट एक फरवरी को पेश करेंगी। सूत्रों ने बताया कि बजट पूर्व विचार-विमर्श सोमवार से शुरू होकर 23 दिसंबर तक चलेगा। सूत्रों ने कहा कि इस बार बजट में मुख्य ध्यान आर्थिक वृद्धि को प्रोत्साहन पर रहेगा। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर घटकर 4.5 फीसद के छह साल के निचले स्तर पर आ गई है।

वित्त मंत्रालय के अनुसार सीतारमण सोमवार को सुबह 'नव अर्थव्यवस्था: स्टार्ट अप्स, फिनटेक और डिजिटल' क्षेत्र के अंशधारकों से मिलेंगी। बाद में दिन में वह वित्तीय और पूंजी बाजार क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ विचार विमर्श करेंगी। उद्योग सूत्रों ने कहा कि सरकार ने उनसे कारोबार सुगमता, नियामकीय वातावरण की वजह से निवेश पर प्रभाव, निर्यात प्रतिस्पर्धा, देरी से भुगतान और अनुबंध के प्रवर्तन, निजी निवेश और वृद्धि में सुधार पर उनके विचार मांगे हैं। वित्त मंत्री संभवतः 19 दिसंबर को उद्योग मंडलों के साथ बैठक करेंगी। सरकार पहले ही कॉरपोरेट कर की दर में उल्लेखनीय कटौती कर चुकी है। उसके बाद उम्मीद की जा रही है कि सरकार व्यक्तिगत आयकर में बदलाव के जरिए वेतनभोगी वर्ग को कुछ राहत देगी। उद्योग संगठन मांग कर रहे है कि व्यक्तिगत आयकर दाताओं के मामले में आयकर छूट की सीमा को मौजूदा के 2.5 लाख रुपए से बढ़ाकर पांच लाख रुपए किया जाना चाहिए। इससे वस्तुओं और सेवाओं की मांग बढ़ सकेगी।

अगले वित्त वर्ष में सभी सीएससी में शुरू हो सकती है कानूनी परामर्श सेवा

आधे से अधिक ग्रामीण भारत सेवा के दायरे में आएगा

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (भाषा)।

सरकार की योजना अगले वित्त वर्ष में देश भर के सभी आम सेवा केंद्रों (सीएससी) में टेलीकांफ्रेंस पर कानूनी परामर्श सुविधा (टेली-लॉ) उपलब्ध कराने की है। इससे आधा से अधिक ग्रामीण भारत इस सेवा के दायरे में आ जाएगा।

सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी दिनेश त्यागी ने एजंसी से कहा कि जम्मू कश्मीर तथा पूर्वोत्तर भारत के राज्यों में कानूनी परामर्श की मांग को देखते हुए 117 महत्वाकांक्षी जिलों के करीब 30 हजार सीएससी में हाल ही में इस सेवा की शुरुआत की गई है।

उन्होंने कहा, हमने अभी ही सभी 117 महत्त्वाकांक्षी जिलों में टेली-लॉ सुविधा की शुरुआत की है। इन जिलों में प्रभाव का आकलन करने के बाद देश के सभी सीएससी में क्रमिक तौर पर इस सेवा का विस्तार किया जाएगा। राष्ट्रव्यापी शुरुआत अगले वित्त वर्ष में होने का अनुमान है। त्यागी ने कहा, हमें टेली-लॉ सेवा की मांग में काफी हिस्सेदारी जम्मू कश्मीर और पूर्वोत्तर राज्यों की देखने को मिली है। इससे सभी सीएससी में एक व्यक्ति को रोजगार मिलने से हजारों लोगों को रोजगार मिला है। इस साल अगस्त तक पूर्वोत्तर राज्यों में टेली-लॉ के जरिये 39 हजार से अधिक मामले दर्ज हुए तथा इनमें से 37,588 मामलों में परामर्श उपलब्ध कराया गया। सर्वाधिक इस्तेमाल असम में हुआ और इसके बाद मेघालय, त्रिपुरा, नागालैंड तथा अरुणाचल प्रदेश का स्थान रहा। जम्मू कश्मीर में 30,169 मामले दर्ज हुए जिनमें 20,949 मामलों में परामर्श दिया गया।

एडलवेइस एसेट रीकन्स्ट्रक्शन कम्पनी लिमिटेड
Edelweiss Asset Reconstruction
CIN:U67100MH2007PLC174759
रिटेल सेन्टर कार्यालय: 1ला तल, रहेजा सेन्टर प्वाइन्ट, 294, सीएसटी रोड, मुम्बई विश्वविद्यालय के निकट, कलीना, मुम्बई-400098
पंजी. कार्यालय: एडलवेइस हाउस, ऑफ सीएसटी रोड, कलीना, मुम्बई-400098

बिक्री की सूचना (निजी संधि द्वारा) (आरपीएडी द्वारा)
प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के नियम 9(1) के साथ पठित नियम 8(5) तथा (6)
1) अतुल कुमार पपेल, 2) श्रीमती कुसुम, 3) श्री नरेश कुमार, संदर्भः ऋण खाता सं. एचएम/0031/एच/16/100021

धारा 13 (2) के अंतर्गत जारी सूचना के माध्यम से मांग की गई बकाये के भुगतान में विफलता पर प्राधिकृत अधिकारी ने शीर्षांकित अधिनियम तथा उसके अंतर्गत निर्मित नियमों के अंतर्गत निर्दिष्ट प्रक्रिया का अनुसरण करते हुए 19 नवम्बर, 2019 को ई-नीलामी द्वारा यहां नीचे अनुसूची में वर्णित अचल प्रतिभूत परिसम्पत्तियों की बिक्री का प्रयास किया।
अनुसूची की सम्पत्ति के लिए उपरोक्त रूप से आयोजित ई-नीलामी बोलीदाताओं के अभाव में सफल नई हुई। चूंकि पूर्व में आयोजित ई-नीलामी द्वारा अनुसूची की सम्पत्ति की बिक्री नहीं की जा सकी, अतः प्रतिभूत क्रेडीटर ने निजी संधि द्वारा 31 दिसम्बर, 2019 को आवश्यक दस्तावेजों को निष्पादित कर प्रस्तावित क्रेता को सम्पत्ति की बिक्री करने का फैसला किया है।
यदि इस सूचना की तिथि से 15 दिनों के भीतर आप अपनी ऋण खाता में बकाया देयता का भुगतान नहीं करते हैं तो आपको आगे कोई भी सूचना दिए बिना प्रतिभूत क्रेडीटर तथा प्रस्तावित क्रेता के बीच स्वीकृत शर्तों के अनुसार प्रस्तावित क्रेता को अनुसूची की सम्पत्ति की बिक्री कर दी जाएगी।
यदि अनुसूची की सम्पत्ति की बिक्री से ऋण खाता के अंतर्गत 30.11.2019 को रु. 28,84,137/- की बकाया देयता की वसूली पूरी नहीं होती है तो आपके तथा अन्यों के विरुद्ध शुरू की गई/ शुरू की जाने वाली कानुनी कार्रवाई बकाया देयता की सम्पूर्ण वसूली तक जारी रहेगी।

सम्पत्ति की अनुसूची (अचल प्रतिभूत परिसम्पत्तियों का विवरण)
ग्राम बाबरपुर, इलाका शाहदरा, दिल्ली क्षेत्र में मैन 33 फीट रोड, कबीर नगर की आबादी में स्थित सम्पत्ति सं. ए-45, खसरा नं. 45 पर निर्मित आवासीय सम्पत्ति प्रथम तल, छत के अधिकार के बिना, माप 39.29 वर्ग मीटर का सभी भाग तथा हिस्सा तथा चौहद्दीः पूर्वः रोड 33 फीट, पश्चिमः अन्य की सम्पत्ति, उत्तरः अन्य की सम्पत्ति, दक्षिणः अन्य की सम्पत्ति।
तिथिः 13.12.2019 हस्ता./- प्राधिकृत अधिकारी,
स्थानः मुम्बई एडलवेइस एसेट रीकन्स्ट्रक्शन कम्पनी लिमिटेड

छंटनी नहीं करेगी टाटा मोटर्स

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (भाषा)।

टाटा मोटर्स घरेलू वाहन बाजार में जारी सुस्ती के बाद भी कर्मचारियों की छंटनी नहीं करेगी। कंपनी को अगले कुछ महीनों में बाजार में उतारे जाने वाले नए उत्पादों के दम पर प्रदर्शन में सुधार की उम्मीद है।कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक गुंटर बटशेक ने एजंसी को यह जानकारी दी। उनसे पूछा गया कि क्या वाहन क्षेत्र में जारी नरमी के कारण कंपनी कर्मचारियों की छंटनी कर सकती है,

प्रपत्र-ए
सार्वजनिक घोषणा
(भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड (कार्पोरेट व्यक्तियों के लिए दिवालिया प्रस्ताव प्रक्रिया) विनियमावली, 2016 के विनियम 6 के अधीन)
वत्सिन इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के लेनदारों के ध्यानार्थ
संबंधित विवरण

1.	[illegible]	वत्सिन इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (पूर्व में [illegible] इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के नाम से ज्ञात)
2.	[illegible]	22.10.2014
3.	[illegible]	[illegible], दिल्ली
4.	[illegible]	U70109HR2014PLC053651
5.	[illegible]	वत्सिन इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, प्लॉट नं. 460, सैक्टर-30, फरीदाबाद, हरियाणा-121003
6.	[illegible]	13.12.2019
7.	[illegible]	10.06.2020
8.	[illegible]	विनोद कुमार महाजन, पंजीकरण सं. IBBI/IPA-002/IP-N00238/2017-18/10689
9.	[illegible]	फ्लैट नं. 309, [illegible] सोसायटी, सैक्टर 48-ए, चंडीगढ़-160047, मेल. vkmahajan588@gmail.com, मो. 7042277309
10.	[illegible]	फ्लैट नं. 309, [illegible] सोसायटी, सैक्टर 48-ए, [illegible] मेल. ip.vatsin@gmail.com, मो. 7042277309
11.	[illegible]	27.12.2019
12.	[illegible]	[illegible]
13.	[illegible]	[illegible]
14.	[illegible]	http://ibbi.gov.in/home/downloads [illegible]

[illegible]
तिथि: 14.12.2019
स्थान: चंडीगढ़ विनोद कुमार महाजन

दम तोड़ सकती है कूड़े से बिजली बनाने की परियोजना

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (भाषा)।

प्लाटिक के कचरे पर रोक-थाम पर जोर तथा उत्पादित बिजली का पर्याप्त मूल्य न मिल पाने से कचड़े को ईंधन के रूप में इस्तेमाल करने वाले बिजलीघरों की योजना की ऊर्जा ठंडी पड़ सकती है। कुछ वर्षों में कई बड़े शहरों में ऐसे 35 से 40 बिजलीघर लगाए गए। इनमें बमुश्किल तीन काम कर रहे हैं और ये तीनों दिल्ली में सीमित हैं।

पर्यावरण प्रबंध के क्षेत्र में काम कर रहे एक गैर सरकारी संगठन का कहना है कि सरकार की ओर से राष्ट्रीय ग्रिड कंपनियों को इन संयंत्रों से प्राथमिकता के आधार पर बिजली खरीदने के लिए कहने के बाद ही इन्हें चलाया जा सका है।

भारतीय प्रदूषण नियंत्रण संघ (आइपीसीए) के निदेशक आशीष जैन ने एजंसी से कहा कि कूड़े से बिजली बनाने वाले बिजली घरों के समक्ष सबसे बड़ी समस्या थोड़ी ऊंची लागत वाली उनकी बिजली का बाजार और ईंधन का कूड़ा उपलब्ध कराने की है। उन्होंने कहा कि लोग यदि 'कूड़ा केवल कूड़ादान में ही डालें और सूखा, गीला कूड़ा अलग करके डालें' तो इससे काफी मदद मिल सकती है।

दिल्ली के गाजीपुर, ओखला और नरेला में ऐसे कुल तीन बिजली घर काम कर रहे हैं। जैन ने बताया कि इनकी उत्पादन लागत ऊंची होने की वजह से बिजली भी महंगी पड़ती है। इसमें इस्तेमाल होने वाला कूड़ा गीला नहीं होना चाहिए, उसमें पत्थर आदि नहीं होने चाहिए। इनमें 1,500 किलो कैलोरी ऊष्मा देने वाला कूड़ा ही इस्तेमाल हो सकता है। चॉकलेट, नमकीन से लेकर खाने-पीने के सामान की जो भी पैकिंग होती है, वह मल्टी लेयर प्लास्टिक (एमएलपी) में होती है।

पीएनबी के 2018-19 के फंसे कर्ज में 2,617 करोड़ रुपए का अंतर : आरबीआइ

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (भाषा)।

रिजर्व बैंक की जांच में पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के बीते वित्त वर्ष के फंसे कर्ज (गैर निष्पादित परिसंपत्ति) 2,617 करोड़ रुपए ज्यादा पाई गई है। आरबीआइ की जोखिम आकलन रिपोर्ट में यह जानकारी दी है।

पंजाब नेशनल बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि केंद्रीय बैंक की ओर से किए आकलन के अनुसार 2018-19 में पीएनबी का सकल एनपीए 81,089.70 करोड़ रुपए था। यह बैंक द्वारा दिखाए गए 78,472.70 करोड़ रुपए के सकल एनपीए से 2,617 करोड़ रुपए अधिक है। यही नहीं, आरबीआइ ने शुद्ध एनपीए में भी 2,617 करोड़ रुपए का अंतर पाया है। वहीं, फंसे कर्ज के लिए प्रावधान में 2,091 करोड़ रुपए का अंतर निकला है। बैंक ने कहा कि आरबीआइ के आकलन के आधार पर उसे 2018-19 में 11,335.90 का शुद्ध घाटा हुआ होता जबकि बैंक ने 9,975.49 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा दिखाया था।

मातोश्री के बाहर प्रदर्शन, पीएमसी के जमाकर्ता हिरासत में

मुंबई, 15 दिसंबर (भाषा)।

पंजाब एंड महाराष्ट्रीय कोआपरेटिव (पीएमसी) बैंक के करीब 50 जमाकर्ताओं को रविवार को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के निवास के बाहर प्रदर्शन के बाद पुलिस ने हिरासत में ले लिया। हालांकि, बाद में उनमें से कुछ को छोड़ दिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। बाद में मुख्यमंत्री ठाकरे ने संकटग्रस्त बैंक के जमाकर्ताओं के प्रतिनिधिमंडल के साथ मुलाकात में उन्हें भरोसा दिलाया कि उनकी सरकार बैंक के ग्राहकों को न्याय दिलाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगी। पीएमसी बैंक के करीब 500 जमाकर्ता पहले बांद्रा कुर्ला परिसर में रिजर्व बैंक के कार्यालय के बाहर इकट्ठा हुए। बाद में वे बांद्रा में ठाकरे के निवास 'मातोश्री' की ओर चले गए जिससे उनसे मुलाकात कर सकें। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि इन लोगों ने ठाकरे के निवास के बाहर रिजर्व बैंक के खिलाफ नारेबाजी की। वे मांग कर रहे थे कि उनके प्रतिनिधिमंडल को मुख्यमंत्री से मिलने दिया जाए। कुछ महिलाओं सहित करीब 50 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर खेड़ावाड़ी तथा बीकेसी पुलिस थाने ले जाया गया। बाद में उनमें से कुछ को छोड़ दिया गया।

पंजाब नैशनल बैंक punjab national bank

शाखाः इलेक्ट्रानिक सिटी, सेक्टर-63, नोएडा, सर्किल कार्यालय, नोएडा (उ.प्र.)
वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) अधिनियम, 2002 की धारा 13 (2) के अंतर्गत अन्डेलिवर्ड मांग सूचना

हमने आपके लिये नियत अभिस्वीकृति के साथ पंजीकृत डाक द्वारा वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा (प्रतिभूति) हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 (2) के अंतर्गत विस्तृत मांग सूचना जारी की जो आपको प्राप्त हुए बिना वापस लौट आई। आप ऋणधारकों/गारन्टरों को सलाह दी जाती है कि 1) आपको संबोधित तथा कूरियर/डाक प्राधिकरणों से वापस लौट आई मूल सूचना/लिफाफे विस्तृत एवं सम्पूर्ण विवरणों के लिये अधोहस्ताक्षरी से प्राप्त करें तथा 2) सूचना की तिथि से 60 दिनों के भीतर ब्याज तथा अन्य लागतों के साथ शेष बकाया राशि का भुगतान करें।
आपको यह भी सूचित किया जाता है कि सरफैसी अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधान के अंतर्गत आप केवल अधिनियम के प्रावधान के अनुसार प्रतिभूत परिसम्पत्तियों की बिक्री सूचना के प्रकाशन की तिथि तक ही बैंक द्वारा वहन की गई सभी लागतों, चार्जेज तथा खर्चे के साथ सम्पूर्ण बकाया राशि का भुगतान कर सकते हैं।

ऋणधारक/गारन्टर का नाम	मांग सूचना तिथि	मांग सूचना के अनुसार देय राशि	प्रतिभूत परिसम्पत्ति(यों) का विवरण
1. श्री संजय शर्मा 2. श्रमती वीना शर्मा (खाता नं. 666200NC00002544)	19.11.2019	01.11.2019 को रु. 28,45,767/- तथा सम्पूर्ण भुगतान तक आगे का ब्याज एवं लागतों	श्री सजय शर्मा एवं श्रीमती वीणा शर्मा के स्वामित्व में फ्लैट नं.- केएसआई 16-501, कासा आइजल्स, विशटाउन, जयपी ग्रीन्स, सेक्टर-129, नोएडा, माप 1935 वर्ग फीट (सुपर एरिया) में शामिल आईपी का इक्विटैबल मार्टगैज।
1. श्री अमित गुप्ता 2. श्रीमती अनुपम गुप्ता (खाता नं. 666200NC00005514)	19.11.2019	01.11.2019 को रु. 9,76,267/- तथा सम्पूर्ण भुगतान तक आगे का ब्याज एवं लागतों	श्री अमित गुप्ता के स्वामित्व में आवासीय प्लॉट नं. बीएच 1/98, सेक्टर 12, जीएमपी भवराओ देवरस प्रताप विहार, गाजियाबाद उ.प्र., माप 48.80 वर्ग मी. में शामिल आईपी का इक्विटैबल मार्टगैज।

तिथिः 14.12.2019
स्थानः नोएडा, (उ. प्र.) (प्राधिकृत अधिकारी)

भारतीय रिज़र्व बैंक
www.rbi.org.in
वित्तीय समावेशन एवं विकास विभाग (दूसरी मंजिल)
8-9 विपिन खंड, गोमती नगर, लखनऊ-226010
ई-निविदा- लखनऊ महोत्सव 2019 में भारतीय रिज़र्व बैंक के पवेलियन का निर्माण और रख रखाव
भारतीय रिज़र्व बैंक, लखनऊ, लखनऊ महोत्सव 2019 में भारतीय रिज़र्व बैंक के पवेलियन का निर्माण और रख रखाव के लिये कंपनियों/ फर्मों/ ठेकेदारों से ई-निविदायें आमंत्रित करता है। अधिक जानकारी के लिये कृपया हमारी वेबसाईट www.rbi.org.in पर लिंक टेंडर के तहत जाएं। MSTC वेबसाईट के RBI पोर्टल (https://mstcecommerce.com/eprochome/rbi/) पर दिनांक 03 जनवरी, 2020 को 11:00 बजे तक ई-निविदा भरी जा सकती है।
लखनऊ
दिनांक : 16.12.2019 क्षेत्रीय निदेशक, उत्तर प्रदेश

एमटीवी इन्वेस्मन्ट एण्ड फाइनेंस प्राईवेट लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय : [illegible] नं. 12, [illegible] फ्लोर, एस-[illegible] [illegible], नई दिल्ली - 110016
CIN NO : U74899DL1994PTC061939
ई-मेल आईडी : mtvinvestment@gmail.com
फोन नं. : [illegible]
सार्वजनिक सूचना
एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि एमटीवी इन्वेस्मन्ट एण्ड फाइनेंस प्राईवेट लिमिटेड ("कम्पनी") नई दिल्ली में भारतीय रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा 10 अक्टूबर, 2000 को जारी भारतीय रिजर्व बैंक ("आरबीआई") के पंजीकरण प्रमाणपत्र सं. बी-14-01825 के माध्यम से पंजीकृत एक गैर-जमा लेने वाली गैर-बैंकिंग वित्तीय कम्पनी ("एनबीएफसी") है।
[illegible]
आवेदक की ओर से और उसके लिए
एमटीवी इन्वेस्मन्ट एण्ड फाइनेंस प्राईवेट लिमिटेड
हस्ता./-
निदेशक
दिनांक : 16.12.2019 [illegible]
स्थान : नई दिल्ली डीआईएन : 07113367

आइबीसी के तहत प्रक्रिया शुरू होने से पहले 3.75 लाख करोड़ रुपए के मामले निपटाए गए

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (भाषा)।

दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आइबीसी) के तहत मामलों को एनसीएलएटी प्रक्रिया से पहले निस्तारण की प्रक्रिया में कुल 3.75 लाख करोड़ रुपए कर्ज के 9,600 मामलों का निपटान किया गया है। सरकार ने यह जानकारी दी है। इसका तात्पर्य किसी दिवाला मामले को राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के पास भेजने से पहले ही उसको पारस्परिक बातचीत के आधार पर समाधान किए जाने का अवसर दिया जाता है। आइबीसी 2016 में लागू हुआ। इसके तहत दबाव वाली संपत्तियों का निपटान बाजार संबद्ध और समयबद्ध तरीके से किया जाता है। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने रविवार को जारी बयान में कहा कि इस संहिता के तहत कुल 21,136 आवेदन दाखिल किए गए हैं। इनमें से 3,74,931.30 करोड़ रुपए के 9,653 मामलों का निपटान उन्हें एनसीएलटी के पास भेजे जाने से पहले ही कर दिया गया। बयान में कहा गया है कि 2,838 मामले कॉरपोरेट दिवाला शोधन प्रक्रिया के तहत दाखिल किए गए।

पंजाब नैशनल बैंक ...भरोसे का प्रतीक! punjab national bank ...the name you can BANK upon!
बीओः आसफ अली रोड, नई दिल्ली, ई-मेलः bo0127@pnb.co.in
कब्जा सूचना (परिशिष्ट-IV [नियम-8(1)]

जैसा कि, वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन (द्वितीय) 1 (अधिनियम), 2002 के अंतर्गत पंजाब नेशनल बैंक के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के नियम 9 के साथ पठित धारा 13 (12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने मांग सूचना तिथि 16.9.2019 जारी कर ऋणधारकों श्रीमती अनीता मलिक, पत्नी श्री विरेन्दर कुमार, पंजी. एनपीए खाता संख्या 012700NC00000865, सम्पत्ति के स्वामी अनीता मलिक, पत्नी श्री विरेन्दर कुमार को सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर सूचना में वर्णित राशि रु. 16,02,866/- (रुपए सोलह लाख दो हजार आठ सौ छियासठ मात्र) के साथ 01.8.2019 से आगे के ब्याज (ऋणधारक द्वारा जमा की गई राशि, यदि कोई हो, को घटाकर) वापस लौटाने का निर्देश दिया था।
ऋणधारक इस राशि को वापस लौटाने में विफल रहे, अतः एतद्द्वारा ऋणधारक तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि को अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमों के नियम 9 के साथ पठित उक्त 1 (अधिनियम) की धारा 13 (4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने यहां नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा कर लिया है।
विशेष रूप से ऋणधारकों तथा आम जनता को एतद्द्वारा सतर्क किया जाता है कि वे यहां नीचे वर्णित संपत्ति का व्यवसाय न करें तथा इन संपत्तियों का किसी भी तरह का व्यवसाय रु. 16,02,866/- (रुपए सोलह लाख दो हजार आठ सौ छियासठ मात्र) के साथ 01.8.2019 से आगे के ब्याज (ऋणधारक द्वारा जमा की गई राशि, यदि कोई हो, को घटाकर) के लिए पंजाब नेशनल बैंक के चार्ज के अधीन होगा।
ऋणधारक का ध्यान प्रतिभूत परिसम्पत्तियों को विमोचित करने के लिए उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों के प्रति आकृष्ट की जाती है।

अचल सम्पत्तियों का विवरण
श्रीमती अनीता मलिक, पत्नी श्री वीरेन्दर कुमार के नाम में ग्राम नसीरपुर, साध नगर-II, पालम कॉलोनी, नई दिल्ली-110045 के नाम से विदित कॉलोनी की राजस्व सम्पदा में स्थित सम्पत्ति सं. आरजेड-672-ए, प्लॉट नं. 50 ए पर, एरिया 52 वर्ग यार्ड जो खसरा नं. 660 एवं 662 का भाग है, में बिना छत/टैरेस अधिकार के 2रे तल पर बैक साइड में स्थित प्राइमरी सम्पत्ति
तिथिः 11.12.2019 प्राधिकृत अधिकारी
स्थानः नई दिल्ली पंजाब नेशनल बैंक, नई दिल्ली

PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR THE ATTENTION OF EQUITY SHAREHOLDERS
RICOH INDIA LIMITED
Registered Office: 1132,3rd floor, Building No. 11, Solitaire Corporate Park, Guru Hargovindji Marg, Andheri Ghatkopar Link Road, Chakala, Andheri East, Mumbai- 400 093
CIN: L74940MH1993PLC074694; **Tel.:** +91-022-66833000-05 – 05; **Fax:** : +91-022-67032099;
Email: ril.secretarial@ricoh.co.in; **Website:** www.ricoh.co.in

This public announcement ("**Post Offer Public Announcement**") is being made pursuant to the completion of the payment of consideration to the equity shareholders (whose shares have been accepted under the Offer) by Mr. Kalpraj Dharamshi and Ms. Rekha Jhunjhunwala (hereinafter collectively referred to as the "**Resolution Applicants**"/ "**Acquirers**") in respect of the proposed Delisting Exit Offer to the Public Shareholders of Ricoh India Limited ("**Ricoh**"/ the "**Company**") in accordance with Resolution Plan approved by the Mumbai bench of Hon'ble National Company Law Tribunal ("**NCLT**") vide its order dated November 28, 2019 under Section 10 of the Insolvency and Bankruptcy Code, 2016 ("**Code**").

This Post Offer Public Announcement should be read in conjunction with the Public Announcement published on Tuesday, December 03, 2019 ("**Public Announcement**"), in the Financial Express (English Edition) Jansatta (Hindi Daily) and Mumbai Lakshwadeep (Marathi Daily) and the Delisting Exit Offer Letter dated Monday, December 02, 2019 ("**Delisting Exit Letter of Offer**") issued in connection with the Delisting Exit Offer of fully paid-up equity shares of ₹ 10/- each ("**Equity Shares**") of Ricoh. The terms used but not defined in this Post Offer Public Announcement shall have the same meanings as assigned in the Public Announcement and the Delisting Exit Letter of Offer.

The exit offer & delisting is an integral part of the resolution plan. The Acquirers had made an offer to acquire up to 1,04,97,791 Equity Shares of ₹ 10/- each at a price of ₹ 50/- per equity share, representing 26.40% of the paid-up equity share capital from the Eligible Shareholders and consequently delist the Company from BSE Limited ("**BSE**") as provided in the Approved Plan. The Delisting Exit Offer opened on Thursday, December 05, 2019 and closed on Wednesday, December 11, 2019.

During the offer period, 670 shareholders constituting 17,74,371 equity shares representing ~ 4.46% of the paid-up equity share capital, had tendered their equity shares. Two (2) emails were received on December 11, 2019 for withdrawal from the offer from shareholders holding a total of 348 equity shares and the same have not been processed for payment of consideration. Dispatch of consideration to the equity shareholders whose shares have been accepted under the Offer has been made through demand drafts/ electronic means of transfer and the aforesaid dispatch of consideration to the equity shareholders whose shares have been accepted under the Offer, has been completed by December 14, 2019.

Instructions for transfer of equity shares in dematerialized form not accepted under the Offer from the Escrow Depository Account to the shareholders depository accounts is being issued by the Registrar to the offer and the same shall be completed on or before December 16, 2019. Such equity shareholders are advised to check their demat accounts to confirm receipt of the equity Shares so returned.

The Company is the process of making an application to the BSE for delisting of Equity Shares of the Company. Post delisting, the Acquirers, on a voluntary basis, will continue to provide an exit opportunity to the Eligible Shareholders who have not tendered their Equity Shares in the Delisting Offer ("**Exit Offer**"). The Exit Offer will be available for a period of one year from the date of delisting of Equity Shares of the Company from the BSE at same price of ₹ 50/- per equity shares. A public announcement shall be made by the Promoter/ Acquirers in the same newspapers in which this Public Announcement is published subsequent to the delisting of equity shares of the Company from BSE.

If the Shareholders have any queries in regard to this Offer, they may contact the Manager to the Offer or the Registrar to the Offer (whose details are appearing below).

MANAGER TO THE DELISTING EXIT OFFER	REGISTRAR TO THE DELISTING EXIT OFFER
KEYNOTE	MCSSTA
Keynote Financial Services Limited	**MCS Share Transfer Agent Limited**
(Formerly Keynote Corporate Services Limited)	F-65,1st Floor, Okhla Industrial Area, Phase 1
The Ruby, 9th Floor, Senapati Bapat Marg, Dadar (West)	New Delhi – 110 020.
Mumbai – 400 028; **Tel.:** +91 22 6826 6000-3	**Tel.:** 011 - 41406149, 41406151, 41406152
E-mail: mbd@keynoteindia.net;	**Email:** admin@mcsregistrars.com
Website: www.keynoteindia.net	**Website:** www.mcsregistrars.com
Contact Person : Ms. Pooja Sanghvi / Mr. Akhil Mohod	**Contact Person:** Mr. Ajay Dalal
SEBI Registration No.: INM 000003606	**SEBI Registration No:** INR 000004108

Place: Mumbai sd/- sd/-
Date: December 14, 2019 **Kalpraj Dharamshi** **Rekha Jhunjhunwala**
CONCEPT

फार्म नं. आईएनसी-26
(कम्पनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30 के अनुसरण में)
केन्द्रीय सरकार, क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र, नई दिल्ली के समक्ष [illegible]
दत्ता बिल्डकॉन प्राइवेट लिमिटेड
(CIN: U45201DL2006PTC146364)
जिसका पंजीकृत कार्यालय : **एस-558, ऑफिस नं. 111, पहली मंजिल, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली-110092** में है के मामले में
...**आवेदक कंपनी / याचिकाकर्ता**
[illegible]
कृते **दत्ता बिल्डकॉन प्राइवेट लिमिटेड**
वेंकटसत्या नागेश परिमी
(निदेशक)
दिनांक: 16 दिसम्बर 2019
स्थान: नई दिल्ली डीआईएन: 02279998

शीर्ष छह कंपनियों का बाजार पूंजीकरण बढ़ा

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (भाषा)।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से छह कंपनियों का बाजार पूंजीकरण बीते सप्ताह 65,060.30 करोड़ रुपए बढ़ गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी के बाजार पूंजीकरण में सर्वाधिक वृद्धि दर्ज की गई। आलोच्य सप्ताह के दौरान एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और भारतीय स्टेट बैंक का भी बाजार पूंजीकरण बढ़ गया।

पंजाब नैशनल बैंक ...भरोसे का प्रतीक! punjab national bank ...the name you can BANK upon!
बीओः खानपुर, मेहरौली बदरपुर रोड, देवली मोर, खानपुर, नई दिल्ली-110062, फोनः 011-26053148, ई-मेलः **bo1514@pnb.co.in**
कब्जा सूचना [प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8(1) के अंतर्गत
(अचल सम्पत्ति के लिये)

जैसा कि, वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन 26 [अधिनियम], 2002 के अंतर्गत पंजाब नेशनल बैंक के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के नियम 9 के साथ पठित धारा 13 (12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने मांग सूचना तिथि 10.10.2019 जारी कर ऋणधारकों/गारन्टरों/मार्टगैजरों **श्री रामकेश खाता 151400NC00000235** को सूचना की तिथि/सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर सूचना में वर्णित राशि 30.9.2019 **को बकाया रु. 1,34,20,713.56 (रुपये एक करोड़ चौंतीस लाख बीस हजार सात सौ तेरह तथा पैसे छप्पन मात्र)** के साथ आगे के ब्याज तथा अन्य चार्जेज वापस लौटाने का निर्देश दिया था।
ऋणधारक/गारन्टर/मार्टगैजर इस राशि को वापस लौटाने में विफल रहे, अतः एतद्द्वारा ऋणधारक, तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि 11 दिसम्बर, 2019 को अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 8 एवं 9 के साथ पठित उक्त 27 [अधिनियम] की धारा 13 (4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा कर लिया है।
विशेष रूप से ऋणधारकों/मार्टगैजरों/गारन्टरों तथा आम जनता को एतद्द्वारा सतर्क किया जाता है कि वे यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का व्यवसाय न करें तथा इन सम्पत्तियों का किसी भी तरह का व्यवसाय सूचना की तिथि/सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर सूचना में वर्णित राशि 30.9.2019 को बकाया **रु. 1,34,20,713.56 (रुपये एक करोड़ चौंतीस लाख बीस हजार सात सौ तेरह तथा पैसे छप्पन मात्र)** के साथ आगे के ब्याज तथा अन्य चार्जेज के लिये पंजाब नेशनल बैंक के चार्ज के अधीन होगा।
ऋणधारक का ध्यान प्रतिभूत परिसम्पत्तियों को विमोचित करने के लिए उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों के प्रति आकृष्ट की जाती है।

अचल सम्पत्ति का विवरण
श्री रामकेश बसिस्ट, पुत्र स्व. सुजीत सिंह के नाम में ग्राम सराई ख्वाजा, जिला-फरीदाबाद, हरियाणा राज्य की राजस्व सम्पदा के भीतर स्थित ग्रीन फिल्ड्स कॉलोनी के रेजीडेन्स में एरिया माप 44.44 वर्ग यार्ड्स (371.5 वर्ग मी.) में खसरा नं. 61/19 के भाग में मकान सं. 2599, सेक्टर-ए में स्थित फ्रीहोल्ड भूमि एवं भवन के इक्विटैबल मार्टगैज का सभी भाग तथा हिस्सा, बिक्री प्रलेख सं. 138 तिथि 4.4.13
चौहद्दीः उत्तर: प्लॉट नं. 2598, **पश्चिम**: 30 फीट चौड़ा सड़क
दक्षिण: प्लॉट नं. 2600, **पूर्व**: प्लॉट नं. 2584
तिथिः 11.12.2019, स्थानः फरीदाबाद प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब नेशनल बैंक

आसू ने असम में सियासी दल बनाने के संकेत दिए

गुवाहाटी, 15 दिसंबर (भाषा)।

छात्र संघ ने सत्तारूढ़ भाजपा और असम गण परिषद के साथ ही विपक्षी कांग्रेस के विकल्प के तौर पर इस दल के गठन के संकेत दिए हैं

संशोधित नागरिकता कानून के खिलाफ प्रदर्शन कर रही ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (आसू) ने 'शिल्पी समाज' (कलाकार फोरम) के साथ मिलकर राजनीतिक दल के गठन के रविवार को संकेत दिए।

छात्र संघ ने सत्तारूढ़ भाजपा और असम गण परिषद के साथ ही विपक्षी कांग्रेस के विकल्प के तौर पर इस दल के गठन के संकेत दिए हैं। यहां 'शांति एवं सौहार्द कार्यक्रम' नाम की विरोध बैठक को संबोधित करते हुए जब प्रसिद्ध गायक जुबीन गर्ग ने कहा कि, 'हम अपनी खुद की पार्टी बनाएंगे', तब आसू अध्यक्ष दीपांका नाथ ने उनका यह कहते हुए समर्थन किया, 'हम अब उस दिशा में सोच रहे हैं।' नाथ ने कहा, 'हम शिल्पी समाज से बात कर रहे हैं और असम के लोगों से भी अन्य विकल्प पर विचार करने की चर्चा कर रहे हैं। आपकी (लोगों की) अनुमति से, हम उस दिशा में आगे बढ़ने में बिलकुल भी नहीं हिचकिचाएंगे।

उन्होंने कहा, 'आसू अराजनीतिक रहेगा। लेकिन, लोगों के हित में, शिल्पी समाज के साथ मिलकर हम उस दिशा में जाने के लिए तैयार हैं।' राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए आसू अध्यक्ष ने कहा, 'उन्होंने लोगों का दमन करने के लिए अपने तंत्र को खुली छूट दे दी है जिसमें पांच नाबालिग छात्रों की मौत हो गई और कई अन्य को गोलियों से घायल कर दिया गया। यह साफ है कि सर्वानंद सोनोवाल सरकार गिर जाएगी।'

आसू अध्यक्ष ने असम गण परिषद पर राज्य के लोगों के साथ धोखा करने का आरोप लगाया और कहा कि कांग्रेस भी उतनी ही बुरी है।

राजस्थान में एक अप्रैल से लागू होगा 'जन आधार कार्ड'

जयपुर, 15 दिसंबर (भाषा)।

राजस्थान सरकार ने राज्य के नागरिकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ देने के लिए एक नया कार्ड 'जन आधार' लाने की औपचारिक घोषणा कर दी है। अशोक गहलोत सरकार का एक साल पूरा होने के उपलक्ष में 18 दिसंबर को यहां जन आधार योजना की शुरुआत होगी और अगले साल एक अप्रैल से यही कार्ड मान्य होगा।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि नए 'जन आधार कार्ड' के अस्तित्व में आने के बाद पूर्ववर्ती भाजपा सरकार द्वारा चलाया गया 'भामाशाह कार्ड' बंद हो जाएगा। अधिकारी ने कहा कि मौजूदा 'भामाशाह कार्ड' की जगह 'जन आधार कार्ड' जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसे अगले तीन महीने में पूरा कर लिए जाने की उम्मीद है।

भाजपा सरकार द्वारा चलाया गया 'भामाशाह कार्ड' बंद हो जाएगा

उन्होंने कहा कि 'जन आधार कार्ड' 10 अंकों का विशिष्ट नंबर वाला होगा। इसका पंजीयन जन आधार पोर्टल या ई मित्र पर जाकर मुफ्त में कराया जा सकेगा। राज्य के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने इसी सप्ताह कैबिनेट की बैठक के बाद कहा था, 'पूरे राजस्थान में 'भामाशाह कार्ड' 31 मार्च 2020 तक रिप्लेस हो जाएगा। उसके बाद 'जन आधार कार्ड' ही काम में आएगा। 'जन आधार कार्ड' का नंबर अलग से बनेगा। 'भामाशाह कार्ड' का नंबर 31 मार्च 2020 के बाद काम में नहीं आएगा।'

'भामाशाह कार्ड' की शुरुआत 2014 में तत्कालीन वंसुधरा राजे सरकार ने की थी। इसमें परिवार की महिला के नाम पर कार्ड जारी किया जाता है और सार्वजनिक वितरण प्रणाली, निःशुल्क चिकित्सा, पेंशन सहित तमाम सरकारी योजनाओं के लाभ इसी कार्ड के जरिए लाभार्थी को मिलते हैं।

बंदूक लाइसेंस चाहिए तो गोशाला को दान दें दस कंबल

ग्वालियर (मध्य प्रदेश), 15 दिसंबर (भाषा)।

ग्वालियर जिले में बंदूक का लाइसेंस लेने के इच्छुक लोगों के लिए जिला कलेक्टर ने शर्त रखी है कि लाइसेंस चाहने वालों को ग्वालियर की सरकारी गोशाला के लिए 10 कंबल देने होंगे।

कलेक्टर अनुराग चौधरी ने शनिवार को ग्वालियर की लाल टिपारा और गोला का मंदिर स्थित गोशाला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद कलेक्टर चौधरी ने बताया कि गोशाला में गायों को ठंड से बचाने के लिए यह तय किया गया है कि यदि किसी को बंदूक का लाइसेंस चाहिए तो उसे गोशाला को 10 कंबल देने होंगे। संबंधित विभाग के अधिकारियों को इस संबंधी निर्देश दे दिए गए हैं।

कलेक्टर चौधरी ने छह महीने पहले आदेश दिया था कि बंदूक का लाइसेंस चाहने वालों को 10 पौधे लगाने होंगे और उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी लेने के साथ पौधों के फोटो आवेदन के साथ देने होंगे। कलेक्टर ने इस अवधि में बंदूकों के करीब 147 लाइसेंस जारी किए और इस दौरान करीब 1700 पौधे भी लगाए गए। गोला का मंदिर स्थित गोशाला में पिछले हफ्ते ठंड से छह गायों की मौत हुई थी। इसके बाद कलेक्टर चौधरी ने वहां की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करके रेड क्रॉस की ओर से तीन लाख रुपए की धनराशि गोशाला को दी थी। इस समय ग्वालियर में नगर निगम की दो गोशालाएं, गोला का मंदिर और लाल टिपारा में हैं और इनमें करीब 8,000 गाएं हैं।

प्रदूषण : तीन साल में केंद्रीय बोर्ड ने 380 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 15 दिसंबर।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) से मिली जानकारी के मुताबिक 2019-20 (31 अक्तूबर तक) में प्रदूषण संबंधी मामलों में उल्लंघनकर्ताओं पर 122.27 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया है। यह राशि 2017-18 में लगाए गए जुर्माने से करीब चार गुना है। जबकि 2018-19 में सीपीसीबी ने 227 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया। तीन साल में प्रदूषण फैलाने वाली संस्थाओं पर 380 करोड़ रुपए का जुर्माना लगा चुका है।

नोएडा के समाजसेवी रंजन तोमर की आरटीआइ से इसका खुलासा हुआ है। पूछे गए सवाल के जवाब में सीपीसीबी ने कहा कि पिछले तीन साल में 380 करोड़ रुपए का जुर्माना उन लोगों या संस्थानों से वसूला गया है, जो प्रदूषण फैलाते हैं। आरटीआइ के सवाल पर सीपीसीबी के जवाब के अनुसार 2017-18 में 31.76 करोड़ रुपए का जुर्माना वसूला गया था। जो 2018-19 में 227.94 करोड़ रुपए हो गया।

जजों की तरक्की में प्रदर्शन की अहमियत नहीं

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 15 दिसंबर।

अधीनस्थ न्यायपालिका में तरक्की के लिए न्यायिक अधिकारी के बेहतर कामकाज का कोई फायदा नहीं। खुद कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद ने पिछले हफ्ते राज्यसभा में एक सवाल के जवाब में यह बात मानी। भाजपा के ही नीरज शेखर ने सरकार से सवाल पूछा था कि क्या अरसे से लंबित मुकदमों का त्वरित निपटारा करने वाले जजों को तरजीह देने की सरकार की कोई नीति है? जवाब में कानून मंत्री ने कहा कि न तो ऐसी कोई नीति है और न ही सरकार के पास ऐसा कोई प्रस्ताव फिलहाल विचाराधीन है।

प्रधानमंत्री और कानून मंत्री कई बार कह चुके हैं कि अपराध बढ़ने के पीछे एक वजह अदालतों से मुकदमों का वक्त पर निपटारा न हो पाना भी है। खुद न्यायपालिका भी मानती है कि देर से मिला न्याय एक तरह से न्याय नहीं मिलने जैसा है। देरी के कारणों में एक तो अदालतों की जरूरत के मुताबिक संख्या न होना है तो दूसरा वकीलों और अभियोजन की मामलों को लटकाए रखने की मंशा। पर एक कारण जजों की काम करने की क्षमता और रफ्तार भी है। कुछ जज उसी अवधि में ज्यादा मामलों का निपटारा करते हैं, जिसमें दूसरे जज नहीं कर पाते। पर ऐसे जजों को न कोई अतिरिक्त आर्थिक लाभ दिया जाता है और न तरक्की में वरीयता।

कानून मंत्री ने पिछले हफ्ते राज्यसभा में एक सवाल के जवाब में यह बात मानी।

नीरज शेखर ने दिल्ली के अतिरिक्त सेशन जज देवेंद्र कुमार शर्मा के उत्कृष्ट कामकाज के बारे में भी कानून मंत्री से सवाल किया था। दिल्ली की कड़कड़डूमा अदालत में तैनाती के दौरान शर्मा ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों पर अमल करते हुए बिजली चोरी के अपराध से जुड़े मामलों को पूरी तरह निपटा दिया। कानून मंत्री ने माना कि शर्मा ने 31 जुलाई, 31 अगस्त और 30 सितंबर को पांच साल से लेकर 10 साल तक की मियाद वाले सभी मुकदमों में फैसला सुना दिया जिससे इस तरह का उनकी अदालत में एक भी मामला बाकी नहीं बचा। अच्छे प्रदर्शन के बावजूद शर्मा बारी से पहले जिला जज के रूप में तरक्की की कल्पना भी नहीं कर सकते।

किसी भी पार्टी से चुनाव बाद गठबंधन कर सकते हैं : सुदेश महतो

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (भाषा)।

झारखंड में भाजपा की पूर्व सहयोगी आजसू पार्टी ने रविवार को संकेत दिया कि वह ऐसी किसी भी पार्टी के साथ चुनाव बाद गठबंधन के लिए तैयार है जो उसके बेहतर व समावेशी शासन के एजेंडे को पूरा करती हो।

आजसू पार्टी के प्रमुख सुदेश महतो ने कहा कि पार्टी के लिए उसका मिशन 'अबकी बार गांव की सरकार' सर्वोपरि है जो गांवों को शासन प्रणाली का मूलभूत हिस्सा बनाने के लिए है। उन्होंने भाजपा और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि दोनों राष्ट्रीय पार्टियां 'एक जैसी' हैं और दोनों ने राज्य को नजरंदाज किया।

यह पूछे जाने पर कि राज्य में खंडित जनादेश आने पर उनकी पार्टी किसका समर्थन करेगी, उन्होंने फोन पर कहा, 'मैं किसी पार्टी या व्यक्ति की सरकार नहीं बनाना चाहता। मैं झारखंड के लोगों की सरकार चाहता हूं जो लोगों की समग्र विकास के लिए काम करे। मेरे लिए कांग्रेस और भाजपा एक जैसी हैं।' उन्होंने कहा, 'हमारे लिए हमारा एजेंडा 'अबकी बार, गांव की सरकार' सबसे महत्त्वपूर्ण है। यह शासन, वितरण प्रणाली और गांवों को इसका मूलभूत हिस्सा बनाने पर जोर देता है। हम महात्मा गांधी के स्वराज के सपने को साकार करना चाहते हैं।' महतो ने अपनी पार्टी की पूर्ववर्ती सहयोगी भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पार्टी स्थानीय मुद्दों को महत्व दिए बिना चुनाव जीतना चाहती है।

उन्होंने कहा, 'भाजपा का 'अबकी बार 65 पार' का नारा कहां है? पार्टी ने इसे अब उठाना बंद कर दिया है और इसके बजाय राममंदिर के बारे में बातें कर रही है। वह स्थानीय मुद्दों को नजरंदाज करके चुनाव नहीं जीत सकती।' उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने भरोसा दिया था कि अयोध्या मुद्दे पर कोर्ट के फैसले पर कोई राजनीति नहीं होगी लेकिन अब वह राज्य में चुनाव प्रचार के दौरान मंदिर मुद्दा उठा रहे हैं।

यह पूछे जाने पर कि क्या संशोधित नागरिकता कानून का चुनाव पर प्रभाव होगा, महतो ने कहा कि ये 'ध्यान बंटाने की रणनीति' काम नहीं करेगी। आजसू पार्टी ने 2104 विधानसभा चुनाव भाजपा के साथ गठबंधन करके लड़ा था। पार्टी ने आठ सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे जिनमें से उसने पांच पर जीत दर्ज की थी।

एसएसएलवी के लिए इसरो को 11.97 करोड़ रुपए

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (भाषा)।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी) का विकास कर रहा है और इस परियोजना के लिए सरकार को संसद से 11.97 करोड़ रुपए के प्रस्ताव पर मंजूरी मिल गई है। अनुदान की पूरक मांग संबंधी दस्तावेज से यह जानकारी मिली है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान पेश 2019-20 की अनुदान की पूरक मांगों के पहले बैच के दस्तावेज के अनुसार, 'लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी) के विकास के लिए 11.97 करोड़ रुपए का प्रस्ताव किया गया है।' संसद में अनुदान की पूरक मांगों पर चर्चा के बाद इसे मंजूरी मिल गई।

एसएसएलवी का विकास छोटे वाणिज्यिक उपग्रहों को पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित करने के मकसद से किया जा रहा है। इसकी अनुमानित लागत 30 करोड़ रुपए है। इसकी पहली उड़ान अगले साल के प्रारंभ में होने की संभावना है। इसरो की वेबसाइट से प्राप्त जानकारी के अनुसार, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने अब तक 33 देशों के 319 उपग्रहों को अंतरिक्ष में भेजा है। इन देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, कोरिया, कनाडा, जर्मनी, बेल्जियम, इटली, फिनलैंड, इजराइल जैसे देश शामिल हैं।

इंस्टीट्यूट आफ डिफेंस रिसर्च एंड एनालिसिस के वरिष्ठ फेलो कैप्टन अजय लेले ने बताया कि इसरो अपने अधिकतर उपभोक्ताओं के उपग्रहों का प्रक्षेपण ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान के जरिये करता है। हालांकि घरेलू प्रतिबद्धताओं एवं विभिन्न प्रकार के उपग्रहों को अंतरिक्ष में भेजने की योजना को आगे बढ़ाने के क्रम में इस पर भार बढ़ता है। उन्होंने कहा कि कई बार नैनो उपग्रहों को भी पीएसएलवी के माध्यम से ही प्रक्षेपित किया जाता है।

STATE BANK OF INDIA
एसएमई शाखा, एनईपीजेड, नोएडा
एनईपीजेड प्रशासनिक खंड फेज-2, नोएडा, गौतम बुध नगर, 201305, उत्तर प्रदेश, ईमलःsbi.09837@sbi.co.in

मांग सूचना

आप नीचे वर्णित ऋणधारकों ने अनुसूची में वर्णित सम्पत्ति को गिरवी रख कर ऋण प्राप्त किया है तथा आप नीचे वर्णित ऋण अनुबंध के लिये ऋणधारक/सह-ऋणधारक/ गारन्टर बने हैं। आपके द्वारा की गई चूक के उपरांत वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (संक्षेप में सरफैसी अधिनियम) के प्रावधानों के अंतर्गत आपकी ऋण खाता को गैर प्रचालन परिसम्पत्तियों के रूप में वर्गीकृत कर दिया गया है।

भारतीय स्टेट बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने आपके द्वारा दिये गए पते पर सरफैसी अधिनियम की धारा 13 (13) के साथ पठित धारा 13 (2) के अंतर्गत मांग सूचना जारी किया। यह सूचना पंजीकृत डाक से भेजी गई जो आपको प्राप्त हुए बिना वापस लौट आई। इस सूचना का विषय-वस्तु यह है कि आपने आपको स्वीकृत विभिन्न ऋणों के भुगतान में चूक की है। अतः वर्तमान प्रकाशन सरफैसी अधिनियम की धारा 13 (2) के प्रावधान तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 (1) के प्रावधानों के अनुसार सूचना के रूप में जारी की जा रही है।

खाता, ऋणधारक (कों) एवं स्युरिटीज, शाखा कार्यालय का नाम एवं पता	प्रवर्त्तित की जाने वाली प्रतिभूति का विवरण	13 (2) सूचना के अनुसार बकाया राशि	एनपीए/13 सूचना की तिथि
ऋणधारकः मोल्ड 2स्पेक्स प्लास्टिक प्राईवेट लिमिटेड, पंजी. कार्यालयः 2320 बी, 2रा तल, तिलक नगर, दिल्ली-110018, प्रशासनिक कार्यालय के साथ ही साथ प्लान्ट/फैक्ट्रीः 409-410, ईकोटेक एक्स्टेंशन, सिटी-ग्रेटर नोएडा, जिला गौतम बुध नगर-201310 (उ.प्र.), वर्तमान पताः 149, ओल्ड ग्लोरी कोट, फ्रीमॉन्ट, सीए, यूएस-94523 गारन्टरोंः 1. सुरजीत सिंह बिरदी, ए-433, सेक्टर-46, नोएडा, उत्तर प्रदेश-201301 ख) ए-4, मणिक विहार, नई दिल्ली-110018 ग) 149, ओल्ड ग्लोरी कोट, फ्रीमॉन्ट, सीए, यूएस-94523 2. गुरप्रीत सिंह विरदी, ए-433, सेक्टर-46, नोएडा, उत्तर प्रदेश-201301 3. गुरशरण कौर विरदी, ए-433, सेक्टर-46, नोएडा, उत्तर प्रदेश-201301	1) फैक्ट्री परिसरों अथवा अन्यत्र पड़ी हुई सभी चालू परिसम्पत्तियों वर्तमान एवं भविष्य के, का हाइपोथेकेशन सहित तैयार सामग्री, अर्ध-निर्मित वस्तुओं, कच्चे माल तथा भंडार का हाइपोथेकेशन। 2) सम्पूर्ण प्लान्ट एवं मशीनरी सहित सम्पूर्ण निर्धारित परिसम्पत्तियों का हाइपोथेकेशन। पार्ट-II (अचल) श्री सुरजीत सिंह बिरदी के स्वामित्व में मकान सं. आई-418, अल्फा-2, ग्रेटर नोएडा-201301 (उ.प्र.) माप कुल क्षेत्रफल 40 वर्ग मी. का इक्विटैबल मार्टगैज।	29.07.2019 से ब्याज तथा लागत आदि के साथ 28.7.2019 को रु. 54,20,283.00 (रुपये चौवन लाख बीस हजार दो सौ तिड़ासी मात्र)	28.7.2019 5.8.2019

एतद्द्वारा आपको निर्देश दिया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 60 दिनों के भीतर ब्याज के साथ उपरोक्त राशि का भारतीय स्टेट बैंक को भुगतान करें, अन्यथा भारतीय स्टेट बैंक ऋणधारकों, मार्टगैजरों तथा गारन्टरों के प्रतिभूत परिसम्पत्तियों का कब्जा लेने सहित सभी या किसी एक या उससे अधिक प्रतिभूत परिसम्पत्तियों के विरुद्ध उक्त अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत आवश्यक कार्रवाई करेगा। उक्त अधिनियम के अंतर्गत भारतीय स्टेट बैंक को उपलब्ध शक्तियों में शामिल हैंः 1) प्रतिभूत परिसम्पत्तियों की उगाही के लिये पट्टा, एसाइन्मेन्ट अथवा बिक्री द्वारा अंतरण के अधिकार सहित ऋणधारकों/गारन्टरों की प्रतिभूत परिसम्पत्तियों का कब्जा करना, 2) प्रतिभूत परिसम्पत्तियों की उगाही के लिये पट्टा, एसाइन्मेन्ट या बिक्री द्वारा अंतरण के अधिकार सहित प्रतिभूत परिसम्पत्तियों के प्रबंधन का अधिग्रहण तथा भारतीय स्टेट बैंक द्वारा प्रतिभूत परिसम्पत्तियों का किसी भी रूप में अंतरण प्रतिभूत अंतरित परिसम्पत्तियों के संदर्भ में ऐसा माना जायेगा कि उसका अंतरण आपके द्वारा ही किया गया हो।

उक्त अधिनियम की धारा 13 (13) के प्रावधानों के अनुसार आप ऊपर वर्णित किसी भी प्रतिभूत परिसम्पत्तियों तथा साथ ही बैंक के पास हाइपोथेकेटेड/गिरवी सम्पत्तियों का भारतीय स्टेट बैंक की पूर्व स्वीकृति प्राप्त किये बिना बिक्री, पट्टा या अन्य रूप से (अपने व्यवसाय की सामान्य प्रक्रिया को छोड़कर) अंतरित करने से एतद्द्वारा प्रतिबंधित किये गये हैं।

''आपका ध्यान सरफैसी अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों के प्रति आकृष्ट की जाती है जिसके अंतर्गत केवल सार्वजनिक नीलामी द्वारा, जनता से कोटेशन, निविदा आमंत्रित कर अथवा निजी संधि द्वारा प्रतिभूत परिसम्पत्ति(यों) की बिक्री की सूचना के प्रकाशन की तिथि तक ही बैंक द्वारा वहन की गई सभी लागतों, चार्जो एवं खर्चे के साथ सम्पूर्ण बकाया राशि का भुगतान कर सकते हैं। कृपया यह भी ध्यान रहे कि यदि सार्वजनिक नीलामी, जनता से कोटेशन, निविदा आमंत्रित कर अथवा निजी संधि द्वारा प्रतिभूत परिसम्पत्तियों की बिक्री के लिये सूचना के प्रकाशन से पूर्व आप बैंक द्वारा वहन की गई लागतों, चार्जेज तथा खर्चे के साथ सम्पूर्ण बकाया राशि का भुगतान नहीं करते हैं तो आप प्रतिभूत परिसम्पत्ति (यों) को विमोचित करने के लिये अधिकृत नहीं होंगे।

यह सूचना विधि के लागू होने वाले किसी अन्य प्रावधानों के अंतर्गत वह जो भी उपयुक्त समझे ऐसी उपयुक्त कार्रवाई अथवा कानूनी कार्रवाई शुरू करने के बैंक के अधिकार के प्रति पूर्वाग्रह-रहित है।

तिथिः 16.12.2019, स्थानः ग्रेटर नोएडा — प्राधिकृत अधिकारी, भारतीय स्टेट बैंक

महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम) सीआईएन : L32101DL1986GOI023501
पंजीकृत एवं निगम कार्यालय : महानगर दूरसंचार सदन, पंचम तल, 9 सीजीओ कॉम्प्लैक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003. फोन : 011-24319020, फैक्स : 011-24324243, वेबसाइट : www.mtnl.net.in, www.bol.net.in

असाधारण आम बैठक एवं ई-वोटिंग हेतु सूचना

1. एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि कंपनी की असाधारण आम बैठक (ईजीएम) बुधवार, 08 जनवरी, 2020 को प्रातः 11:30 बजे ऑडिटोरियम, महानगर दूरसंचार सदन, 9 सीजीओ कॉम्प्लैक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003 में आयोजित की जाएगी। बैठक में किए जाने वाले व्यापार के लेन-देन की विस्तृत सूचना कंपनी के सभी सदस्यों को उनके पंजीकृत पते पर भेज दी गयी है और यह वेबसाइट www.mtnl.net.in तथा सीडीएसएल की वेबसाइट www.evotingindia.com पर भी उपलब्ध है।

2. ईजीएम की सूचना इलेक्ट्रॉनिक रूप से उन सदस्यों को भेजी गई है जिन्होंने अपना ई-मेल पता पंजीकृत किया हुआ है। ऐसा कोई भी सदस्य जो ईजीएम की सूचना की भौतिक प्रति प्राप्त करना चाहता है तो वह कंपनी को लिख सकता है और उसे यह निःशुल्क प्रदान की जाएगी। कोई भी सदस्य, जिसे सूचना प्राप्त नहीं हुई है या कोई भी निवेशक जो सूचना के प्रेषण के बाद कंपनी का सदस्य बना है, वह सूचना की प्रति प्राप्त करने के लिए कंपनी सचिव को पंजीकृत कार्यालय के पते पर अनुरोध भेज सकता है और व्यक्तिगत रूप से ईजीएम में भाग भी ले सकता है या प्रॉक्सी को नियुक्त कर सकता है।

3. सदस्यों के पास सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड (सीडीएसएल) द्वारा प्रदान की गई दूरस्थ ई-वोटिंग सेवाओं द्वारा ईजीएम में इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से मतदान करने के अपने अधिकार का उपयोग करने का विकल्प है। दूरस्थ ई-वोटिंग की अवधि शनिवार, 04 जनवरी, 2020 को प्रातः 9:00 बजे प्रारंभ होगी और मंगलवार, 07 जनवरी, 2020 को सायं 5:00 बजे समाप्त होगी, जिसके बाद सीडीएसएल द्वारा दूरस्थ ई-वोटिंग को अक्षम कर दिया जाएगा।

4. ईजीएम में भाग लेने और वोट करने का अधिकार रखने वाले सदस्य को, सदस्य की ओर से उपस्थित होने और मतदान करने के लिए प्रॉक्सी नियुक्त करने का अधिकार है। इस तरह के प्रॉक्सी को कंपनी का सदस्य होना आवश्यक नहीं है। प्रॉक्सी की नियुक्ति को वैध और प्रभावी बनाने के लिए, नियुक्ति करने वाला कागजात विधिवत भर कर, मोहर लगा कर एवं हस्ताक्षर करके बैठक शुरू होने से अड़तालीस (48) घंटे से पहले कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में अवश्य पहुँच जाना चाहिए।

5. ऐसा व्यक्ति जिसका नाम सदस्यों के रजिस्टर में या डिपॉजिटरी द्वारा बनाए गए लाभार्थी स्वामियों के रजिस्टर में कट-ऑफ तिथि अर्थात 01 जनवरी, 2020 तक दर्ज किया गया है, केवल उसे ही दूरस्थ ई-वोटिंग की सुविधा प्राप्त करने के साथ-साथ ईजीएम में मतदान का अधिकार होगा। कोई भी व्यक्ति जिसके पास कंपनी के शेयर हैं और ईजीएम की सूचना के प्रेषण के बाद कंपनी का सदस्य बन जाता है तथा उक्त कट-ऑफ तिथि को उसके पास शेयर हैं, वह helpdesk.evoting@cdslindia.com पर अनुरोध भेजकर यूजर आईडी और पासवर्ड प्राप्त कर सकता है। यदि कोई व्यक्ति पहले से ही दूरस्थ ई-वोटिंग के लिए सीडीएसएल के साथ पंजीकृत है तो मौजूदा यूजर आईडी और पासवर्ड का उपयोग वोट डालने के लिए किया जा सकता है।

6. ईजीएम में बैलेट पेपर के माध्यम से वोटिंग करने की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

7. जो सदस्य बैठक से पहले दूरस्थ ई-वोटिंग द्वारा अपना वोट डाल चुके हैं, वे बैठक में भाग ले सकते हैं, लेकिन उन्हें ईजीएम में पुनः वोट देने का अधिकार नहीं होगा। तथापि, यदि किसी सदस्य ने अपना वोट इलेक्ट्रॉनिक रूप के साथ-साथ बैलेट पेपर के माध्यम से डाला है, तो बैलेट पेपर के माध्यम से डाले गए वोट को नजरअंदाज कर दिया जाएगा।

8. किसी भी पूछताछ के मामले में, आप वेबसाइट www.evotingindia.com पर उपलब्ध सदस्यों के लिए अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों (एफएक्यू) और 'डाउनलोड्स सेक्शन' के तहत उपलब्ध सदस्यों के लिए ई-वोटिंग यूजर मैनुअल को देख सकते हैं या आप "श्री राकेश दलवी (प्रबंधक), सीडीएसएल, ए विंग, 25वां तल, मैराथन फ्यूचरेक्स, मफतलाल मिल्स कम्पाउंड्स, एन एम जोशी मार्ग, लोअर परेल (ई), मुंबई-400013, ई-मेल : helpdesk.evoting@cdslindia.com, फोन : 1800 225 533" पर संपर्क कर सकते हैं।

9. प्रस्तावों पर परिणाम कंपनी के ईजीएम के समापन के 48 घंटे से पहले घोषित नहीं किये जायेंगे। सदस्यों की सूचना हेतु संवीक्षक की रिपोर्ट के साथ घोषित किए गए परिणामों को कंपनी की वेबसाइट www.mtnl.net.in और मैसर्स सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड (सीडीएसएल) की वेबसाइट www.cdslindia.com पर डाला जाएगा और स्टॉक एक्सचेंजों को भी सूचित किया जाएगा।

कृते महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड
स्थान : नई दिल्ली — एस.आर. सयाल
दिनांक : 10.12.2019 — कम्पनी सचिव

फार्म जी
अभिरुचि की अभिव्यक्ति के लिए आमंत्रण
{दिवाला तथा दिवालिया (कॉर्पोरेट व्यक्तियों के लिये दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया) विनियमन, 2016 के विनियमन 36ए (1) के अंतर्गत}
संबंधित विवरण

1.	कॉर्पोरेट ऋणधारक का नाम	सुन्दर एग्रोमिल्स प्राईवेट लिमिटेड
2.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के निगमन की तिथि	11.10.2013
3.	वह प्राधिकरण जिसके अंतर्गत कॉर्पोरेट ऋणधारक निगमित/पंजीकृत हैं	आरओसी, दिल्ली
4.	कॉर्पोरेट पहचान संख्या	U74999DL2013PTC259119
5.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के पंजीकृत कार्यालय तथा प्रधान कार्यालय, यदि कोई हो, का पता	पंजीकृत कार्यालयः कार्यालय नं. 1107, 11वाँ तल, डी-माल, प्लॉट नं. ए-1, नेताजी सुभाष प्लेस, पीतमपुरा, उत्तर दिल्ली-110034
6.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के संदर्भ में दिवाला आरंभ होने की तिथि	21.8.2019
7.	अभिरुचि की अभिव्यक्ति के आमंत्रण की तिथि	16.12.2019
8.	संहिता की धारा 25(2) (एच) के अंतर्गत प्रस्ताव आवेदकों की पात्रता उपलब्ध हैः	insolvencyandbankruptcy.in (यह प्रस्ताव कर्मी के आईपीई की वेबसाइट है)
9.	धारा 29ए के अंतर्गत लागू होने वाले अयोग्यता का मानक उपलब्ध है।	insolvencyandbankruptcy.in (यह प्रस्ताव कर्मी के आईपीई की वेबसाइट है)
10.	अभिरुचि की अभिव्यक्ति प्राप्ति की अंतिम तिथि	31.12.2019
11.	संभावित प्रस्ताव आवेदकों की अस्थाई सूची जारी होने की तिथि	10.01.2020
12.	अस्थाई सूची के प्रति आपत्ति जमा करने की अंतिम तिथि	15.01.2020
13.	संभावित प्रस्ताव आवेदकों की अंतिम सूची जारी होने की तिथि	25.01.2020
14.	संभावित प्रस्ताव आवेदकों को प्रस्ताव योजना के लिये सूचना मेमोरैण्डम, मूल्यांकन मैट्रिक्स तथा अनुरोध जारी होने की तिथि	15.01.2020
15.	प्रस्ताव योजना, मूल्यांकन मैट्रिक्स, सूचना मेमोरैण्डम तथा अधिक जानकारी प्राप्त करने का तरीका	आईबीसी, 2016 की धारा 29ए के अंतर्गत निवेश की क्षमता, प्रबंधन की योग्यता तथा पात्रता तथा यदि सीओसी द्वारा स्वीकृत कोई हो, पूर्व-योग्यता मानदंड की जांच-पड़ताल के बाद प्रस्ताव कर्मी इलेक्ट्रॉनिक पद्धति में प्रस्ताव योजना/मूल्यांकन मैट्रिक्स/सूचना मेमोरैंडम के लिये अनुरोध शेयर करेंगे।
16.	प्रस्ताव योजना जमा करने की अंतिम तिथि	14.02.2020
17.	प्रस्तावकर्मी के पास प्रस्ताव योजना जमा करने का तरीका	क्रम सं. 21 के समक्ष वर्णित ईमेल आईडी पर इलेक्ट्रॉनिक पद्धति में।
18.	स्वीकृति के लिये निर्णायक प्राधिकरण के पास प्रस्ताव जमा करने की अनुमानित तिथि	क्रेडीटरों की समिति (सीओसी) के सदस्यों द्वारा स्वीकृत होने पर यथा शीघ्र
19.	प्रस्ताव कर्मी का नाम तथा पंजीकरण संख्या	श्री अनिल कुमार मित्तल, आईपी पंजीकरण सं. IBBI/IPA-002/IP-N00742/2018-2019/12263
20.	बोर्ड में यथा-पंजीकृत प्रस्ताव कर्मी का नाम, पता तथा ई-मेल	श्री अनिल कुमार मित्तल 5/99, सेक्टर-2, राजेन्दर नगर, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201005 ई-मेल आईडीः mittalanil.ubi@gmail.com
21.	प्रस्ताव कर्मी के साथ पत्राचार के लिये प्रयोग करने के लिये पता तथा ईमेल	अनिल कुमार मित्तल पताः ई-10ए, कैलाश कॉलोनी, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली-110048 sunderagromills@aaainsolvency.com anilmittal@aaainsolvency.com
22.	विस्तृत विवरण उपलब्ध हैं	www.insolvencyandbankruptcy.in (यह आरपी के आईपीई की वेबसाईट है)
23.	फार्म जी के प्रकाशन की तिथि	16.12.2019

अनिल कुमार मित्तल
AAA Insolvency Professionals LLP
प्रस्ताव कमी-सुन्दर एग्रोमिल्स प्राईवेट लिमिटेड के मामले में
IBBI/IPA-002/IP-N00742/2018-2019/12263
ईमेल आईडीः mittalanil.ubi@gmail.com, sunderagromills@aaainsolvency.com
सम्पर्क का विवरणः ई-10ए, कैलाश कॉलोनी, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली-110048
सम्पर्क नं. 011-46664600

FSL फ्रंटलाइन सिक्योरिटीज लिमिटेड
पंजी. कार्यालय : एम-6, द्वितीय तल, एम-ब्लॉक मार्केट, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली-110048
शाखा कार्यालय : बी-22, सैक्टर-4, नोएडा, उत्तर प्रदेश-201301
सीआईएन : L65100DL1994PLC058837, वेब : www.fslindia.com, ई-मेल : secretarial@fsltechnologies.com

30 सितम्बर, 2019 को समाप्त तिमाही और अर्द्ध वर्ष हेतु अलेखापरीक्षित पृथक्कृत वित्तीय परिणामों का संक्षिप्त विवरण
(रु. लाख में, सिवाय ईपीएस)

क्र. सं.	विवरण	तिमाही समाप्त 30-09-2019 (अलेखापरीक्षित)	अर्द्ध वर्ष समाप्त 30-09-2019 (अलेखापरीक्षित)	तिमाही समाप्त 30-09-2018 (अलेखापरीक्षित)
1	कुल आय	165.75	335.02	213.04
2	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर तथा/अथवा अपवाद मदों से पूर्व)	125.32	253.07	165.17
3	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) कर से पहले (अपवाद मदों के बाद)	125.32	253.07	165.17
4	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) कर पश्चात (अपवाद मदों के बाद)	59.30	176.26	114.32
5	अवधि हेतु कुल समावेशी आय [जिसमें अवधि हेतु लाभ/(हानि) (कर पश्चात) तथा अन्य समावेशी आय सम्मिलित है]	(46.50)	6.98	(17.46)
6	इक्विटी शेयर पूंजी	498.53	498.53	592.78
7	अन्य इक्विटी, पुनर्मूल्यन संचेय छोड़कर	-	-	-
8	प्रति शेयर अर्जन (अंकित मूल्य रु. 5/- प्रत्येक) (पूर्व वर्ष रु. 10/- प्रत्येक का) (वार्षिकृत नहीं)			
	(क) मूल	0.57	1.68	1.93
	(ख) तनुकृत	0.57	1.68	1.93

नोट्स :-

1) उपरोक्त विवरण सेबी (सूचीयन दायित्व और अन्य प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियमावली, 2015 सर्कुलर नंबर सीआईआर/सीएफडी/एफएसी/62/2016 दिनांकित 5 जुलाई, 2016 द्वारा संशोधित, के विनियम 33 के तहत स्टॉक एक्सचेन्जेज में प्रस्तुत किए गए 30 सितम्बर, 2019 को समाप्त तिमाही और अर्द्ध वर्ष हेतु वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का सारांकित रूप है। 30 सितम्बर, 2019 को समाप्त तिमाही और अर्द्ध वर्ष का पूर्ण विवरण एक्सचेंज की वेबसाइट (www.bseindia.com) तथा कम्पनी की वेबसाइट (www.fslindia.com) पर उपलब्ध है।

2) फ्रंटलाइन सिक्योरिटीज लिमिटेड ने कम्पनी अधिनियम 2013 ('अधिनियम') की धारा 133 के साथ पठित कम्पनी (भारतीय लेखाकन मानक) नियमावली, 2015 के अधीन अधिसूचित भारतीय लेखाकन मानक ('आईएनडी एएस') 01 अप्रैल, 2019 से लागू किए हैं और पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष का आरंभिक लेने के लिए इस परिवर्तन की प्रभावी तिथि 01 अप्रैल, 2018 है। यह परिवर्तन अधिनियम और तदधीन जारी किए गए नियमों तथा भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी किए गए दिशानिर्देशों (सामूहिक रूप से "पूर्व जीएएपी" कहा गया है) के अधीन अधिसूचित पूर्व लेखांकन मानकों से निष्पादित किया गया है। तदनुसार परिवर्तन का प्रभाव 01 अप्रैल, 2018 को आरंभिक संचय में अभिलेखबद्ध किया गया है और संगत आंकड़े, जो इन परिणामों में प्रस्तुत किए गए हैं, पुनर्व्यवस्थित/पुनर्वर्गीकृत किए गए हैं।
यह संभावना है कि चालू और पूर्व अवधि हेतु इन वित्तीय परिणामों में, नए मानकों, विद्यमान मानकों में संशोधनों, कार्पोरेट मंत्रालय तथा आरबीआई द्वारा जारी दिशानिर्देशों अथवा आईएनडी एएस 101 – भारतीय लेखा मानकों का प्रथम बार अंगीकरण के अधीन अनुमत कतिपय आईएनडी एएस के पूर्ण पूर्वप्रभावी अनुप्रयोग से एक अथवा अधिक ऐच्छिक छूटों के प्रयोग से उत्पन्न होने वाली वित्तीय रिपोर्टिंग अपेक्षाओं में परिवर्तन के कारण समायोजनों की आवश्यकता हो सकती है, जो आईएनडी एएस के अधीन तैयार किए गए 31 मार्च, 2020 को समाप्त वर्ष हेतु वित्तीय विवरणों को अंतिम रूप देने पर उत्पन्न हो सकती है।

3) आईएनडी-एएस के प्रावधान कम्पनी के लिए पहली बार 01 अप्रैल, 2019 से लागू हुए हैं। सेबी सर्कुलर सीआईआर/सीएफडी/एफएसी/62/2016 दिनांकित 5 जुलाई, 2016 के आधार पर, जिसमें व्यवस्था दी गई है कि आईएनडी एएस प्रभावी होने के पश्चात सितम्बर तिमाही हेतु तिमाही परिणाम अनुमोदित करने हेतु बोर्ड की बैठक उस वर्ष 14 दिसम्बर तक आयोजित की जा सकती है और तदनुसार कम्पनी ने इसकी बोर्ड की बैठक 14 दिसम्बर, 2019 को आयोजित की है।

4) उपरोक्त वित्तीय परिणाम लेखापरीक्षा समिति द्वारा पुनरीक्षित किए गए थे और तदुपरांत निदेशक मंडल द्वारा दिनांक 14 दिसम्बर, 2019 को आयोजित उनकी संबंधित बैठक में अनुमोदित किए गए थे।

5) 30 सितम्बर, 2019 को समाप्त तिमाही और अर्द्ध वर्ष हेतु कम्पनी के वित्तीय परिणाम आईएनडी एएस के अनुसार तैयार किए गए हैं तथा कम्पनी के सांविधिक लेखापरीक्षकों द्वारा उपरोक्त वित्तीय परिणामों का सीमित पुनरीक्षण किया गया है। 30 सितम्बर, 2018 को समाप्त पूर्व संगत अवधि हेतु आईएनडी एएस अनुसारी संगत आंकड़े सांविधिक लेखापरीक्षकों द्वारा पुनरीक्षित नहीं किए गए हैं। तथापि, प्रबंधकों ने यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सम्यक सतर्कता बरती है कि वित्तीय परिणाम कम्पनी के कार्यों की सही एवं निष्पक्ष तस्वीर प्रस्तुत करते हैं।

6) जैसाकि आईएनडी एएस 101 के पैराग्राफ – भारतीय लेखांकन मानकों का सर्वप्रथम बार लागू किया जाना – द्वारा अपेक्षित है, जीएएपी तथा आईएनडी एएस के अधीन रिपोर्ट किए गए कर के शुद्ध आंकड़ों के बीच शुद्ध लाभ मिलान नीचे दिया गया है :
(रु. लाख में)

विवरण	30 सितम्बर, 2018 को समाप्त तिमाही	30 सितम्बर, 2018 को समाप्त अर्द्ध वर्ष
शुद्ध लाभ/हानि, पूर्व जीएएपी के अनुसार	**145.84**	**279.20**
जोड़े/घटाएं : समायोजन		
लीज होल्ड भूमि का ऋण शोधन	(1.26)	(2.52)
निवेश का उचित मूल्यांकन	(25.97)	(75.43)
आईएनडी एएस के लेखा पर प्रास्थगित कर प्रभाव	(4.30)	23.59
आईएनडी एएस के अनुसार अन्य समायोजन	0.01	0.01
शुद्ध लाभ/हानि, आईएनडी एएस के अनुसार	**114.32**	**224.85**
कर पश्चात अन्य समावेशी आय, आईएनडी एएस के अनुसार	(131.78)	(229.48)
अवधि हेतु कुल समावेशी आय	**(17.46)**	**(4.63)**

7) आईएनडी एएस लागू करने के परिणामस्वरूप 30 सितम्बर, 2019 को समाप्त तिमाही और अर्द्ध वर्ष हेतु कुल समावेशी आय (जिसमें अवधि हेतु लाभ/(हानि) (कर पश्चात) तथा अन्य समावेशी आय सम्मिलित है, रु. (46.50) लाख तथा रु. 6.98 लाख रही है, जो उक्त परिणाम पूर्व जीएएपी के अनुसार तैयार किए जाने पर रु. 98.04 लाख तथा रु. 181.92 लाख होती।

8) 30 सितम्बर, 2019 को समाप्त तिमाही के दौरान, कम्पनी ने अपने इक्विटी शेयर्स का क्रय पूर्ण कर लिया है, जिसके परिणामस्वरूप इक्विटी शेयर्स की संख्या 11855692 से 9970541 कम हो गई थी, इक्विटी शेयर पूंजी रु. 5,92,78,460/- से कम होकर रु. 4,98,52,705/- रह गई थी। कम्पनी के इसके शेयरधारकों को भुगतान करने हेतु लाभ एवं हानि खाते से रु. 7,54,06,040/- की राशि का उपयोग किया है।

9) 30 सितम्बर, 2019 को समाप्त तिमाही और अर्द्ध वर्ष हेतु मूल और तनुकृत ईपीएस (प्रति शेयर अर्जन) का परिकलन पुनःक्रय के पश्चात घटी भारित औसत शेयर पूंजी पर किया है।

10) पूर्व वर्ष के आंकड़े, जहां कहीं आवश्यक है, उनको चालू अवधि के वर्गीकरण/प्रकटीकरणों के साथ संगत बनाने के लिए पुनर्समूहित/पुनर्व्यवस्थित किए गए हैं।

11) उपरोक्त विवरण में 31 मार्च, 2019 को समाप्त पूर्व वर्ष हेतु तुलनात्मक तथा परिणामों का आईएनडी एस अनुसारी विवरण सम्मिलित नहीं है, क्योंकि यह सेबी के सर्कुलर दिनांकित 5 जुलाई, 2016 के अनुसार अनिवार्य नहीं है।

कृते एवं हिते निदेशक मंडल
फ्रंटलाइन सिक्योरिटीज लिमिटेड
हस्ता./-
गौरी शंकर पांडे
(पूर्णकालिक निदेशक एवं मुख्य वित्तीय अधिकारी)
डीआईएन :- 00050614
स्थान : नोएडा
तिथि : 14 दिसम्बर, 2019

www.readwhere.com

खबर कोना

श्रीलंकाई गोल्फर मिथुन परेरा रविवार को कोलकाता में आइसीसी आरसीजीसी ओपन गोल्फ ट्रॉफी के साथ।

घरेलू क्रिकेट खेलकर खुद को निखारें पंत : किरमानी

लखनऊ, 15 दिसंबर (भाषा)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर सैयद किरमानी ने पंत को घरेलू क्रिकेट में लौट कर खुद को और निखारने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि पंत निश्चित रूप से बेहद प्रतिभाशाली हैं लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर करने के लिए उन्हें अभी घरेलू क्रिकेट में लौटकर खुद को निखारना चाहिए। उन्होंने कहा कि पंत को अभी काफी निखारे जाने की जरूरत है। किरमानी ने लोकेश राहुल का उदाहरण देते हुए कहा कि यह बल्लेबाज जब खराब दौर से गुजर रहा था तो उसने घरेलू क्रिकेट का रुख किया। रणजी ट्रॉफी व अन्य घरेलू टूर्नामेंटों में ढेरों रन बनाकर टीम इंडिया में वापसी कर ली। पंत को भी ऐसा ही कुछ करना पड़ेगा। किरमानी ने अपनी मिसाल देते हुए कहा कि 1971 से 1975 तक उन्होंने घरेलू क्रिकेट में खुद को निखारा और उसके बाद ही वह राष्ट्रीय टीम में फारुख इंजीनियर का स्थान ले सके। उसके बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वह रोडनी मार्श, एलन नॉट और वसीम बारी जैसे महान विकेटकीपरों से और ज्यादा सीख सके। उन्होंने कहा कि अंडर-19 क्रिकेट से किसी खिलाड़ी को अचानक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उतार देना अकसर ऐसी समस्याओं को जन्म देता है क्योंकि हर खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर नहीं होता। अंडर-19 और अंतरराष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट में बहुत फर्क होता है। भारत की तरफ से 88 टैस्ट और 49 वनडे खेल चुके किरमानी ने कहा कि भारत के पास दिनेश कार्तिक, ऋद्धिमान साहा और संजू सैमसन के रूप में विकेटकीपिंग के कई अच्छे विकल्प मौजूद हैं जो पंत के मुकाबले ज्यादा क्षमतावान हैं।

पूर्व क्रिकेटर प्रवीण कुमार पर मारपीट का आरोप

मेरठ, 15 दिसंबर (भाषा)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी प्रवीण कुमार पर टीपीनगर थाना क्षेत्र के मुल्ताननगर में एक फैक्ट्री मालिक के साथ मारपीट करने का आरोप लगा है। स्कूल बस से बच्चों को उतारने के दौरान कार निकालने के विवाद में यह घटना हुई। यह भी आरोप है कि प्रवीण कुमार ने बाइक पर बैठे बच्चे को उठाकर फेंक दिया। प्रवीण के खिलाफ टीपीनगर थाने में तहरीर दी गई है। हालांकि अभी मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है। टीपीनगर के थाना प्रभारी दिनेश चंद्र ने रविवार को बताया कि मुल्ताननगर में रहने वाले दीपक शर्मा ने प्रवीण पर आरोप लगाए हैं। दीपक की मूर्तियां बनाने की फैक्ट्री है। थाना प्रभारी ने बताया कि दीपक के अनुसार उनका बेटा यशवर्द्धन (छह साल) पहली कक्षा में पढ़ता है। शनिवार दोपहर वह मुल्ताननगर में स्कूल बस से यशवर्द्धन को उतार रहे थे। इस दौरान प्रवीण कार लेकर उस तरफ से जा रहे थे। स्कूल बस से बच्चों को उतारने के दौरान रास्ता मामूली रूप से बाधित था। इसे लेकर प्रवीण और दीपक के बीच कहासुनी हो गई।

हेटमेयर और होप के शतक, वेस्ट इंडीज की दमदार जीत

चेन्नई, 15 दिसंबर (भाषा)।

बाएं हाथ के बल्लेबाज शिमरोन हेटमेयर के आक्रामक शतक और शाई होप के साथ उनकी बड़ी शतकीय साझेदारी से वेस्ट इंडीज ने रविवार को यहां पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में भारत को 13 गेंद शेष रहते हुए आठ विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बनाई।

हेटमेयर ने 106 गेंदों पर 11 चौकों और सात छक्कों की मदद से 139 रन बनाए जो वनडे में उनका सर्वोच्च स्कोर है। होप (151 गेंदों पर नाबाद 102) ने भी सधी हुई शतकीय पारी खेली। इन दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 218 रन जोड़े जो वेस्ट इंडीज की तरफ से भारत के खिलाफ किसी भी विकेट के लिए दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। इससे कैरेबियाई टीम ने 47.5 ओवर में दो विकेट पर 291 रन बनाकर जीत दर्ज की।

भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही लेकिन नंबर चार पर अपनी जगह स्थापित करने में लगे श्रेयस अय्यर (88 गेंदों पर 70) और ऋषभ पंत (69 गेंदों पर 71) ने चौथे विकेट के लिए 114 रन की साझेदारी और केदार जाधव (35 गेंदों पर 40) के उपयोगी योगदान से टीम आठ विकेट पर 287 रन तक पहुंचने में सफल रही।

शतक लगाने वाले वेस्ट इंडीज के बल्लेबाज हेटमेयर (बाएं) और होप। श्रेयस अय्यर और ऋषभ पंत रन के लिए दौड़ते हुए। (दाएं)

पिच धीमी थी लेकिन भारतीय गेंदबाज इसका फायदा नहीं उठा पाए। भारत चार मुख्य गेंदबाजों के साथ उतरा था और उसे पांचवें गेंदबाज की कमी खली। शिवम दुबे (7.5 ओवर में 68 रन) और जाधव (एक ओवर में 11 रन) जिम्मेदारी बखूबी नहीं निभा पाए। इसके अलावा मोहम्मद शमी (नौ ओवर में 57 रन देकर एक) और रविंद्र जडेजा (दस ओवर में 58 रन) जैसे अनुभवी गेंदबाज भी महत्त्वपूर्ण मौकों पर प्रभावी नहीं रहे। वेस्ट इंडीज के सामने अपेक्षाकृत बड़ा लक्ष्य नहीं था लेकिन दीपक चाहर (48 रन देकर एक) ने सुनील अंबरीश (नौ) को पगबाधा आउट करके भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई। इसके बाद हेटमेयर और होप ने बखूबी पारी संवारी। होप जहां सारथी की भूमिका में उतरे वहीं हेटमेयर ने रन बनाने का जिम्मा उठाया।

हेटमेयर ने रविंद्र जडेजा पर लगातार दो छक्के लगाए लेकिन शमी की गेंद पर पुल करके लगाया गया उनका छक्का दर्शनीय था। वह अर्धशतक पूरा करने के बाद अधिक आक्रामक बने लेकिन शतक के करीब पहुंचने पर थोड़ा धीमे पड़े। दूसरे छोर पर होप ने रणनीतिक बल्लेबाजी की और विकेट बचाए रखने को प्राथमिकता में रखा। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि वह 92 गेंदों पर 50 रन पर पहुंचे जिसमें केवल तीन चौके शामिल थे। होप जब 91 रन पर थे तब उन्होंने चाहर पर अपनी पारी का पहला छक्का और फिर चौका जड़कर अपने करिअर का आठवां शतक पूरा किया।

आस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को 296 रन से रौंदा

पर्थ, 15 दिसंबर (एएफपी)।

ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को पर्थ स्टेडियम में खेले गए पहले टैस्ट के चौथे दिन न्यूजीलैंड की दूसरी पारी को 171 रन पर समेट कर 296 रन से जीत दर्ज की जो इस टीम के खिलाफ रनों के लिहाज से उसकी दूसरी सबसे बड़ी जीत है।

पहली पारी में 250 रन से पिछड़ने वाली न्यूजीलैंड को दिन-रात्रि टैस्ट के चौथी पारी में जीत के लिए 468 रन का मुश्किल लक्ष्य मिला था। चौथी पारी में सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करने का रेकार्ड वेस्ट इंडीज के नाम है जिसने 2003 में सेंट जोंस में सात विकेट पर 418 रन बनाकर आस्ट्रेलिया को हराया था। आस्ट्रेलिया ने लंच से पहले ही सलामी बल्लेबाज जीत रावल और कप्तान केन विलियमसन का विकेट चटकाकर जीत की तरफ कदम बढ़ा दिए थे। न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों ने इसके बाद मैच को पांचवें दिन तक खींचने की कोशिश की लेकिन मिशेल स्टार्क और पैट कमिंस ने पर्थ के मैदान पर खेले गए पहले दिन-रात्रि टैस्ट में उनकी एक ना चलने दी।

न्यूजीलैंड के अंतिम पांच विकेट 17 रन के अंदर गिर गए जिससे टीम 171 रन पर आउट हो गई। आस्ट्रेलिया ने इस मुकाबले को 296 रन से जीता जो रनों के हिसाब से न्यूजीलैंड के खिलाफ उसकी सबसे बड़ी जीत से सिर्फ एक रन कम है। आस्ट्रेलिया ने आकलैंड में 1974 में न्यूजीलैंड को 297 रन से हराया था।

पहली पारी में पांच विकेट लेने वाले स्टार्क ने दूसरी पारी में 45 रन देकर चार विकेट चटकाए। कमिंस ने दूधिया रोशनी में गुलाबी गेंद पर शानदार पकड़ दिखाते हुए 31 रन देकर दो विकेट लिए जबकि स्पिनर नाथन लियोन ने 63 रन देकर चार बल्लेबाजों को चलता किया।

चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करने उतरे न्यूजीलैंड ने इसके बाद सलामी बल्लेबाज जीत रावल और विलियमसन विकेट गंवा दिए। रावल एक रन बनाकर मैच में स्टार्क का छठा शिकार बने जबकि लियोन ने पारी की अपनी पहली गेंद पर ही विलियमसन को शार्ट लेग पर खड़े मैथ्यू वेड के हाथों कैच कराया। न्यूजीलैंड के कप्तान ने 14 रन बनाए।

विकेट लेने का जश्न मनाते हुए कंगारू खिलाड़ी।

कोलकाता 25के मैराथन

बार्सोटन, गुटेनी ने जीते खिताब

कैंसर को मात देकर रजत विजेता बनीं श्यामली

कोलकाता, 15 दिसंबर (भाषा)।

केन्या के लियोनार्ड बार्सोटन और इथियोपिया की गुटेनी शोन ने कोर्स रेकार्ड के साथ रविवार को टाटा स्टील कोलकाता 25के दौड़ में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग के खिताब जीते। बार्सोटन ने 25 किमी दौड़ का खिताब एक घंटा 13 मिनट और पांच सेकंड के समय के साथ जीता। उन्होंने केनेनिसा बेकेले के कोर्स रेकार्ड में 40 सेकंड का सुधार किया।

पुरुष और महिला दोनों वर्ग में शीर्ष तीन अंतरराष्ट्रीय एलीट धावकों ने पिछले कोर्स रेकार्ड से बेहतर प्रदर्शन किया। पुरुष वर्ग में इथियोपिया के बेतेस्फा गेताहुन (एक घंटा 13 मिनट और 33 सेकंड) दूसरे जबकि उनके हमवतन बायेलिन येगसाव (एक घंटा 13 मिनट और 36 सेकंड) तीसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग में गुटेनी ने देगेतु अजिमेराव के कोर्स रेकार्ड में चार मिनट से अधिक का सुधार किया। उन्होंने एक घंटा 22 मिनट और नौ सेकंड के समय के साथ खिताब जीता। डेसी जिसा (एक घंटा 23 मिनट और 22 सेकंड) ने रजत जबकि तेजितु डाबा (एक घंटा 24 मिनट और 32 सेकंड) ने कांस्य पदक जीता।

लियोनार्ड बार्सोटन

बार्सोटन अब दुबई में आरएके हाफ मैराथन में हिस्सा लेने की योजना बना रहे हैं जबकि वह यूरोपीय सर्किट पर भी खेलेंगे। भारतीय धावकों में श्रीनु बुगाथा एक घंटा 18 मिनट और 31 सेकंड के समय के साथ पुरुष वर्ग में शीर्ष पर रहे जबकि महिला वर्ग में किरनजीत कौर ने एक घंटा 38 मिनट और 56 सेकंड के समय के साथ पहला स्थान हासिल किया। भारतीय पुरुष धावकों में तीर्थ पुन (एक घंटा 18 मिनट और 39 सेकंड) दूसरे जबकि हर्षद म्हात्रे (एक घंटा 20 मिनट और 30 सेकंड) तीसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग में श्यामली सिंह (एक घंटा 39 मिनट और दो सेकंड) ने दूसरा जबकि आरती पाटील (एक घंटा 39 मिनट और 40 सेकेंड) ने तीसरा स्थान हासिल किया।

पश्चिम बंगाल के मिदनापुर की श्यामली सिंह ने कई चुनौतियों से पार पाते हुए टाटा स्टील कोलकाता 25के (25 किमी) दौड़ में भारतीय महिला खिलाड़ियों के बीच रजत पदक हासिल किया। गरीब किसान परिवार से संबंध रखने वाली श्यामली को दो साल पहले ट्यूमर (कैंसर) का पता चला लेकिन इसने भी उनके हौसलों को पस्त नहीं होने दिया।

पति सह कोच संतोष की मदद से उन्होंने 2017 में मुंबई मैराथन में भाग लिया और तीन घंटे आठ मिनट 41 सेकंड के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। इससे उन्हें पुरस्कार राशि के तौर पर चार लाख रुपए मिले जिसका इस्तेमाल उन्होंने अपने इलाज के लिए किया। दो साल के बाद कैंसर पर जीत दर्ज कर उन्होंने दमदार वापसी की और कोलकाता 25के में महिला वर्ग में किरनजीत कौर के बाद दूसरे स्थान (एक घंटा 39 मिनट और दो सेकंड) पर रहीं।

श्यामली सिंह

अपने संघर्ष को याद करते हुए श्यामली ने कहा, 'हमारी स्थिति अच्छी नहीं थी। मेरे पति संतोष मेरे कोच भी हैं। हमें इलाज के लिए पैसे की जरूरत थी इसलिए हमने मिलकर संघर्ष करने का फैसला किया। मैंने मुंबई मैराथन में भाग लिया। मैं इसमें शीर्ष तीन में रहने को लेकर प्रतिबद्ध थी जिससे इलाज के लिए पैसे मिल सकें। रविवार को वह यहां 17 किलोमीटर तक भारतीय महिला धावकों में शीर्ष पर थीं लेकिन पेट की मांसपेशियों में खिंचाव आने के कारण उन्हें अपनी गति धीमी करनी पड़ी। इस दौरान उनके शरीर में पानी की कमी हो गई। उन्होंने कहा कि मुझे चिकित्सक से सलाह लेनी होगी लेकिन मैं पांच हजार, 10 हजार मीटर के साथ 25के, हाफ और फुल मैराथन में दौड़ना जारी रखूंगी।

लक्ष्य सेन ने बांग्लादेश चैलेंजर ट्रॉफी जीती

ढाका, 15 दिसंबर (भाषा)।

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने रविवार को यहां बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय चैलेंजर के पुरुष एकल फाइनल में मलेशिया के लेओंग जुन हाओ को हराकर सत्र का पांचवां खिताब जीता।

अठारह साल के इस खिलाड़ी ने हाओ को सीधे गेम में 22-20, 21-18 से हराया। वे पिछले सात टूर्नामेंट में से पांचवीं बार चैम्पियन बने। इस जीत के बाद उन्होंने ट्वीट किया, 'अपने पांचवें खिताब के साथ यहां बांग्लादेश में साल का अंत जीत के साथ करके खुश हूं। उम्मीद है अगले साल भी अच्छी फार्म जारी रहेगी।'

अन्य भारतीयों में महिला युगल में मनीषा के और ऋतपर्णा पांडा की जोड़ी को शीर्ष वरीयता पेअर्ले कोंग ली और थिनाह मुरलीधरन की मलेशियाई जोड़ी से 20-22, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा।

एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला की पुरुष युगल जोड़ी को भी फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जोड़ी को चौथी वरीयता प्राप्त मलेशिया की यी जुन चांग और काइ वुन ती की जोड़ी ने 21-19, 21-16 से हराया।

कारपोव के तंज ने झकझोर दिया था आनंद को

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (भाषा)।

अनातोली कारपोव ने एक बार विश्वनाथन आनंद पर तंज कसते हुए कहा था कि इस भारतीय खिलाड़ी में बड़े मैच जीतने का जज्बा नहीं है। इसका उन पर गहरा असर पड़ा था और इसके बाद वह शतरंज की दुनिया में रूस के खिलाड़ी जितना ही बड़ा नाम बने। विश्व चैंपियनशिप 1998 के फाइनल में आनंद को हराने के बाद कारपोव ने कहा था कि विशी (विश्वनाथन आनंद) अच्छा व्यक्ति हैं लेकिन उसमें बड़े मैच जीतने का जज्बा नहीं है। आनंद ने हाल में जारी अपनी आत्मकथा 'माइंड मास्टर- विनिंग लैसन फ्रॉम ए चैंपियंस लाइफ' में इस टिप्पणी का जिक्र किया है।

आनंद ने किताब में लिखा, 'उनके शब्दों ने मुझे झकझोर दिया। यह अप्रिय अहसास था कि मुझे ऐसे खिलाड़ी के रूप में देखा जा रहा है जो अच्छा है लेकिन जिसमें बड़े मैच जीतने के लिए दृढ़ विश्वास की कमी है।' उन्होंने कहा कि मैं अपनी क्षमता दिखाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा था और इस तंज ने मेरे अंदर मौजूद उस दृढ़ विश्वास को और मजबूत कर दिया। अब कोई चीज मायने नहीं रखती थी, मुझे अब खिताब जीतना था।इस घटना के बाद भारतीय ग्रैंडमास्टर ने अपने करिअर को लेकर आत्ममंथन किया।

आनंद ने लिखा, 'यह संभवतः सही था कि मेरे अंदर जज्बे की कमी थी और विश्व चैंपियनशिप खिताब जीतने के लिए मानसिक रूप से मजबूत नहीं था। अपने करिअर में लंबे समय तक विश्व चैंपियन बनने की चाहत को लेकर मेरे अंदर जुनून नहीं था।' 2000 में फिडे विश्व चैंपियनशिप का पहला चरण नई दिल्ली में खेला गया। आनंद ने घरेलू हालात का पूरा फायदा उठाते हुए फाइनल में जगह बनाई जो तेहरान में खेला जाना था। फाइनल में भी आनंद की राह आसान रही। पहली बाजी ड्रॉ खेलने के बाद आनंद ने अगली तीन बाजियां जीतकर खिताब अपने नाम किया। आनंद ने कहा, 'अंत में मैं विश्व चैंपियन बन गया था।'

एबी को वापसी के लिए मनाने का प्रयास कर सकते हैं बाउचर

जोहानिसबर्ग, 15 दिसंबर (भाषा)।

नव नियुक्त मुख्य कोच मार्क बाउचर ने कहा है कि वह एबी डिविलियर्स को आगामी टी-20 विश्व कप से पहले दक्षिण अफ्रीकी टीम में वापसी के लिए मनाने का प्रयास कर सकते हैं। वे एबी के अलावा हाल में संन्यास लेने वाले कुछ अन्य खिलाड़ियों को भी लाने की कोशिश कर सकते हैं। बाउचर को शनिवार को 2023 तक दक्षिण अफ्रीका का मुख्य कोच नियुक्त किया गया। उनका पहला बड़ा टूर्नामेंट आस्ट्रेलिया में टी-20 विश्व कप होगा जिसमें अभी 10 महीने का समय है।

'ईएसपीएनक्रिकइंफो' ने बाउचर के हवाले से कहा कि जब आप विश्व कप में जाते हैं तो आप चाहते हैं कि आपके सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी आपके लिए खेलें। अगर मैं मानता हूं कि वह (डिविलियर्स) हमारे बेहतर खिलाड़ियों में से एक हैं तो मैं उनके साथ बात क्यों नहीं करना चाहूंगा। मैंने अभी पद संभाला है, मैं कुछ खिलाड़ियों के साथ बात कर सकता हूं।

उन्होंने कहा कि आप विश्व कप में अपने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चाहते हैं और अगर इसके लिए आपको मीडिया, टीम के साथियों के साथ कुछ मुद्दों को सुलझाने की जरूरत पड़े और यह दक्षिण अफ्रीका के लिए अच्छा हो तो फिर ऐसा क्यो नहीं करें। दक्षिण अफ्रीका के महानतम खिलाड़ियों में से एक माने जाने वाले पूर्व कप्तान डिविलियर्स ने पिछले साल मार्च में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था और अब दुनिया भर के फ्रेंचाइजी आधारित टूर्नामेंटों में खेल रहे हैं।

बाउचर ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका को टी-20 विश्व कप में अपने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की जरूरत है और वह कोलपैक करार करने वाले खिलाड़ियों की उपलब्धता का स्वागत करेंगे।

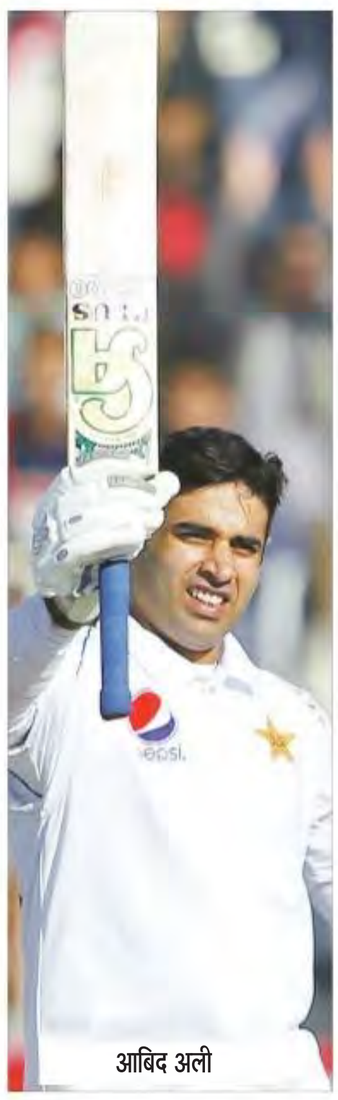

आबिद अली

आबिद का रेकार्ड शतक, पाक-श्रीलंका टैस्ट ड्रा

रावलपिंडी, 15 दिसंबर (एएफपी)।

पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच बारिश से प्रभावित पहला टैस्ट क्रिकेट मैच रविवार को यहां अनिर्णीत समाप्त हुआ जिसका आकर्षण आबिद अली का शतक रहा जिससे वह वनडे और टैस्ट दोनों प्रारूपों में पदार्पण पर सैकड़ा जड़ने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने।

आबिद ने नाबाद 109 रन बनाए और बाबर आजम (नाबाद 102) के साथ तीसरे विकेट के लिए 162 रन की अटूट साझेदारी की। पाकिस्तान ने खेल के पांचवें और अंतिम दिन अपनी पहली पारी में जब दो विकेट पर 252 रन बनाए थे तो अंपायरों ने मैच ड्रा समाप्त घोषित करने का फैसला किया।

पाकिस्तान में दस साल में पहली बार खेले जा रहे टैस्ट मैच के पहले चार दिन का खेल बारिश से प्रभावित रहा। श्रीलंका ने अपनी पहली पारी छह विकेट पर 308 रन बनाकर घोषित की। उसकी तरफ से धनंजय डिसिल्वा ने शतक लगाया। उन्होंने रविवार को सुबह 87 रन से आगे खेलते हुए नाबाद 102 रन बनाए। डिसिल्वा ने पहले तीन दिन भी बल्लेबाजी की जबकि चौथे दिन बारिश के कारण खेल नहीं हो पाया था।

इसके बावजूद यह मैच पाकिस्तान में टैस्ट क्रिकेट की वापसी और आबिद के शतक के कारण यादगार बन गया। आबिद ने अपनी पारी में 201 गेंदें खेली तथा 11 चौके लगाए। यह 32 वर्षीय बल्लेबाज जब 95 रन पर थे तब उन्होंने विश्व फर्नांडो पर पहले चौका जड़ा और फिर कवर पर दो रन के लेकर अपना शतक पूरा किया। उन्होंने इस साल मार्च में आस्ट्रेलिया के खिलाफ दुबई में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण पर 112 रन की पारी खेली थी।

इससे पहले श्रीलंका के मध्यक्रम के बल्लेबाज धनंजय डिसिलवा ने शतक जड़ा जिससे मेहमान टीम ने सुबह के सत्र में 20 मिनट बल्लेबाजी करने के बाद छह विकेट पर 308 रन पर पारी घोषित कर दी।

रजिस्ट्रेशन नं. डी.एल.-21047/03-05, आरएनआई नं. 42819/83, वर्ष 37, अंक 29, *हवाई शुल्क :* इंफल-पांच रुपए, गुवाहाटी-चार रुपए, रायपुर-दो रुपए और पटना- एक रुपए।
दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के लिए आर. सी. मल्होत्रा द्वारा ए-8, सेक्टर 7, नोएडा- 201301, जिला गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित और मेजनीन फ्लोर, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9-10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित। फोनः (0120) 2470700/2470740, ई-मेलः edit.jansatta@expressindia.com, फैक्सः (0120) 2470753, 2470754, **बोर्ड अध्यक्षः विवेक गोयनका, कार्यकारी संपादकः मुकेश भारद्वाज***, *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेवार। कापीराइटः दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड। सर्वाधिकार सुरक्षित। लिखित अनुमति लिए बगैर प्रकाशित सामग्री या उसके किसी अंश का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता।

www.readwhere.com